नई दिल्ली । रविवार, 24 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :138 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन : आदिल-मुकंद की...
@ साहित्य केसरी अनुसंधान...
@ व्यापार दिल्ली में सीएनजी की कीमतों में हुई 1 रुपए की बढ़ोतरी...

संक्षिप्त खबर

यूपीएससी 2026 प्रीलिम्स : फेस स्कैन के बाद मिलेगी एंट्री

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा कल यानि 24 मई को होगी। छत्तीसगढ़ में रायपुर और बिलासपुर में एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं, जहां टोटल 13 हजार 319 कैंडिडेट्स एग्जाम देंगे। रायपुर जिले में 22 एग्जाम सेंटर हैं, जहां करीब 8 हजार 449 कैंडिडेट्स प्रीलिम्स एग्जाम देंगे। वहीं, बिलासपुर में 14 सेंटर है, जहां 4 हजार 870 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इस बार परीक्षा में पहली बार फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम लागू किया गया है। कैंडिडेट्स को एग्जाम सेंटर में एंट्री से पहले फेस ऑथेंटिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। यानि कैंडिडेट्स जब सेंटर पहुंचेंगे तो उनका फेस स्कैन किया जाएगा। वेरिफाइड होने के बाद उन्हें अंदर जाने दिया जाएगा।

आधे घंटे पहले एग्जाम सेंटर पहुंचे

परीक्षा पहली पाली में सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली में दोपहर 2:30 से 4:30 बजे तक होगी। पहली पाली के लिए सुबह 9 बजे और दूसरी पाली के लिए दोपहर 2 बजे परीक्षा केंद्र का मेन गेट बंद कर दिया जाएगा।

दिल्ली से वॉशिंगटन तक दोस्ती मजबूत

प्रधानमंत्री मोदी से मिले अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। रूबियो ने पीएम मोदी से द्विपक्षीय संबंधों, रणनीतिक सहयोग, व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान रूबियो ने पीएम को व्हाइट हाउस आने का न्योता भी दिया।

पीएम ने लिखा, 'अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का स्वागत कर मुझे हार्दिक खुशी हुई। हमने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में लगातार हो रही प्रगति और क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका वैश्विक कल्याण के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।'

चार दिवसीय दौरे पर भारत आए अमेरिकी विदेश मंत्री के साथ नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के राजदूत सर्जियो गोर भी शामिल हुए। उन्होंने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मुलाकात की अहमियत बताई।

गोर ने बताया, 'रूबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को निकट भविष्य में व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया है!'

मार्को रूबियो ने शनिवार को अपने भारत दौरे की शुरुआत कोलकाता से की। यहां उन्होंने 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' का भी दौरा किया, जिस पर गोर ने टिप्पणी की कि ऐसे पल ही हमें याद दिलाते हैं कि अमेरिका-भारत की साझेदारी न केवल मजबूत नीतियों पर टिकी है, बल्कि साझा मूल्यों और निस्वार्थ सेवा की भावना पर भी आधारित है।

पिछले साल पदभार संभालने के बाद रूबियो की यह पहली भारत यात्रा है। वे शनिवार सुबह शहर में उतरे, यहां वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका विधिवत स्वागत किया। अमेरिकी विदेश मंत्री इस दौरे के दौरान आगरा और जयपुर भी जाएंगे। रूबियो, रविवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करने वाले हैं। इसके बाद वे मंगलवार को नई दिल्ली में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। इस समूह का हिस्सा भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान हैं। क्वाड बैठक 26 मई को नई दिल्ली में होनी है, जिसकी मेजबानी विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे। इसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के अलावा ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापानी विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी शामिल होंगे।

बीएसएफ और बांग्लादेश गार्ड आमने-सामने

तारबंदी करने से रोकने पर फैला तनाव

एजेंसी ■ चेंगड़ाबांधा

भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक बार फिर तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया है। तीनबीघा कारिडोर से सटे दहग्राम-अंगारपोटा सीमा क्षेत्र में कंटीले तार की बाड़ लगाने को लेकर शुक्रवार को अचानक स्थिति गर्मा गई।

आरोप है कि सीमा पर जमीन मापने का कार्य शुरू होते ही बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने आपत्ति जताई, जिसके परिणामस्वरूप पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया। सूत्रों के अनुसार, मेखलीगंज ब्लाक के सीमावर्ती खुले इलाकों में तारबंदी पूरी करने के लिए लगभग 105 एकड़ जमीन अधिग्रहण की आवश्यकता है।

इनमें से लगभग 80 एकड़ जमीन भारत के भीतर स्थित बांग्लादेशी छिटमहल दहग्राम-अंगारपोटा इलाके में आती है। इसी प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को भूमि एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारी जमीन मालिकों की मौजूदगी में जमीन की माप-जोख कर रहे थे। तभी कुछ बांग्लादेशी नागरिकों और बीजीबी जवानों ने इस कार्य पर आपत्ति जताई, जिससे सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई।

हालांकि, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने संयम बरतते हुए हालात को संभाला और किसी बड़े टकराव को टाल दिया। वही घटना के बाद शनिवार को विधायक दधिराम राय खुद सीमा क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे। उन्होंने बीएसएफ अधिकारियों के साथ बैठक की।

इस दौरान सीमा पर बीएसएफ और बीजीबी के बीच फ्लैग मीटिंग भी हुई। बैठक में बीएसएफ की 174वीं बटालियन के कमांडिंग आफिसर विनोद सिंह तथा बीजीबी की ओर से नाजियुर रहमान समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

घटना के बाद सीमावर्ती गांवों के लोगों में भी नाराजगी देखने को मिली। स्थानीय निवासी विष्णुपद राय और जयनाथ राय ने कहा कि भारतीय जमीन पर विकास कार्य करने में बार-बार अड़चने पैदा की जा रही है। उनका कहना था कि शुक्रवार को भी भारत की जमीन पर काम रोका गया। लेकिन बीएसएफ ने बेहद धैर्य और समझदारी से हालात संभाले।

प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि सीमा पर घुसपैठ, तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए तेजी से तारबंदी का कार्य पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जा सकती है।

सीमा पर काम रुकने को लेकर भड़के भाजपा विधायक

बैठक के बाद विधायक दधिराम राय ने कड़े तेवर दिखाते हुए कहा कि राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार अगले 45 दिनों के भीतर कंटीले तार की बाड़ लगाने का कार्य पूरा करना होगा। देश की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अगर बांग्लादेश की ओर से किसी तरह की बाधा आती है तो उसका सख्ती से सामना किया जाएगा।

'रेसलर विनेश एशियन गेम्स ट्रायल में हिस्सा ले सकेंगी'

एजेंसी ■ चंडीगढ़

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेसलर और कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट को एशियन गेम्स 2026 चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने शनिवार को कहा कि रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की चयन नीति मातृत्व अवकाश से लौटने वाले खिलाड़ियों के लिए अवसर नहीं देती, इसलिए यह भेदभावपूर्ण है।

मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने निर्देश दिया कि चयन ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाए। साथ ही स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन का एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद रहेगा।

कोर्ट ने यह भी कहा कि खेल और न्याय के हित में विनेश को ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति देना जरूरी है। उनको जारी शो-कॉज नोटिस में उठाए गए मुद्दे 'पहले से तय' और 'बंद मामलों को दोबारा खोलने' जैसे लगते हैं।

डब्ल्यूएफआई ने एंटी-डोपिंग नियमों का हवाला देते हुए फोगाट को 26 जून, 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। विनेश इसके खिलाफ हाईकोर्ट गई हैं। विनेश मई महीने की शुरुआत में गोंडा भी गईं थी, जहां ट्रायल के लिए घरेलू टूर्नामेंट हुआ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक दिन पहले (22 मई) ही भारतीय कुश्ती महासंघ को विनेश को घरेलू प्रतियोगिताओं में खेलने से रोकने पर कड़ी फटकार लगाई थी। अदालत ने कहा था कि मशहूर खिलाड़ियों को पहले ऐसी छूट दी जाती रही है, फिर अब विनेश के साथ अलग व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

'कोई ताकत नहीं रोक सकती', भारत बनेगा युद्ध सामान निर्यातक : राजनाथ

भारत कभी हथियारों का आयातक माना जाता था

एजेंसी ■ शिरडी

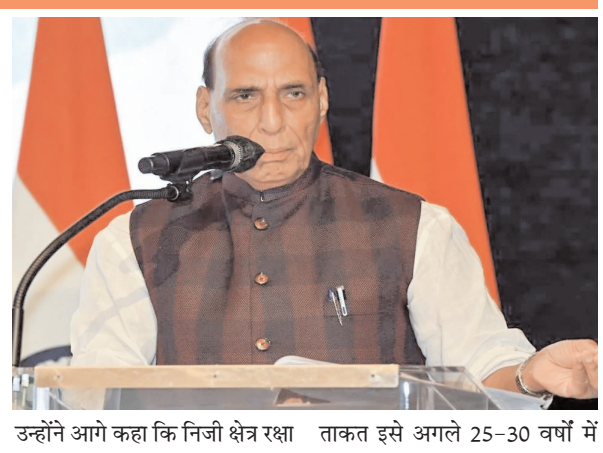

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके तहत देश अगले 25-30 वर्षों में हथियारों का प्रमुख निर्यातक बनेगा। उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने में निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जिसका लक्ष्य रक्षा उत्पादन में 50 प्रतिशत की भागीदारी हासिल करना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि कोई भी शक्ति भारत को, जिसे कभी हथियारों का आयातक माना जाता था, अगले 25-30 वर्षों में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। शिरडी में गोला-बारूद निर्माण इकाई का उद्घाटन करने के बाद, सिंह ने कहा कि रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका को 50 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने आगे कहा कि निजी क्षेत्र रक्षा क्षेत्र में केवल पुर्जों का आपूर्तिकर्ता नहीं है, बल्कि अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों का निर्माता भी है। सिंह ने कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार एक साथ मिलते हैं, तभी देश नई ऊंचाइयों को छूता है। सिंह ने कहा कि भारत को हथियारों का आयातक माना जाता था, लेकिन अब कोई भी ताकत इसे अगले 25-30 वर्षों में सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार एक साथ मिलते हैं, तो देश नई ऊंचाइयों को छूता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को गोला-बारूद और स्वचालन का केंद्र बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

ट्विशा शर्मा मामला : सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वत: सज्ञान

सीजेआई 25 मई को करेंगे सुनवाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के चर्चित त्विषा शर्मा संदिग्ध मौत मामला अब देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए इसे गंभीर माना है। अब इस केस की सुनवाई 25 मई को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच करेगी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 'मैट्रिमोनियल होम में युवा महिला की अप्राकृतिक मृत्यु में कथित संस्थागत पूर्वाग्रह और प्रक्रियात्मक विसंगतियों के संबंध में' शीर्षक से स्वत: संज्ञान लिया है। इसका मतलब है कि कोर्ट ने बिना किसी औपचारिक अपील के खुद ही मामले की जांच और सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है। यह मामला मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित कटारा हिल्स स्थित निवास से जुड़ा है, जहां 12 मई को त्विषा शर्मा का शव उनके ससुराल में मिला था। त्विषा मूल रूप से नोएडा की रहने वाली थीं और उनकी शादी कुछ महीने पहले ही अधिवक्ता समर्थ सिंह से हुई थी।

त्विषा के पति समर्थ सिंह को सात दिन की रिमांड पर भेजा गया बता दें, इस हाई-प्रोफाइल केस में शनिवार को आरोपी समर्थ सिंह को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। भोपाल जिला अदालत में सुनवाई शुरू होते ही पुलिस ने आरोपी की 7 दिन की रिमांड की मांग की।

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर: सुरक्षा में तैनात जवानों ने किए दर्शन

लोगों के लिए तीन जुलाई से शुरू होगी यात्रा

एजेंसी ■ जम्मू

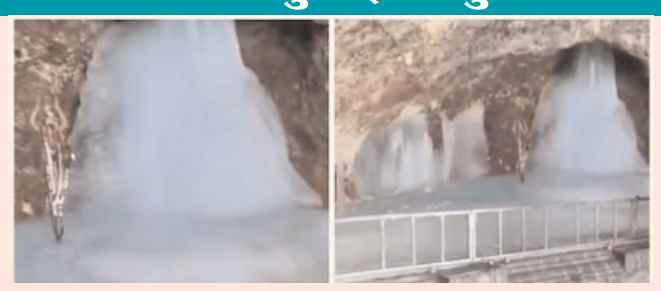

वर्ष 2026 की पवित्र अमरनाथ यात्रा पर आने वाले बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए एक अच्छी खबर है। बाबा बर्फानी अमरनाथ की पवित्र गुफा में पूर्ण आकार में अपने भक्तों को साक्षात दर्शन देने के लिए प्रकट हुए हैं। वहीं भक्तों को हर सुविधा प्रधान करने के लिए श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) और प्रशासन सभी तैयारियां तेजी से जारी रखे हुए है ताकि यात्रा पर आने वाले भक्तों को किसी तरह की असुविधा न हो।

पवित्र गुफा में प्रकट हुए हिम शिवलिंग

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पवित्र अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पूर्व पवित्र गुफा तक के रास्ते और गुफा के आस पास चल रहे कार्यों का निरीक्षण करने गई एक टीम द्वारा बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर अपने साथ कैमरे में साथ लाई और इस तस्वीर से हम आपको इस वर्ष पवित्र गुफा में प्रकट हुए हिम शिवलिंग के पहले दर्शन करवाएंगे। पवित्र अमरनाथ गुफा में ली गई यह ताजा तस्वीरें और विडियो दर्शाती हैं की पवत्र हिमलिंग अपने पूर्ण आकार में भक्तों को साक्षात दर्शन देने के लिए प्रकट हुए हैं। तस्वीर में बाबा बर्फानी का आकार करीब 7-10 फीट का दिख रहा है। वीडियो में सुरक्षाबल के जवान प्राकृतिक रूप से बने हिम शिवलिंग के दर्शन करते हुए दिख रहे हैं। माना जा रहा कि जवान सुरक्षा संबंधित रेकी करने गए थे। सूत्रों की मानें तो यह वीडियो 19-20 मई के आसपास का है, हालांकि इन तस्वीरों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

शव भक्तों में जबरदस्त उत्साह

बर्फ से प्राकृतिक रूप से बने हिम शिवलिंग का पूर्ण और भव्य स्वरूप देख श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। हर साल की तरह इस बार भी बाबा बर्फानी व शिव परिवार का पूर्ण आकार में प्रकट होना बेहद शुभ संकेत माना जा रहा है जिससे भक्तों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर यह फोटो और वीडियो सामने आने के बाद देशभर के शिव भक्तों में जबरदस्त उत्साह है।

57 दिन तक चलेगी यात्रा

श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अनुसार इस साल की 57 दिवसीय यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त रक्षाबंधन तक चलेगी। दोनों रूटों पहलगाम और बालटाल से तीर्थयात्रियों का पंजीकरण पहले ही शुरू हो चुका है। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार अभी तक साढ़े तीन लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवा चुके हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधाओं को लेकर प्रशासन की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं। दोनों मार्गों पर बर्फ हटाने का काम भी तेजी से चल रहा है। वहीं श्राइन बोर्ड ने अपील की है कि यात्रा के दौरान श्रद्धालु केवल आधिकारिक रूप से जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें और बिना पंजीकरण यात्रा न करें। मौसम और स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।

सुरक्षा रहेगी कड़ी

गौरतलब है कि हिंदू धर्म के सबसे प्रतिष्ठित तीर्थस्थलों में से एक अमरनाथ यात्रा, दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा में हर साल लाखों भक्तों को आकर्षित करती है। यात्रा के बुनियादी ढांचे से संबंधित एक महत्वपूर्ण विकास में, लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा द्वारा हाल ही में श्रीनगर के पंथा चौक में श्री अमरनाथ यात्रा के लिए बनाए गए यात्री निवास का भी दौरा किया और कार्यों का जायजा लिया।

कॉकरोच जनता पार्टी का दावा- वेबसाइट बंद, इंस्टाग्राम हैक

फाउंडर बोले- सरकार तानाशाह, आंदोलन नहीं रोक सकती; सोनम वांगचुक ने कहा- मैं भी कॉकरोच

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को सरकार पर इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने और वेबसाइट बंद करने का आरोप लगाया। पार्टी ने सुबह 8.25 बजे X पोस्ट में बताया कि सीजेपी का इंस्टाग्राम अकाउंट एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं।

इसके बाद पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दोपहर 1.14 बजे X पर कहा- सरकार ने हमारी वेबसाइट बंद कर दी है। उस पर 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। 6 लाख लोगों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग वाली याचिका पर साइन किए थे। मेरा पर्सनल अकाउंट भी हैक कर लिया गया है।

अभिजीत ने लिखा- सरकार कॉकरोच से इतनी डरी हुई क्यों है? लेकिन यह तानाशाही रवैया भारत के युवाओं की आंखें खोल रहा है। आप अकाउंट को हैक करके उन पर रोक लगा सकते हैं, लेकिन आप इस आंदोलन को हैक नहीं कर सकते।

इधर, पर्यावरणविद और शिक्षाविद सोनम वांगचुक ने 'कॉकरोच मूवमेंट' का समर्थन किया है। उन्होंने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा- मैं न बेरोजगार हूं, न आलसी, इसलिए पार्टी का सदस्य नहीं बन सकता। लेकिन मैं खुद को ऑनरेरी कॉकरोच मानता हूं।'

8 दिन में सीजेपी के इंस्टाग्राम पर 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स

सोशल मीडिया पर सीजेपी के अकाउंट बनने के बाद 8 दिनों के दौरान इंस्टाग्राम पर दोपहर 2 बजे तक 2 करोड़ 20 लाख फॉलोअर्स हो चुके हैं। X पर पहला अकाउंट ब्लॉक हो गया था। 21 मई को नया अकाउंट बना और उस पर भी फॉलोअर्स की संख्या 2 लाख पार हो चुकी है।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने शुक्रवार को दावा किया था कि उन्हें वॉट्सएप पर जान से मारने की धमकियां मिली हैं। इसके अलावा दीपके कल पहली ऑनलाइन पिटीशन लेकर आए। इसमें उन्होंने नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। शनिवार सुबह 10 बजे तक ऑनलाइन पिटीशन में 5 लाख 68 हजार से ज्यादा लोग साइन कर चुके हैं।

अभिजीत दीपके ने बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने स्क्रीन शॉट भी शेयर किए हैं। इसके अलावा दीपके कल पहली ऑनलाइन पिटीशन लेकर आए।

'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम के अधिकार पाने के लिए तीन अलग-अलग ट्रेडमार्क आवेदन दाखिल हुए हैं। ट्रेडमार्क रजिस्ट्री पोर्टल पर दाखिल आवेदनों में राजनीतिक और सामाजिक सेवाएं देने वाली श्रेणी के तहत ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन मांगा गया है। ये आवेदन अजीम आदमभाई जम, अखंड स्वरूप और 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम की एक प्रोपराइटरशिप फर्म की ओर से दाखिल किए गए हैं।

सूर्य किरण एयरोबैटिक टीम के 30 साल बेमिसाल, खुद एयरफोर्स चीफ उड़ा सकते हैं हॉक विमान

नई दिल्ली। हॉक एमके-132 विमानों से लैस सूर्य किरण एयरोबैटिक टीम ने अपने हैरतअंगेज हवाई करतबों के जरिए दुनिया भर के आसमान में तिरंगा लहराया है। भारतीय वायुसेना की 'एंबेसडर' मानी जाने वाली 52 शार्क्स स्क्वाड्रन 27 मई को अपनी स्थापना के 30 वर्ष पूरे कर रही है। 'सूर्यकिरण' का गठन 27 मई 1996 को बिदर एयरफोर्स स्टेशन में हुआ था। सूर्य किरण एयरोबैटिक टीम की शुरुआत किरण एमके-2 विमानों के साथ हुई थी। इसी विमान के नाम पर टीम का नाम 'सूर्यकिरण' रखा गया, जिसका अर्थ है 'सूर्य की किरणें'। टीम के 9 विमान सटीक समन्वय के साथ अलग-अलग हैरतअंगेज करतब पेश करते हैं।

सितंबर 1996 में कोयंबटूर में टीम ने अपनी पहली सार्वजनिक प्रस्तुति दी थी और तब से यह सिलसिला लगातार जारी है। मई 2006 में टीम को औपचारिक रूप से 52 स्क्वाड्रन 'शार्क्स' का दर्जा दिया गया। इससे पहले यह स्क्वाड्रन एमआईजी-21 एफएल विमानों का संचालन करती थी। वर्ष 2015 में टीम ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा लाइसेंस के तहत निर्मित अधिक आधुनिक हॉक एमके-132 विमानों को शामिल किया। पिछले 30 वर्षों में 'सूर्यकिरण' ने देश-विदेश में 800 से अधिक एयर डिस्प्ले किए हैं। इनमें चीन, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। वर्ष 2015 में टीम ने किरण एमके-2 विमानों की जगह लाल और सफेद रंग के हॉक एमके-132 विमानों को शामिल किया था। हाल ही में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में भी नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में टीम ने उड़ान भरते हुए दर्शकों को रोमांचित किया था। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इस ऐतिहासिक अवसर पर 26 मई को भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह खुद फॉर्मेशन में उड़ान भरते नजर आ सकते हैं। इससे पहले भी वायुसेना प्रमुख कई खास मौकों पर लड़ाकू विमानों के कॉकपिट में उड़ान भर चुके हैं।

फरवरी 2025 में बेंगलुरु में आयोजित एयरो इंडिया के दौरान उन्होंने एलसीए ट्विन-सीटर तेजस में उड़ान भरी थी। खास बात यह रही कि विमान की पिछली सीट पर थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मौजूद थे। संभवत: यह पहला मौका था, जब दो सेना प्रमुख एक साथ सिंगल-इंजन फाइटर जेट में उड़ान भर रहे थे।

खरीफ सीजन से पहले मणिपुर में किसानों की सुरक्षा और सहायता के उपाय तेज किए गए

इंफाल । खरीफ ऋतु से पहले मणिपुर सरकार ने घाटी और पर्वतीय क्षेत्रों में किसानों को सुरक्षा और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान करने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में किसानों से जुड़ी पिछली घटनाओं और हमलों को देखते हुए सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय शुरू कर दिए हैं कि मैतेई, कुकी और नागा समुदायों के किसान बिना किसी बाधा के खेती कर सकें। किसानों के हित और सुरक्षा के लिए रणनीतियां और समन्वित योजनाएं बनाने के लिए जिला स्तरीय बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

अधिकारी ने बताया कि बिष्णुपुर और चुराचंदपुर जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में खरीफ धान की खेती के लिए पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु शुक्रवार को बिष्णुपुर स्थित मिनी सचिवालय (डीसी कार्यालय) में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी-जोन सेकेंड) निंगशेन वोरंगम ने बैठक की अध्यक्षता की, जिसके दौरान सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ जातीय हिंसा से प्रभावित आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के पुनर्वास पर भी चर्चा हुई। बिष्णुपुर और चुराचंदपुर के जिला पुलिस प्रमुखों ने अपने-अपने जिलों में खेती योग्य क्षेत्रों की पहचान की, जहां खरीफ मौसम के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता हो सकती है।

जातीय हिंसा से प्रभावित विस्थापितों के संबंध में बिष्णुपुर जिले की उपायुक्त ने बैठक को सूचित किया कि विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और पुनर्स्थापन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों से बातचीत के बाद आईजीपी वोरंगम ने कहा कि बिष्णुपुर और चुराचंदपुर जिलों में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा संबंधी मुद्दों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए इन जिलों के अधिकारियों के बीच घनिष्ठ समन्वय आवश्यक है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सीएम सुवेंदु अधिकारी के साथ की बैठक, पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य प्रणालियों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस मीटिंग में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (एबी पीएम-जेएवाई) और अन्य प्रमुख योजनाओं के तहत निधियों के प्रभावी उपयोग पर चर्चा हुई।

स्वास्थ्य अवसंरचना में सुधार, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पहलों, टीबी और अन्य वेक्टर जनित रोगों के उन्मूलन, गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की शीघ्र जांच और निदान तथा सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं पर दवाओं और निदान उपकरणों की उपलब्धता के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने पर चर्चा की गई।

निधियों के समयबद्ध उपयोग, स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणालियों को सुदृढ़ करने, बेहतर कार्यक्रम निगरानी और राज्य भर में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल 3505.59 करोड़ रुपए का संसाधन आवंटन राज्य को सूचित किया गया, जिसमें से 527.58 करोड़ रुपए की पहली स्वीकृत राशि आज राज्य को जारी कर दी गई है। राज्य को यह भी सूचित किया गया कि प्रधानमंत्री-अभिमान और 15वें वित्त आयोग-स्वास्थ्य अनुदान के लिए राज्य के पास उपलब्ध निधियों का शीघ्र उपयोग किया जाए।

बैठक में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को बेहतर नियामक निगरानी, ??निदान और आपूर्ति श्रृंखला प्रणालियों को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी-आधारित स्वास्थ्य समाधानों को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

राज्य में लागू होने वाले टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने पर विशेष बल दिया गया, जिसके तहत गहन स्क्रीनिंग, उपचार अनुपालन और जिला स्तरीय निगरानी को प्राथमिकता दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने राज्य में जल्द से जल्द एचपीवी टीकाकरण शुरू करने का भी उल्लेख किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने बैठक को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) और नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) जैसे प्रमुख जन स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार और उन्हें बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों और उनसे जुड़ी जन स्वास्थ्य संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए।

उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों में निरंतर प्रगति सुनिश्चित

मध्य प्रदेश में अगले पांच दिन भीषण गर्मी का कहर, रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में अगले पांच दिनों तक भीषण गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के भोपाल केंद्र ने राज्य के कई हिस्सों में तीव्र लू चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के उत्तरी, पूर्वी और मध्य क्षेत्रों में तापमान सामान्य से काफी ऊपर बना रहेगा, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है।

शनिवार को जारी मौसम बुलेटिन के मुताबिक, 22 मई को कई जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया, जबकि 23 मई को छिंदवाड़ा समेत कुछ क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ऊपर रहा, जिससे रातें भी गर्म बनी हुई हैं।

मौसम विभाग ने 27 मई तक कई जिलों के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। 23 से 24 मई के बीच सतना, पन्ना, छतरपुर और टीकमगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भीषण लू चलने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा दतिया, भिंड, रीवा, मऊगंज, कटनी, दमोह, निवाड़ी और मैहर में भी गंभीर लू की चेतावनी जारी की गई है।

सागर जिले में लू चलने की संभावना है, जबकि छिंदवाड़ा, बालाघाट और पांढुर्णा में गर्म रातें रहने का अनुमान है। वहीं विदिशा, रायसेन, राजगढ़, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, रतलाम, उज्जैन, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, जबलपुर और नरसिंहपुर समेत कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है।

24 से 25 मई के दौरान भी सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, दतिया, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, उमरिया, कटनी, दमोह, सागर, निवाड़ी और मैहर में भीषण लू की स्थिति बने रहने की संभावना है। इसके बाद 25 से 27 मई तक भी यही स्थिति बनी रह सकती है।

मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ चुका है और आने वाले दिनों में इसके और आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है और 28 मई से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ असर दिखा सकता है।

लू से बचाव के लिए मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, ओआरएस, नींबू पानी, छाछ और अन्य घरेलू इलेक्ट्रोलाइट युक्त पेय पदार्थ लेने की सलाह दी गई है। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने और सिर ढककर बाहर निकलने को कहा गया है।

कोलकाता: पूर्व सीएम ममता बनर्जी की डिजाइन की गई फुटबॉल मूर्ति तोड़ी गई, 2017 में लगाई गई थी प्रतिमा

कोलकाता । साल्ट लेक स्टेडियम के बाहर लगी पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की डिजाइन की गई एक विवादित फुटबॉल मूर्ति को तोड़ दिया गया है। मूर्ति का टूटना राज्य की राजनीति और खेल जगत दोनों के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है। शनिवार सुबह जब लोग स्टेडियम पहुंचे तो प्रतिमा टूटी हुई मिली। इसके बाद सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें तेजी से वायरल होने लगीं। कुछ लोगों ने इसे लंबे समय से चले आ रहे विवाद का अंत बताया। वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि इससे स्टेडियम की पुरानी पहचान खत्म हो गई।

प्रतिमा को लेकर शुरू से मतभेद रहे हैं। जनता का एक वर्ग इसे आधुनिक कला का नमूना मानता है, तो फुटबॉल प्रशंसकों के एक वर्ग का मानना है कि देश के सबसे बड़े फुटबॉल स्टेडियमों में से एक के बाहर ऐसी प्रतिमा उपयुक्त नहीं लगती।

मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। भारतीय जनता पार्टी नेता कीया घोष ने सोशल मीडिया पर कहा कि जिस संरचना को हटाने की बात पहले कही गई थी, उसे अब तोड़ दिया गया है। पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने हाल ही में कहा था कि यह प्रतिमा स्टेडियम की सुंदरता के अनुरूप नहीं है। सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार की योजना पर काम कर रही है।

मूर्ति तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान बनी थी और ममता बनर्जी द्वारा डिजाइन की गई थी। इस वजह से मूर्ति टूटने के बाद तृणमूल कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन उग्र हो सकता है।

यह प्रतिमा साल 2017 में फीफा अंडर-17 विश्व कप से पहले लगाई गई थी। इसमें धड़ से कटे हुए दो पैर और उनके ऊपर एक फुटबॉल रखी हुई दिखाई देती थी। साथ ही इस पर 'बिश्वा बांग्ला' का लोगो भी लगा हुआ था। प्रतिमा स्टेडियम के वीवीआईपी गेट के पास स्थापित थी। मूर्ति को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी सरकार) का प्रतीक भी माना जाता रहा है।

उत्तर प्रदेश: विश्वविद्यालयों में लागू होगा ड्रेस कोड, छात्रों और शिक्षकों ने फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में यूनिफॉर्म कोड लागू करने के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश के बाद शिक्षा जगत में इस फैसले को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। शिक्षकों, छात्रों और जनप्रतिनिधियों ने इसे अनुशासन, समानता और बेहतर शैक्षणिक वातावरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मुजफ्फरनगर स्थित शिव हर्ष किसान पीजी कॉलेज की प्राचार्य रीना पाठक ने सरकार के इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि कॉलेज स्तर पर पहले से ही ड्रेस कोड लागू किया जा चुका है और कई छात्र-छात्राएं यूनिफॉर्म पहनकर कॉलेज आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे छात्रों में अनुशासन बढ़ता है और शिक्षा संस्थानों का वातावरण अधिक व्यवस्थित बनता है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम निश्चित रूप से सराहनीय है और इससे विद्यार्थियों में एक नई सकारात्मक सोच विकसित होगी।

वहीं, मुजफ्फरनगर के एक छात्र ने भी ड्रेस कोड को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसे बहुत अच्छे तरीके से लागू किया गया है। छात्र का कहना है कि यूनिफॉर्म से कॉलेज में अनुशासन बेहतर होगा और सभी विद्यार्थियों में समानता की भावना पैदा होगी। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि कोई छात्र पहनावे के आधार पर खुद को अलग या कमतर महसूस न करे।

हरदोई में रजनी तिवारी ने भी इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में पहले से ही यूनिफॉर्म व्यवस्था लागू है और अब इसे विश्वविद्यालयों में भी लागू किया जाएगा।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद पहली बार कर्नाटक दौरे पर नितिन नवीन, करेंगे कई बैठकें

बेंगलुरु । कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने शनिवार को कहा कि पार्टी अध्यक्ष का पद संभालने के बाद नितिन नवीन राज्य के अपने पहले दौरे पर शनिवार देर की शाम को बेंगलुरु पहुंचेंगे।

बेंगलुरु के राज्य भाजपा कार्यालय में विजयेंद्र ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि नितिन नवीन के दौरे में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें शामिल होंगी।

विजयेंद्र के मुताबिक, भाजपा अध्यक्ष रविवार की सुबह कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के आवास पर नाश्ते के लिए जाएंगे। इसके बाद वह कडुमल्लेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और फिर सुबह करीब 10 बजे राज्य भाजपा मुख्यालय, जगन्नाथ भवन पहुंचेंगे।

राज्य भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि नवीन भाजपा सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ करीब दो घंटे तक चर्चा करेंगे और राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति की समीक्षा करेंगे।

भाजपा अध्यक्ष पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में भी हिस्सा लेंगे और बाद में बेंगलुरु उत्तर जिले में आयोजित किए जा रहे एक प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे।

विजयेंद्र ने कहा, 'यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भाजपा अध्यक्ष इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। उनकी मौजूदगी से पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिलेगी।'

उन्होंने केंद्र सरकार के ईंधन की कीमतें बढ़ाने के फैसले का बचाव भी किया और कहा कि वैश्विक घटनाक्रमों और अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थितियों के कारण यह बढ़ोतरी जरूरी हो गई थी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने वैश्विक स्थिति से उत्पन्न अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण तीसरी बार ईंधन की कीमतें बढ़ाई हैं।

भारतीय वायु सेना ने मणिपुर में फंसे 132 एनसीसी कैडेट्स को हवाई मार्ग से असम पहुंचाया गया

इंफाल । मणिपुर में मौजूदा हालात को देखते हुए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने शनिवार को 132 एनसीसी कैडेट्स को असम के गुवाहाटी और जोरहाट पहुंचाया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि युवाओं की सुरक्षा को देखते हुए 132 एनसीसी कैडेट्स, जिन्होंने 11 मई से 20 मई, 2026 तक इम्फाल में एनसीसी नॉर्थ ईस्टर्न रीजन (एनईआर) फ्लाइंग कैंप में हिस्सा लिया था। उन सभी को मणिपुर में मौजूदा सुरक्षा हालात और सड़क पर आवाजाही पर लगी पाबंदियों के बीच गुवाहाटी और जोरहाट के लिए इमरजेंसी में एयरलिफ्ट किया जा रहा है।

अधिकारी ने कहा कि यह एयरलिफ्ट एनसीसी एनईआर डायरेक्टरेट ने एनसीसी हेडक्वार्टर के डायरेक्टर जनरल से सलाह-मशविरा करके और ईस्टर्न एयर कमांड के हेडक्वार्टर के साथ तालमेल बिठाकर प्लान किया है।

उन्होंने बताया कि इस तेज कार्रवाई से यह पक्का हो गया कि कैडेट्स अपनी परीक्षाओं के लिए समय पर अपनी मंजिल तक सुरक्षित पहुंच गए, जिससे उनके माता-पिता और परिवार वालों को बहुत राहत और खुशी मिली।

अधिकारी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स ने भी अपनी देखभाल, मदद और समय पर दी गई सहायता के लिए दिल से आभार जताया है। रक्षा मंत्री, रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायु सेना को उनके अटूट सहयोग के लिए खास तौर पर धन्यवाद दिया गया है।

एक्स पोस्ट में एनसीसी डायरेक्टरेट नॉर्थ ईस्टर्न रीजन ने कहा कि नॉर्थ-ईस्ट के एनसीसी कैडेट्स ने मणिपुर के मुश्किल हालात में चलाए गए तेज एयरलिफ्ट ऑपरेशन के लिए रक्षा मंत्रालय, आईएएफ और एनसीसी डायरेक्टरेट का दिल से आभार जताया है। पोस्ट में आगे लिखा गया कि यह सफल एयरलिफ्ट टीम वर्क, देखभाल और कैडेट्स की भलाई और राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की भावना को दिखाता है। एक और पोस्ट में एनसीसी डायरेक्टरेट नॉर्थ ईस्टर्न रीजन ने कहा कि भारतीय वायु सेना ने 20 मई को एयर विंग एनसीसी कैंप खत्म होने के बाद इम्फाल में फंसे एनसीसी कैडेट्स को समय पर एयरलिफ्ट की सुविधा दी।

संक्षिप्त खबरें

सहकार से समृद्धि की ओर: नवा रायपुर में छह राज्यों की क्षेत्रीय सहकारिता पर हुई कार्यशाला

रायपुर। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय खंड मंत्रालय द्वारा नवा रायपुर में पूर्वी क्षेत्र के छह राज्यों की एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आर्किटेक्चर स्टूडियो मंत्रालय, भारत सरकार और नेशनल मैकेनिकल इंजीनियरिंग बोर्ड के संयुक्त एसोसिएट्स में प्रिंसिपल हुए।

वर्कशॉप की एसोसिएट प्रोफेसर, मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने की। इसमें आधुनिक, आत्मनिर्भर और रोजगारपरक क्षेत्र को बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ अधिकारी छात्रावास शामिल हुए। यह विद्यालय ग्रामीण विकास, किसानों की आय वृद्धि और साझीदारी पूंजी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल कर रही है। किसानों, पशुपालक और मत्स्यपालन आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए स्थापत्य आधारित वर्गीकरण।

केंद्रीय सीमा की हुई समीक्षा

बैठक में केंद्रीय मंत्री अमित शाह की पहल पर आयोजित नामांकन की प्रगति की समीक्षा की गई। एसोसिएट प्रोफेसर को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ।

रायपुर एयरपोर्ट पर हादसा, मृतक मजदूर की पत्नी को 28 साल तक हर महीने 22 हजार रुपए मिलेंगे

रायपुर। रायपुर एयरपोर्ट में फाल्स सीलिंग के दौरान दुर्घटना में जान गंवाने वाले कर्मचारी कुबेर चंद्र साहू के परिवार को राहत की खबर है। दुर्घटना के बाद आयुष्मान खुराना ने पीड़ित परिवार को बड़ी आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। जानकारी के मुताबिक, मृतक कुबेर की पत्नी को उनके पति की उम्र (60 साल) तक हर महीने 22 हजार रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी।

बता दें कि कुबेर चंद्र साहू की उम्र महज 32 साल थी। इस दावे से अगले 28 साल तक के बच्चों की तरफ से यह तय राशि उनके परिवार को हर महीने देने की शर्त थी, ताकि परिवार का गुज़ारा हो सके। कुबेर पिछले आठ-नौ महीने से एयरपोर्ट पर काम कर रहे थे। पीएफ (पीएफ) उन्हें हर महीने करीब 22 हजार रुपये की नियुक्ति मिली। कैबिनेट मंत्री ने साफ किया कि इस मासिक सहायता के अलावा कुबेर के परिवार को भविष्य निधि (भविष्य निधि) और छात्रवृत्ति का भी पूरा पैसा मिलेगा। इसके साथ ही भविष्य में कुबेर की पत्नी को पेंशन मिलने वाली सरकारी पेंशन (पेंशन योजना) की सुविधा भी मिलेगी, परिवार को आगे सहारा मिल सके।

आईटीआई कॉलेज में पॉक्सो एक्ट और साइबर क्राइम पर जागरूकता शिविर

रायपुर। साइबर अपराधों और बच्चों के विरुद्ध लैंगिक अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आई.टी.आई. कॉलेज पर्री, सूरजपुर में पॉक्सो एक्ट एवं साइबर क्राइम विषय पर विशेष कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीता वार्नर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय सूरजपुर के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट 2012, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 तथा वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। न्यायाधीश वारियाल ने कहा कि पॉक्सो एक्ट बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न और अश्लील सामग्री से सुरक्षा प्रदान करने वाला सख्त कानून है। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चे कानून की दृष्टि में संरक्षित हैं और ऐसे मामलों में सहमति का कोई कानूनी महत्व नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुरुपयोग, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और डिजिटल ठगी से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज अपराधियों द्वारा सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है।

कांग्रेस में अध्यक्ष पद को लेकर लड़ाई तेज

बैज के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव पर दिल्ली राजनीति के बयान से सरगर्मी बढ़ी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का कार्यकाल 10 जून को खत्म हो रहा है। बैज को दोबारा मौका मिलेगा या नहीं, इसको लेकर संशय है। इन सबके बीच पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने प्रदेश का दौरा शुरू कर दिया है। सिंहदेव के दौरे से बैज बेचैनी बढ़ रही है।

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के कार्यकाल खत्म होने की तारीख नजदीक आ रही है, पीसीसी में हलचल मची है। शुक्रवार को बैज ने पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव पर सीधे हमला बोला और उन्हें दिल्ली की राजनीति करने की सलाह दे दी।

बात यहीं खत्म नहीं हुई, उन्होंने अपने बयान को पार्टी की आधिकारिक फेसबुक अकाऊंट पर शेयर किया। इसके बाद से पार्टी में खलबली मची है। दरअसल, टीएस सिंहदेव ने कुछ समय पहले पीसीसी की कमान संभालने की इच्छा जताई थी, जिससे बैज नाखुश हैं। हालांकि देर शाम सिंहदेव की बैज से चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक बैज ने अपनी तरफ से सफाई दी। सिंहदेव ने भी बैज को सीएम बनने की संभावना जताकर विवाद का पटाक्षेप करने की कोशिश की है। मगर अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर विवाद थमने के आसार नहीं हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक सिंहदेव पर हमले से पहले बैज ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की थी। मीडिया से चर्चा के बाद में वे नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत से भी मिलने गए। बैज की डॉ. महंत से करीब घंटे भर चर्चा हुई। महंत भी बैज के बयान से नाखुश बताए जाते हैं। मगर महंत और पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। दोनों की नजरें पार्टी हाईकमान पर टिकीं हुई है।

बताया गया है कि प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने पिछले दौरे में कई सीनियर नेताओं से मुलाकात की थी और उनसे सामान्य कामकाज को लेकर चर्चा की थी। कुछ जिला अध्यक्ष दीपक बैज की कार्यप्रणाली से नाखुश हैं। उन्होंने प्रदेश प्रभारी से बैज की शिकायत भी की थी।

दूसरी तरफ, महासमुंद, रायगढ़ और बालोद, कांकेर जिले के दौरे के बाद पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव बस्तर दौरे का कार्यक्रम बन रहा है। वो रविवार को कोरबा में मछुआ सम्मेलन में रहेंगे, इसमें महंत के साथ बैज भी रहेंगे। गौर करने लायक बात ये है कि सिंहदेव की करीब दो महीने पहले दिल्ली में पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से अकेले में घंटे भर चर्चा हुई थी। चर्चा है कि हाईकमान के कुछ संकेतों के बाद ही सिंहदेव प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। इससे बैज असहज बताए जाते हैं।

बैज को लेकर यह कहा जा रहा है कि तीन साल के कार्यकाल में उपलब्धियां शून्य रही हैं। उनकी अगुवाई में विधानसभा, लोकसभा के अलावा स्थानीय चुनाव में भी पार्टी की बुरी हार हुई है। ऐसे में उनके कार्यकाल बढ़ाए जाने की संभावना न्यूनतम बताई जा रही है। हालांकि पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, उमेश पटेल, डॉ.शिव डहरिया सहित कई और दावेदार हैं। पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू भी दिल्ली में पार्टी नेताओं से मिल चुके हैं। बहरहाल, नई नियुक्ति होने तक पार्टी में अंदरूनी खींचतान जारी रह सकती है।

दुष्कर्म के आरोप में कारोबारी गिरफ्तार

रायपुर। शहर की एक भाजपा नेत्री ने झारखंड के रांची निवासी कारोबारी पर दुष्कर्म, मानसिक प्रताड़ना और ब्लैकमेलिंग का गंभीर आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी कारोबारी को रांची से गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार पीड़िता की पहचान करीब दो साल पहले दिल्ली आने-जाने के दौरान रांची निवासी कारोबारी संजय सिंह से हुई थी। आरोपी ने खुद को बड़ा उद्योगपति बताते हुए माइनिंग कारोबार में निवेश कराने और मोटा मुनाफा दिलाने का भरोसा दिया था। इसी दौरान दोनों के बीच संपर्क बढ़ा।

निवेश के नाम पर बढ़ाई नजदीकियां

महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने व्यापार में पार्टनरशिप और निवेश पर दोगुना लाभ दिलाने का झांसा देकर विश्वास जीत लिया। इसके बाद वह लगातार संपर्क में रहा और धीरे-धीरे निजी संबंध भी बना लिए। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने भरोसे का फायदा उठाकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए और बाद में मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। महिला का आरोप है कि आरोपी उसे लगातार ब्लैकमेल भी करता था। जब महिला को अपने साथ ठगी और शोषण का एहसास हुआ तो उसने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अब मोबाइल चैट, कॉल डिटेल, बैंक ट्रांजेक्शन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है।

जमीन दिखाने के बहाने सुनसान इलाके में ले गया

पीड़िता ने बयान में बताया कि एक बार वह कारोबारी के साथ व्यापारिक काम से रायपुर गई थी। वहां से दोनों अलग-अलग वाहनों में बिलासपुर लौट रहे थे। शहर पहुंचने के बाद आरोपी ने जमीन दिखाने के बहाने उसे सरकंडा क्षेत्र स्थित मोपका रोड चलने को कहा। महिला ने पहले मना किया, लेकिन आरोपी के दबाव डालने पर वह वहां गई।आरोप है कि आरटीओ कार्यालय के पास आरोपी ने अपने ड्राइवर को वाहन से उतार दिया और सुनसान जगह पर महिला के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

कमिश्नरेट रायपुर को मिली अत्याधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वैन की सौगात

रायपुर। राजधानी रायपुर में अपराध अनुसंधान एवं वैज्ञानिक जांच व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल की गई। सी-4, सिविल लाइन रायपुर में 02 अत्याधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वैन को डायरेक्टर एफएसएल सुशील चंद्र द्विवेदी एवं पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा हरी झंडी दिखाकर कर्तव्य स्थल पर रवाना किया गया।

इन आधुनिक मोबाइल फोरेंसिक वाहनों के माध्यम से अब घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक साक्ष्यों का त्वरित संकलन एवं प्रारंभिक परीक्षण किया जा सकेगा, जिससे अपराधों की जांच अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीकी रूप से सशक्त होगी। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने कहा कि वर्तमान समय में अपराध अनुसंधान में वैज्ञानिक तकनीकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। मोबाइल फोरेंसिक वैन के संचालन से घटनास्थल पर तुरंत पहुंचकर साक्ष्यों को सुरक्षित किया जा सकेगा तथा अपराधों के शीघ्र खुलासे में सहायता मिलेगी।

एचएनएलयू ने ताइवान के नेशनल ची नान यूनिवर्सिटी के साथ हुआ समझौता, अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर

रायपुर। फार्मासिस्ट नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर ने ताइवान के नेशनल ची नान यूनिवर्सिटी के साथ एक व्यावहारिक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर का उद्देश्य प्रमुख अनुयायियों के बीच अनुशासन-अनुसंधानकर्ता और अनुसंधान सहयोग को मजबूत करना है। इस समझौते को ताइवान में एनसीएनयू (एनसीएनयू) परिसर में स्थापित किया गया है और हस्ताक्षरित किया गया है, जो सीमा पार साझेदारी में एक ऐतिहासिक स्थान है।

यह ऐतिहासिक अवसर पर प्रदर्शित हुआ, एचएनएलयू के फादर प्रो. आइसलैंडन ने कहा कि यह सहमति विभिन्न अंतर-विषयक क्षेत्रों (अंत:विषय क्षेत्रों) में दोनों समूहों के बीच मजबूत सहयोग को प्रभावशाली से सहज बनाएगा। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि यह संयुक्त भारत और ताइवान के बीच समग्र शेयर बाजार और स्टॉक मार्केट को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस सहयोग पर अनुमोदन व्यक्त करते हुए, नेशनल ची नान यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ. डोंग-सिंग वू ने इस एकरूप के अनूठे मिश्रण को प्रकाश में डाला। बैकग्राउंड से एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर होने के नाते, डॉ. भारत की एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय वू (नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी) के साथ एक कलाकार पर हस्ताक्षर करने के लिए डीप हैप्पीनेस पर्सन की और अपनी आशावादिता को साझा किया गया कि यह विशेष रूप से कानून और आधुनिक तकनीक को जोड़ने वाले क्षेत्रों और विषयों में अधिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त करता है।

हीरापुर समाधान शिविर में उमड़ा जनसैलाब, ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

40 किसानों को मिला 'वनाधिकार पत्र, स्वास्थ्य जांच से लेकर आवास योजना तक मिली कई सौगातें

रायपुर। बीजापुर जिले के सुदूर उसूर विकासखंड स्थित हीरापुर में सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर ग्रामीणों के लिए उम्मीद और समाधान का बड़ा केंद्र बनकर सामने आया। शिविर में हीरापुर सहित फुतकेल, बासागुड़ा, गगनपल्ली, मल्लेपल्ली, लिंगागिरी, कोरसागुड़ा, चिपुरभट्टी, चिन्नागेल्लूर और पुसबाका पंचायतों से हजारों ग्रामीण उत्साहपूर्वक शामिल हुए। वर्षों से कब्जे वाली भूमि पर मालिकाना हक प्रदान करते हुए 40 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र वितरित किए गए। ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के सामने रखीं। मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया गया तथा विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी दी गई।

24 विभागों ने लगाए स्टॉल

शिविर में 24 से अधिक विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया समझाई और लोगों को अधिक से अधिक योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों की भारी भागीदारी और योजनाओं के प्रति उत्साह ने यह स्पष्ट कर दिया कि शासन की योजनाएं अब गांव-गांव तक पहुंच रही हैं और लोग इनसे जुड़कर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस कर रहे हैं।

रोजगार मेला का दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में सफल आयोजन

रायपुर में कुल 257 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित

रायपुर। रोजगार मेला के 19वें चरण के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर में रोजगार मेले का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया । इस अवसर पर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में चयनित कुल 257 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए ।

इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के लगभग 51,000 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित किया एवं उन्हें नई भूमिका हेतु शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान

रायपुर रेल मंडल में यह आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम साइंस कालेज मैदान के पास रायपुर में किया गया । यहां यहाँ कुल 803 में से फिजिकली 257 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए । इसमें रेलवे विभाग के 200, पोस्टल विभाग के 34, स्वास्थ्य मंत्रालय के 7 हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड के 5 एवं वित्त बैंक आफ बड़ोदा के 11 अभ्यर्थी शामिल थे । मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री दुर्गादास उइके जी माननीय जनजातीय केंद्रीय राज्य मंत्री उपस्थित रहे । साथ ही माननीया सांसद राज्यसभा छत्तीसगढ़ श्रीमती लक्ष्मी वर्मा जी, मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद जी , अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल जी, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग जी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे ।

कृषि महाविद्यालय ने मनाया 66 वां स्थापना दिवस

महाविद्यालय परिवार की तीन पीढ़ियां एकत्र हुईं, अध्ययरत विद्यार्थी सम्मिलित थे

रायपुर। कृषि महाविद्यालय रायपुर के लिए ऐतिहासिक तथा अविस्मरणीय रहा, जब यहां इतिहास, वर्तमान एवं भविष्य का संगम देखने को मिला। कृषि महाविद्यालय, रायपुर के 66वें स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिवार की तीन पीढ़ियां एकत्र हुई जिनमें कृषि महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता एवं प्राध्यापक, वर्तमान कुलपति, कुलसचिव एवं प्राध्यापकगण और वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थी सम्मिलित थे। इस अवसर पर महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव समारोह, छात्र संघ शपथ ग्रहण, पूर्व अधिष्ठाता सम्मान तथा पूर्व छात्र सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया जिसके तहत महाविद्यालय के प्रथम बैच के तीन विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के खास मुकाम हासिल करने वाले भूतपूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही महाविद्यालय के सात पूर्व अधिष्ठाताओं और इसी महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति, कुलसचिव तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों का भी सम्मान किया गया। सम्मान समारोह के पश्चात आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह में कृषि महाविद्यालय, रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक रंगा-रंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शक-दीर्घा का मन मोह लिया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कृषक सभागार में आज दोपहर आयोजित स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल थे। डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर नवगठित छात्र संघ के पदाधिकारियों को पद सन्निष्ठा एवं अनुशासन की शपथ दिलाई। एम.एससी. कृषि सांख्यिकी विभाग की छात्रा पुण्य श्री ने अध्यक्ष तथा बी.एससी. चतुर्थ वर्ष की छात्रा अनुष्का चैरसिया ने उपाध्यक्ष पद की शपथ ली। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि कृषि महाविद्यालय, रायपुर विश्वविद्यालय से भी पुराना एवं ऐतिहासिक संस्थान है, जिसने प्रदेश ही नहीं बल्कि देश को अनेक उत्कृष्ट कृषि विशेषज्ञ एवं प्रशासक दिए हैं। समारोह में महाविद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. आरती गुहे ने महाविद्यालय के 66 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा, उपलब्धियों एवं स्थापना दिवस समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह संस्थान केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि कृषि नेतृत्व गढ़ने वाली एक सशक्त परंपरा है।

आकाशवाणी रायपुर में 'स्वरोत्सव' का आयोजन, संगीत साधकों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

रायपुर। आकाशवाणी की गौरवशाली 90 वर्ष की यात्रा के उपलक्ष्य में आकाशवाणी रायपुर द्वारा उपशास्त्रीय एवं सुगम संगीत समारोह 'स्वरोत्सव' का आयोजन किया गया। स्थानीय विनायरा ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में ख्यातिप्राप्त कलाकारों ने अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में संगीत प्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही तथा देर तक सभागार तालियों की गूंज से सराबोर रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत सुप्रसिद्ध कलाकार श्वेता शिवाले एवं उर्मी दुबे की युगल प्रस्तुति से हुई। दोनों कलाकारों ने दादरा, मिर्जापुरी कजरी, सावनी नगमा तथा विभिन्न गीतों की मनोहारी प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। 'आन मिलो सजना' और 'मिर्जापुर कजरी' जैसी प्रस्तुतियों को दर्शकों ने विशेष सराहना दी। इसके पश्चात प्रसिद्ध गायक पद्मश्री मदन चौहान ने सुगम संगीत की प्रस्तुति दी। कबीर भजन, गजल तथा सूफियाना कलाम की उनकी प्रभावशाली प्रस्तुति ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक और संगीतमय वातावरण से भर दिया।

आकाशवाणी रायपुर के उपमहानिदेशक एवं क्लस्टर प्रमुख वी. राजेश्वर ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत करते हुए कहा कि 'स्वरोत्सव' आकाशवाणी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोकसेवा प्रसारण की परंपरा का जीवंत उदाहरण है।

कहानी

अनुसंधान

अर्चना त्यागी

अपनी नई पोस्टिंग से सुजीत बहुत ही खुश थे। शहर का नाम सुनते ही उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। सोने पर सुहागा हो गया जब उन्होंने जाकर देखा कि पुलिस स्टेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट के बगल में ही था। नौकरी लग जाने के कारण वह अधिक पढ़ाई नहीं कर पाए थे लेकिन हमेशा से ही उनका सपना रहा था रिसर्च इंस्टीट्यूट में जाना।

बेटे रोहन की परीक्षाएं अभी खत्म नहीं हुई थी इसलिए उनकी पत्नी सीमा पुराने शहर में ही रुक गई। उन्हे अकेले ही नए शहर में जाना पड़ा। ड्यूटी पर उनका दूसरा ही दिन था कि रिसर्च इंस्टीट्यूट के एक छात्र ने पुलिस स्टेशन आकर एफआईआर दर्ज कराई।उसका आरोप था कि उसके गाइड ने उसके रिसर्च पेपर को अपने नाम से एक इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित करवा लिया है। सुजीत को बहुत आश्चर्य हुआ यह जानकर कि कोई शिष्य भी अपने गुरु पर एफआईआर कर सकता है। उनके सामने इस तरह का यह पहला ही केस था। रिसर्च इंस्टीट्यूट की जो छवि उनके मन में बनी थी उसे भी धक्का लगा। रिसर्च इंस्टीट्यूट का ऐसा चेहरा भी हो सकता है सुजीत के लिए विश्वास करना मुश्किल हो रहा था। आए हुए भी कम ही समय हुआ था इसलिए व्यस्तता भी अधिक थी। उस दिन कोई कार्यवाही नहीं हो पाई। घर पहुंचकर खाना भी नहीं खाया था कि दरवाज़े की घंटी बजी। थोड़ा गुस्सा भी आया क्योंकि भूख लगी थी। जैसे तैसे थोड़ा बहुत बना पाए थे। फिर भी कदम दरवाज़े की ओर बढ़ गए। दरवाज़ा खोला तो एक सज्जन सामने खड़े थे। सुजीत के कहने से पहले ही वो अंदर कमरे में आ गए। काफ़ी परेशान लग रहे थे। सुजीत ने उन्हें कुर्सी पर बैठने का इशारा किया और आने का कारण पूछने ही वाला था कि उन्होंने बोलना शुरू कर दिया।

'आप मुझे नहीं जानते हैं, इंस्पेक्टर साहब। मेरा नाम श्रीराम शंकर है। मैं रिसर्च इंस्टीट्यूट में प्रोफेसर हूं। आज़ मेरे ही एक छात्र ने मेरे विरुद्ध थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है। अब सुजीत को उनके आने का कारण समझ में आ गया। उसने उन्हे समझाने की कोशिश करते हुए कहा।

'आपने बेकार ही तकलीफ़ की सर। यदि आपके उपर गलत आरोप लगाया गया है तो कोई भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। बस थोड़ा धैर्य रखिए।'

'मैं जानता था कि आपको मुझ पर विश्वास नहीं था लेकिन इन रुपयों पर था। आपका विश्वास तोड़ना नहीं चाहता था।' सुजीत की बातें सुनकर प्रोफेसर साहेब की आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने भरे गले से कहा। 'तुम हिंदुस्तान के नहीं लगते हो, सुजीत। पहली बार ऐसे पुलिस वाले से मिला हूं जो लाख रूपए लौटा रहा है। बहुत तरक्की करोगे। इस मुल्क में तुम्हारे जैसे अधिकारियों की ही ज़रूरत है।'
सुजीत उनकी बात पर हँसे जा रहे थे।

प्रोफेसर साहेब काफ़ी असहज लग रहे थे। कुर्सी से उठे और एक लिफाफा सुजीत की ओर बढ़ाते हुए बोले।

'आप मेरी बात का विश्वास कीजिए इंस्पेक्टर साहब। यह एफआईआर झूठी है। मैं एकदम निर्दोष हूं। कल वो पेपर आपके पास भिजवा दूंगा जिसमें पांच लोगों के हस्ताक्षर हैं। पांच लोगों ने मिलकर उस रिसर्च पेपर को लिखा है। लिखने का काम अमरदीप ने किया है। मैंने और मेरे तीन विद्यार्थियों ने रिसर्च करके लिखने लायक सामग्री एकत्र की है।' सुजीत को उनकी बात समझ में आ रही थी लेकिन थाने की रिपोर्ट घर पर कैसे सुलझा सकते थे ? उन्होंने प्रोफेसर साहेब से प्रश्न किया।

'सर अगर आप सही हैं, तो मैं आश्वासन दे चुका हूं। आपको कुछ नहीं होगा। फिर इस लिफाफे की क्या ज़रूरत है ?'

प्रोफेसर साहेब का चेहरा उतर गया। रुआंसे होकर बोले।

'मेरी बहुत इज्ज़त है। सुजीत साहेब, मेरे विरुद्ध आपका एक भी कदम सालों की मेहनत से कमाई इज्ज़त पर पानी फेर सकता है। आप अभी शहर में आए हैं। पता नहीं ऊंट किस करवट बैठे ? खुद को भरोसा दिलाने के लिए यह लिफ़ाफा आपको दे रहा हूं।'

सुजीत लिफ़ाफा नहीं लेना चाहते थे। लेकिन प्रोफेसर साहेब ज़िद पर अड़े थे।

'मेरी महीने की आधी तनख्वाह इस लिफ़ाफे में है। कोई छोटी रकम नहीं है।'

उनकी मानसिक स्थिति को समझते हुए सुजीत ने उस समय लिफ़ाफा उनके हाथ से ले लिया और आश्वासन देकर उन्हें विदा कर दिया। अगले दिन थाने में पहुंचते ही प्रोफेसर श्रीराम शंकर की एफआईआर ध्यान से पढ़ी। उसके साथ एक पेपर भी लगा था जिस पर पांच लोगों ने हस्ताक्षर किए हुए थे। ड्यूटी पर तैनात सिपाही ने बताया कि कुछ देर पहले रिसर्च इंस्टीट्यूट का एक छात्र उस पेपर को देकर गया था। सुजीत ने तुरंत फोन करके एफआईआर लिखाने वाले छात्र को बुलाया। उस पेपर को देखकर वह चौंक गया। लगभग डरा हुआ प्रतीत होता था। कुछ देर चुपचाप बैठा रहा। जवाब नहीं देना चाहता था। बहुत दबाव देने पर बताया कि प्रोफेसर साहेब के विभाग के एक वैज्ञानिक के कहने पर उसने ऐसा किया था। बिना कहे उसने तुरंत ही एफआईआर वापिस ले ली। छात्र चला गया तो सुजीत ने फ़ोन करके प्रोफेसर साहेब को बताया। लिफ़ाफे पर उनका नंबर लिखा हुआ था। उसने उनसे प्रार्थना करते हुए कहा।

'सर, शाम को मेरे क्वार्टर पर आइए आप। एक कप चाय साथ में पीयेंगे।'

शाम को प्रोफेसर साहेब सुजीत के घर आ गए। उन्होंने तसल्ली से चाय पी और सुजीत को धन्यवाद दिया। जैसे ही वो जाने के लिए उठे सुजीत ने वह लिफ़ाफा उनके हाथ में रख दिया। प्रोफेसर साहेब परेशान होकर बोले।,' काम नहीं हुआ इंस्पेक्टर साहेब ?'

सुजीत ज़ोर से हंस पड़े।

'आपके उपर अब कोई केस नहीं है, प्रोफेसर साहेब।'

प्रोफेसर साहेब हैरान होकर बोले।

'फिर आप लिफ़ाफा क्यों लौटा रहे हैं? पूरा एक लाख रुपया है इसमें।'

सुजीत ने विनम्रता से कहा।

'इसीलिए लौटा रहा हूं, सर। आपके विरोधियों ने आपको फंसाने के लिए यह चाल चली थी। आप निर्दोष हैं। यह आपकी तनख्वाह का पैसा है। आपकी मेहनत की कमाई है। उस दिन आपको तसल्ली देने के लिए यह लिफ़ाफा मैंने अपने पास रख लिया था।'

प्रोफेसर साहेब ने सुजीत के आगे हाथ जोड़ लिए। सुजीत ने आगे कहा।

'मैं जानता था कि आपको मुझ पर विश्वास नहीं था लेकिन इन रुपयों पर था। आपका विश्वास तोड़ना नहीं चाहता था।'

सुजीत की बातें सुनकर प्रोफेसर साहेब की आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने भरे गले से कहा।

'तुम हिंदुस्तान के नहीं लगते हो, सुजीत। पहली बार ऐसे पुलिस वाले से मिला हूं जो लाख रूपए लौटा रहा है। बहुत तरक्की करोगे। इस मुल्क में तुम्हारे जैसे अधिकारियों की ही ज़रूरत है।'

सुजीत उनकी बात पर हँसे जा रहे थे।

D-1, ओम विहार, दिल्ली रोड, रुड़की उत्तराखंड -247667, मो. 7983481584

कविता

दो सूरज

अपूर्वा

हमेशा याद आता रहा मुझे
मेरा भोला-भाला शहर
जहाँ की हवाओं का स्पर्श भी
संजीवनी था
अट्ठारह वसंत भी
पूरे नहीं हुए थे
और
छूट गया था
मेरा शहर मुझसे
क्या अपराध था उसका ? नहीं
मलिन नहीं थी धरती उसकी
बस मेरे मन में
उग आए थे
स्वर्णिम सवेरों के
अनगिनत खेत
आने वाले कई बरस
दो सूरज साथ रहे मेरे
एक हॉस्टल की खिड़की से
उगता हुआ
दूसरा
बैराज पर
नारंगी गंगा की ओट में छिपता हुआ
और इसी तरह
महानगर की धरती पर
सीखा मैंने
दो दुनियाओं के बीच पुल बनना।

हाउस नंबर 485, बी-14, नई बस्ती, बिजनौर (उत्तर प्रदेश)246701 फोन नंबर - 8979586458 apoorvajag-ta.16dec@gmail.com

लघुकथा

वानप्रस्थ

आशा शैली

गुरु जी अपने छात्रों को प्राचीन भारत की आश्रम व्यवस्था समझा रहे थे,

''प्राचीन भारत में समाज को उचित दिशा देने के लिए मानव जीवन को चार आश्रमों में विभक्त किया गया था। ब्रह्मचर्याश्रम में मनुष्य को विद्याध्ययन करना होता था। गृहस्थाश्रम में धनोपार्जन करके बाल-बच्चे पालने की जिम्मेदारी और कुछ-कुछ समाज सेवा का कार्य रहता था। उसके बाद में मानव समाज को वनवासी होकर ईश्वर की उपासना करनी होती थी।''

एक छात्र ने अपने स्थान से उठकर प्रश्न किया, ''गुरु जी, क्या नौकरी से रिटायर होना वानप्रस्थ है?''

गुरु जी को याद आया, एक मास बाद उन्हें भी रिटायर होना है. तभी छात्र फिर बोल उठा, ''गुरुजी अब तो जगह-जगह वृद्धाश्रम बने हैं.अब आदमी को जंगल जाने की जरूरत क्या है?''

गुरुजी सोच रहे थे, मकान तो बेटे को सरकारी मिला हुआ है और बहू पहले ही तुनकी रहती है। उन्होंने फैसला लिया, आज ही वृद्धाश्रम वालों से अपने और पत्नी के लिए आवास की व्यवस्था करनी है।

सम्पादक, शैलसूत्र, इन्दिरा नगर-2, लालकुआँ, जिला नैनीताल-262402 (उत्तराखण्ड) मो. 7055336168

कविता

स्मृति का गोदाम

पुष्कर्राय जोशी

स्वयं को स्वच्छ रखने के लिए
मनका दर्पण नहीं करता है
प्रतिबिम्बो का संचय,
वह उन्हें डाल देता है
स्मृति के गोदाम में !
कोरा आकाश
मेरे सपने में हर रात
क्यों आती है एक सोनपरी ?
उसके लिए मैं क्या हूं ?
न सूरज,न चंदा,
या न तो कोई तारा,
तो फिर क्या हूं
एक कोरा कागज !

479, गुजरात हाउसिंग बोर्ड, कणकोट पाटिया, कालावड रोड, राजकोट -360005 .मो.नं.99251651641

पुस्तक समीक्षा

एक सुरंग, कई सवाल

डॉ. यशोधरा भटनागर

हिमालय की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सुंदरलाल बहुगुणा, एवं विमला देवी सहित उन सभी ज्ञात एवं अज्ञात योद्धाओं को समर्पित सुनील चतुर्वेदी का उपन्यास 'टनल (हिमालय की घुटती साँसें)' केवल एक दुर्घटना का आख्यान नहीं, बल्कि उस पूरे समय का दस्तावेज़ है जब विकास के लिए अंधी आकांक्षाएँ,प्रकृति की धड़कनों पर भारी पड़ती जा रही है।यह एक बहुआयामी उपन्यास है जिसमें सामाजिक यथार्थ है,पर्यावरणीय चेतना है,वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानवीय संवेदनाएँ हैं। सिल्क्यारा टनल दुर्घटना में निर्माणाधीन टनल का एक हिस्सा ध्वस्त हो गया था और 41 मजदूर भीतर फँस गए थे।लेखक इस घटना को महज़ एक 'इंसिडेंट' की तरह नहीं लेते, बल्कि इसे एक बड़े विमर्श का प्रवेश-द्वार बना देते हैं-वह विमर्श है हिमालय और विकास के टकराव का।

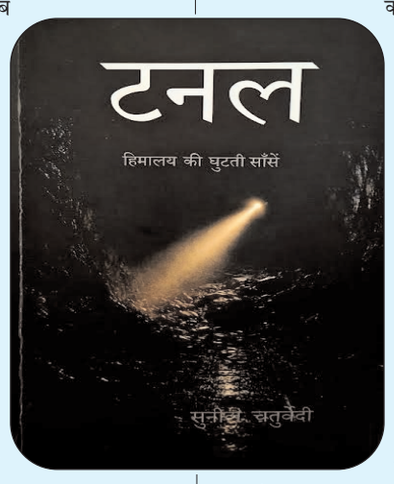

यहाँ हिमालय केवल भौगोलिक संरचना नहीं बल्कि एक जीवित इकाई है, एक ऐसा अस्तित्व है जिसकी अपनी संवेदनाएँ, सीमाएँ और संतुलन हैं।लेखक हिमालय के अस्तित्व, उसकी नाजुक संरचना और उस पर थोपे जा रहे विकास के मॉडल की गहराई से पड़ताल करते हैं।लेखक भूविज्ञान के विशेषज्ञ हैं, इसलिए उपन्यास में वैज्ञानिक दृष्टि और संवेदनशीलता का अद्भुत संतुलन दिखाई देता है।'टनल' केवल भावनात्मक कथा नहीं, बल्कि तथ्य और अनुभव से उपजी चेतावनी भी है।

सुनील चतुर्वेदी केवल भावनात्मक अपील नहीं करते, बल्कि वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर बताते हैं कि हिमालय क्यों इतना संवेदनशील है- यह दुनिया की सबसे युवा पर्वत श्रृंखला है,यह अब भी अपने बनने की प्रक्रिया में है।इसमें अत्यधिक कटान और निर्माण गतिविधियाँ प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ देती हैं।

उपन्यास का वैचारिक केंद्र 'चुगान' और 'कटान' के द्वंद्व में निहित है। 'चुगान'अर्थात उतना ही लेना, जितना जीवन के लिए आवश्यक हो; और 'कटान'अर्थात जितना संभव हो उतना छीन लेना। यह द्वंद्व दरअसल दो युगों का संघर्ष है-एक वह, जहाँ मनुष्य प्रकृति के साथ सहोदर की तरह रहता था और दूसरा वह, जहाँ वह स्वामी बन बैठा है। सुनील चतुर्वेदी इस रूपक के माध्यम से विकास की वर्तमान अवधारणा पर गहरा प्रश्नचिह्न खड़ा करते हैं।

उपन्यास की संरचना अत्यंत रोचक और प्रभावी है। इसमें दो कथावाचक हैं- मुख्य कथावाचक जो टनल दुर्घटना, रेस्क्यू ऑपरेशन और उससे जुड़े घटनाक्रम को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करता है। दूसरा कथावाचक एक बूढ़ा रहस्यमय व्यक्ति है।यह चरित्र उपन्यास की आत्मा है। बूढ़ा टनल की घटना के साथ-साथ पहाड़ के लोकजीवन, परंपराओं और स्मृतियों को जोड़ता चलता है।वह लोककथाओं और अनुभवों के माध्यम से पहाड़ का इतिहास और संस्कृति सामने लाता है।उसकी बातें रहस्यमयी और गहरी है।इस बूढ़े के स्वर में कहीं-कहीं स्वयं हिमालय का थका,चेतावनी देता अडिग स्वर सुनाई देता है। यह द्वि-स्तरीय कथन शैली उपन्यास को केवल घटना-प्रधान नहीं रहने देती बल्कि उसे दार्शनिक और प्रतीकात्मक ऊँचाई देती है।

लेखक ने टनल के भीतर फँसे मजदूरों का अत्यंत मार्मिक चित्रण किया है।एक ओर अँधेरे में कैद जीवन,सीमित संसाधन,हर क्षण मृत्यु की आशंका फिर भी जीवित रहने की जिजीविषा है,वहीं दूसरी ओर टनल के बाहर परिजनों की व्याकुल प्रतीक्षा,प्रशासन और कंपनियों का दबाव,विशेषज्ञों की असफल कोशिशें हैं। यह द्वंद्व केवल भौतिक नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक भी है। लेखक यह दिखाते हैं कि विकास की चमक के पीछे कितनी अदृश्य पीड़ाएँ छिपी होती हैं। उपन्यास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि अंततः सफलता स्थानीय मजदूरों (रेट माइनर्स) के अनुभव से मिलती है।यहाँ लेखक यह स्थापित करते हैं कि आधुनिक तकनीक महत्वपूर्ण है, लेकिन सर्वशक्तिमान नहीं।प्रकृति के साथ जीने वालों का अनुभव अधिक गहरा और कारगर होता है।यह विचार आज के 'टेक्नो-सेंट्रिक' विकास मॉडल पर एक सशक्त प्रश्नचिह्न है।

152, अलकापुरी,देवास-455001 फ़ोन नंबर -9425306554

व्यंग्य

चिपकाने की कला

शर्मिला चौहान

चिपकाने की कला में माहिर महारथियों के जीवन में, सोशल मीडिया से हर वक्त बहार छाई रहती है। फेविकॉल से भी प्रगाढ़ जोड़ है इनका अपनी कला से, जो हर वक्त इसमें रमे रहते हैं। किसी के मुँह से बात निकली और लपककर पकड़ लिया। आनन-फानन ही चिपका आए किसी और महफ़िल में। मुँहजुबानी की तो बात छोड़िए, नाम, गाँव, पते के साथ लिखी बातों को भी ये मनमौजी आसानी से उड़ा ले जाते हैं।?

चिपकाने की कला में समय कम लगता है परंतु मेहनत बहुत ज़्यादा है। पहले पढ़ो, निर्णय करो कि कैसे उठाना है और कहाँ चिपकाना है। गूगल बाबा ने सारी समस्याओं का हल समय रहते ही सोच लिया था। हर बात पर हामी भरने, विचार चिपकाने के लिए शब्दों की जगह इमोजी बना दिए। समय और माँग के अनुसार इनकी गुणवत्ता, संख्या, रूप में बदलाव मानो चिपकाने वाले कलाकारों के लिए वरदान साबित हो गई।

रचना, पोस्ट पढ़ने की भी जरूरत नहीं, उठाओ रंग-बिरंगे दिलों में से अपने पसंदीदा रंग का दिल और चिपका आओ। कहीं ठेंगा, कहीं ताली, कहीं नमस्कार का चमत्कार तो कहीं सुबह चाय की प्याली।

चिपकाने में माहिर इन मनमौजियों को क्या लिखा है, यह जानने उसी प्रकार इच्छा नहीं रहती जैसे विपक्ष को संसद में चलने वाले सत्र के विषय की। इमोजी चिपकाने का मायाजाल इतना भाने लगा कि अब एक-दो शब्द लिखना भी इनके बस का रोग नहीं रहा। आपातकालीन स्थिति में दो शब्द लिखने की ज़रूरत पड़ी तो फिर बस, गूगल शरणम् गच्छामि का रास्ता अपना लिया।अब कुछ शुभ प्रभात, शुभरात्रि, शुभकामनाओं के संदेश चिपकाने वाले दल की बात करते हैं। प्रतिदिन सूर्योदय से पहले, निष्ठा के साथ उगते सूरज, मुस्कुराते सूरज, लालिमा लपेटे सूरज को अपने सभी मित्रों-अमित्रों को चिपकाकर ही, बिस्तर से बाहर आते हैं। विभिन्न रूपों के चाँद, घटते-बढ़ते, बादलों में छिपे, तारों संग चमकते चाँदों को जब-तक अपने सब कांटेक्ट में नहीं भेज देते, उनकी स्वयं की रात्रि शुभ नहीं होती।? बधाई और शुभकामना शब्दों में न ढालकर रंग-बिरंगे, देशी-विदेशी फूल, गुलदस्ते चिपकाकर, कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेने वाले, इस चिपकाऊ गैंग की महिमा, शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

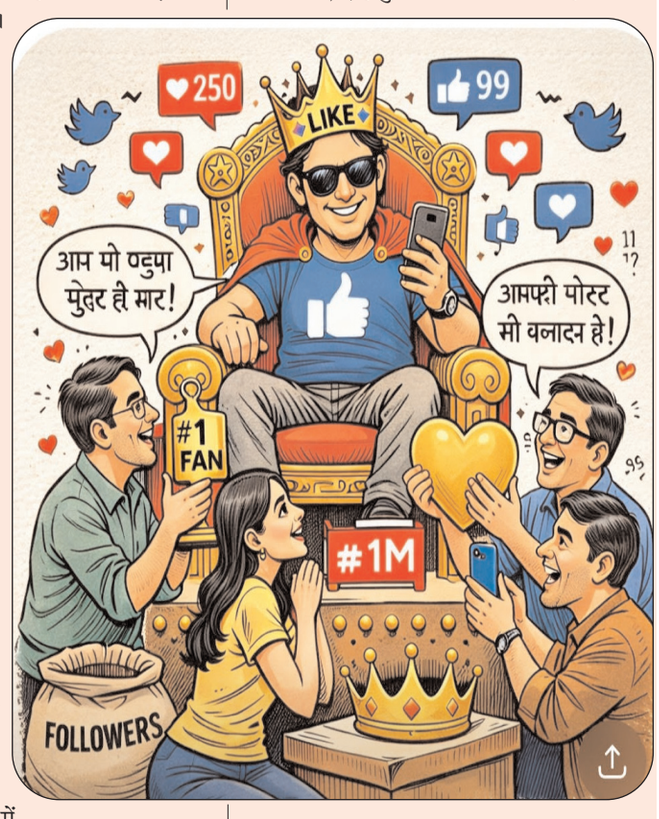

चिपकाने की कला में माहिर इन तस्करों की तन्मयता, इन्हें पुरस्कार का पात्र बनाती है।? काटने और चिपकाने में निष्ठा से लगे ये मनमौजी, साहित्य की आन-बान-शान हैं।

सारे अच्छे, संस्कारी संदेशों, सूक्तियों, तुकबंदियों का कॉपीराइट लिए यह दल, सक्रियता से अपने आपको साधारण मानव से श्रेष्ठ साबित करने में जुटा है। इमोजी, संदेश काटकर चिपकाने वाले इन कलाकारों ने सोशल मीडिया में अपना वर्चस्व बनाया है। सारे मुहावरे, सारी कहावतों को अपने बगल में दबाए, चिपकाओ और राज करो की प्रधानता वाले इन कलाकारों की हर तरफ जय-जयकार है। इंतज़ार है किसी मंच द्वारा, इस कला में पारंगत लोगों के लिए पुरस्कारों की, श्रेणीबद्ध घोषणा की जाए। अपनी जगह सुरक्षित रखने के लिए लेखक ने आज ही आवेदन कर दिया है।

ठाणे (महाराष्ट्र), मो.नं. 9967674585 ईमेल -sharmila-chouhan.w|@gmail.com

लघुकथा

रंगे हाथ

उर्मिला देवी उर्मि

'पेमेंट आज ही कर दो , तुम्हारा नाम इंटरनेशनल प्रोजेक्ट में जाएगा '. कुछ इसी प्रकार के मोटिवेशनल पोस्ट्स और स्मार्ट पर्सनैलिटी के कारण 'साइबर क्वैस्ट सॉल्यूशंस' कंपनी का प्रोजेक्ट हैड पुष्पम मल्होत्रा सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय था। लिंक्डइन पर लोग उसे 'कॉर्पोरेट आइकन' कहते थे।

कंपनी में नई इंटर्न गार्गी ने देखा कि पुष्पम प्रमोशन और बड़े प्रोजेक्ट्स के बदले गुप्त रूप से महंगे गिफ्ट और ऑनलाइन ट्रांसफर माँगता है। जो मना करता, उसका नाम टीम से हटा दिया जाता।

एक दिन गार्गी की सहेली मान्या ने बताया कि पुष्पम ने उससे भी प्रमोशन के नाम पर पचास हजार रुपये एक डिजिटल वॉलेट में ट्रांसफर करवाए थे। सबूत न होने के कारण कोई खुलकर बोल नहीं पा रहा था।

गार्गी ने चुप रहने के बजाय योजना बनाई। उसने पुष्पम की चैट, वॉइस नोट्स और पेमेंट रिक्वेस्ट के स्क्रीन रिकॉर्ड्स सुरक्षित कर लिए। अगले दिन पुष्पम ने फिर मैसेज भेजा— 'पेमेंट आज ही कर दो, तभी तुम्हारा नाम इंटरनेशनल प्रोजेक्ट में जाएगा।'

जैसे ही गार्गी ने ऑनलाइन ट्रांसफर किया, साइबर क्राइम सेल की टीम ऑफिस पहुँची। स्क्रीन पर ट्रांजैक्शन आईडी और चैट रिकॉर्ड चमक रहे थे।

अधिकारी ने सख्त आवाज़ में कहा— 'मिस्टर पुष्पम, अब आपकी डिजिटल इमेज नहीं, असली चेहरा वायरल होगा। आप रंगे हाथ पकड़े गए हैं. '

रायपुर , छत्तीसगढ़

कविता

समय

मोनिका डागा 'आनंद'

हर पल बड़ा, बलवान है, सबका समय, भगवान है।
मेहनत से, मुस्कान है, सुंदर बने, दिनमान है।।
हिम्मत कर,
विश्वास रख, मेहनत का,
परिणाम चख।
रख हौसला, पाले विजय, कर साधना,
हो दिग्विजय।।
छू ले गगन, सपना सजा, श्रम गीत गा,
बाजा बजा।
सीढ़ी बना, विस्तार दे, नूतन सपन,
आकार दे।।
सम्मान कर, तू काल का, चलते
समय, गतिमान का।
थमता नहीं, डरना नहीं, बाधा कहीं,
मुश्किल कहीं।।
राही कदम, रखना सही, मंज़िल मिले,
इच्छित वही।
हर पल यहाँ, तो दौड़ हैं, सुख-दुख
समय, का जोड़ हैं।।
कमजोर क्यूँ, इतना बना, तू है निडर,
उर को मना।
होगी विजय, इस प्यास की, आत्मिक
सुखद, विश्वास की।।
जगती सदा, आशा वहीं, जो धैर्य को,
छोड़े नहीं।
तू समझ लें, इस बात को, पा सुखद
सी, सौगात को।।
बीता समय, वापस कभी, आता नहीं,
रोते सभी।
मौका मिले, कल हों नहीं, चिंता सदा,
रहती वहीं।।
राहें बने , व्यहवार से, स्वीकृति सहज,
स्वीकार से ।
आगे निकल, छोड़कर दुख, 'आनंद'
भर, जीतकर सुख।।
तू मत बिखर, कर प्यार कुछ, करता
समय, ही कुछ न कुछ।
भीतर जगा, उस चाह को, तू सीख
जा, उस वाह को।।
गतिमय समय, पल-पल घटे, खुश हो
चला, संकट छटे।
कीमत समझ, कर जो चलें, शुभ ही
सदा, प्रतिफल मिलें

चेन्नई

संक्षिप्त खबरें

ठकुरीकापा के ग्रामीणों को जल संकट से मिली राहत

मुंगेली। कभी पानी की समस्या से जूझने वाला ग्राम पंचायत ठकुरीकापा जल जीवन मिशन की बदौलत खुशहाली और राहत की नई मिसाल बन गया है। मुंगेली जिले से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में अब हर घर तक नल के माध्यम से नियमित पेयजल पहुंच रहा है। इससे वर्षों पुरानी जल संकट की समस्या दूर हो गई है और ग्रामीणों के चेहरे पर संतोष साफ दिखाई दे रहा है। लगभग 2 हजार 285 की आबादी वाले ग्राम ठकुरीकापा में पहले पेयजल के लिए 17 हैंडपंप एवं पावर पंपों पर निर्भर रहना पड़ता था। नेशनल रूरल ड्रिंकिंग वाटर प्रोग्राम (एनआरडीडब्ल्यू) योजना के तहत पानी टंकी और पाइपलाइन की व्यवस्था होने के बावजूद पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। गर्मी के दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती थी, जब हैंडपंपों का जलस्तर नीचे चला जाता था और कई हैंडपंप सूख जाते थे, जिससे महिलाओं को काफी दूर से पानी लाना पड़ता था। 'जल जीवन मिशन: ठकुरीकापा के ग्रामीणों को जल संकट से मिली राहत'लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए शासन द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में नई पाइपलाइन बिछाकर घर-घर नल कनेक्शन दिए गए। अब प्रत्येक घर में नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। ग्राम की महिलाओं ने बताया कि पहले पानी लाने में कई घंटे लग जाते थे, लेकिन अब घर पर ही नल से पानी मिलने लगा है। इससे समय की बचत होने के साथ दैनिक जीवन भी आसान हो गया है।

रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, जेसीबी सहित 7 वाहन जब्त

जांजगीर-चांपा। जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सघन जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान एक जेसीबी मशीन सहित 7 वाहनों को जब्त किया गया। खनिज अधिकारी ने बताया कि केवा-पिपर्दा के मध्य हसदेव नदी क्षेत्र में अवैध रेत खनन में संलिप्त एक जेसीबी मशीन को जब्त कर थाना बम्हनीडीह में सुरक्षित रखा गया है। इसके अलावा बिर्रा, केवा (नवापारा) एवं हाथनेवरा क्षेत्रों में जांच के दौरान अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर 3 हाईवा और 4 ट्रैक्टर सहित कुल 7 वाहनों को जब्त किया गया। जब्त वाहनों में से 6 को पुलिस लाइन खोखरा तथा एक ट्रैक्टर को थाना बिर्रा में सुरक्षार्थ रखा गया है। प्रशासन ने बताया कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन से संबंधित प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में खनिजों की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर एनआईए में जाने की संभावना

जगदलपुर। बस्तर से नक्सलवाद के खात्मे के बाद अब बस्तर आईजी सुंदरराज पी. केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा सकते हैं। उनकी पदस्थापना एनआईए में होने की चर्चा है। आईपीएस के वर्ष-2003 बैच के अधिकारी सुंदरराज पी. बस्तर में अब तक सबसे लंबी अवधि तक एसपी-आईजी जैसे पदों पर काम करने वाले अधिकार हैं। बस्तर से नक्सलवाद को खत्म करने में उनके रणनीति की अहम भूमिका रही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. के कार्यशैली की बस्तर के अधिनस्थ कर्मचारियों से लेकर सभी राजनैतिक दलों एवं मीडिया तक प्रशंसा करते हैं। इसी सामंजस्य ने उन्हे बस्तर में एक निर्विवाद अधिकारी के रूप में स्थापित किया है। गौरतलब है कि नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण के उनके योगदान को देखते हुए कांग्रेस एवं भाजपा के शासनकाल में बस्तर आईजी के रूप में अपनी रिकार्ड लंबी अवधि तक अर्थात नक्सलवाद के खात्में तक उन्हे हटाना उचित नही समझा गया।

बाइक पर सवार होकर नक्सलियों के गढ़ में पहुंची सरकार

उबड़-खाबड़ और पथरीले रास्तों पर अधिकारियों का काफिला मोटरसाइकिल पर सवार होकर निकला

सुकमा। बस्तर के सुदूर वनांचलों से डर और उपेक्षा का अंधेरा अब छंटने लगा है, और इसकी गवाह बनी सुकमा की वो तस्वीरें जहां जिले के मुखिया खुद दुर्गम रास्तों की परवाह किए बिना जनता के द्वार पहुंचे रहे हैं। कलेक्टर अमित कुमार और जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर ने कोंटा विकासखंड के धुर नक्सल प्रभावित रहे और पहुंचविहीन गांवों भेज्जी, मैलापुर, दंतेशपुरम, बुर्कलंका, गछनपल्ली, बोदराजपदर और डब्बाकोंटा का ऐतिहासिक दौरा किया। सालों से मुख्यधारा से कटे इन गांवों के उबड़-खाबड़ और पथरीले रास्तों पर जब अधिकारियों का काफिला मोटरसाइकिल पर सवार होकर निकला, तो यह सिर्फ एक निरीक्षण नहीं, बल्कि ग्रामीणों के मन में प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति अटूट विश्वास जगाने का सफर बन गया। आजादी के बाद पहली बार किसी कलेक्टर को अपने बीच पाकर ग्रामीणों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

चौपाल पर संवाद और श्सुशासन परिसरश् की सराहना

अधिकारियों ने बुर्कलंका में बन रहे श्सुशासन परिसरश् का बारीकी से निरीक्षण किया। कलेक्टर अमित कुमार ने दुर्गम घने जंगलों के बीच बसे इस गांव में बने परिसर की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायी बताया। इस बहुद्देशीय परिसर में एक ही बाउंड्रीवाल के भीतर स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन, पीडीएस सेंटर और सामुदायिक भवन को समेटा गया है, जो ग्रामीणों को एक ही छत के नीचे सारी मूलभूत सुविधाएं देने का बेहतरीन मॉडल है। सुशासन शिविर के दौरान मैलासुर पंचायत में अधिकारियों ने जमीन पर बैठकर सरपंच, पटेल, मुखिया और ग्रामीणों से सीधा संवाद किया, सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत जानी और निर्माणाधीन कार्यों को समय पर पूरा करने का संकल्प दोहराया।

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगातें

प्रशासन का सबसे बड़ा फोकस ग्रामीणों की सेहत और बच्चों की शिक्षा पर रहा। कलेक्टर ने संवेदनशील पहल करते हुए भेज्जी पंचायत में उप स्वास्थ्य केंद्र की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई, जबकि मैलासुर में इसके लिए तत्काल जगह चिन्हित करने के निर्देश दिए। गछनपाल्ली में स्वास्थ्य कर्मियों के रहने के लिए स्टाफ क्वार्टर को मंजूरी दी गई, ताकि चौबीसों घंटे इलाज की सुविधा मिल सके। शिक्षा की लौ को मजबूत करने के लिए दंतेषपुरम में निर्माणाधीन प्राथमिक शाला भवन को बारिश के मौसम से पहले हर हाल में पूरा करने का निर्देश शिक्षा विभाग को दिया गया, साथ ही अंदरूनी इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सख्त रुख अपनाया गया।

पेयजल, आजीविका और कृषि को मिला नया जीवन

गांवों में खुशहाली और आत्मनिर्भरता लाने के लिए कलेक्टर ने आजीविका के नए द्वार खोले। मैलासुर और दंतेषपुरम के ग्रामीणों की मांग पर मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए तालाबों का चिन्हाँकन किया गया और ग्रामीणों को मछली बीज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। पानी की किल्लत को दूर करने के लिए दंतेषपुरम में एक नए डैम और तालाब निर्माण की बड़ी स्वीकृति दी गई, साथ ही क्रेड़ा विभाग को पानी टंकी बनाने के निर्देश दिए गए। मैलासुर और बोदराजपदर में पेयजल संकट को खत्म करने के लिए नए हैंडपंप और बोरिंग की तत्काल मंजूरी दी गई। पीएचई विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि जिन गांवों में जल जीवन मिशन का काम पूरा हो चुका है, वहां बिना देरी किए तत्काल जलापूर्ति शुरू की जाए। और जहाँ काम पूरा नहीं हुआ है वहां तेजी से कार्य पूरा कर ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाये।

पैसे के लेन-देन पर कांग्रेस नेता के पुत्र की हुई थी हत्या

जांजगीर-चांम्पा। कांग्रेस नेता के घर घुसकर हत्या करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने पिस्टल और मैगजीन के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने 'ऑपरेशन हंट' के तहत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस सनसनीखेज हत्या के पीछे की वजह उधारी का विवाद, आपसी जलन और व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा बताई जा रही है।

दरअसल, 23 और 24 अप्रैल की दरम्यानी रात ग्राम करही में तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर आयुष कश्यप की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जबकि उसके छोटे भाई को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। घटना के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 'ऑपरेशन हंट' शुरू किया और जांच का दायरा 7 राज्यों तक फैलाया। इस दौरान 200 से ज्यादा CCTV फुटेज खंगाले गए, तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए और संदिग्धों से लगातार पूछताछ की गई।

जांच के दौरान सामने आया कि आरोपियों ने उधारी के पैसों को लेकर चल रहे विवाद, मृतक की बढ़ती आर्थिक स्थिति और प्रभाव से जलन के चलते इस हत्या की साजिश रची थी। घटना की रात आरोपी पहले से ही घर के आसपास मौजूद थे। CCTV कैमरा तोड़ने के बाद उन्होंने घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। पहले मृतक के पिता के कमरे को बाहर से बंद किया गया, फिर आयुष कश्यप पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। बीच-बचाव करने आए छोटे भाई को भी गोली मार दी गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिस्टल, मैगजीन, अतिरिक्त मैगजीन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। फिलहाल मामले के मुख्य साजिशकर्ता और अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है। इस पूरे मामले के खुलासे पर पुलिस महानिरीक्षक ने टीम की सराहना करते हुए इनाम की घोषणा की है।

अवैध रेत और गिट्टी परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, 5 हाइवा वाहन जप्त

महासमुंद। महासमुंद जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के सख्त निर्देश पर खनिज विभाग की टीम ने जिले में एक विशेष जांच अभियान चलाया। इस अभियान के तहत पिछले तीन दिनों (21 मई, 22 मई और 23 मई) में लगातार कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से खनिज का परिवहन कर रहे 5 बड़े हाइवा वाहनों को जप्त किया गया है।

जप्त वाहनों में 3 रेत और 2 गिट्टी के हाइवा शामिल

खनिज विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, जप्त किए गए वाहनों में अवैध साधारण रेत से भरे 3 हाइवा और गिट्टी से भरे 2 हाइवा वाहन शामिल हैं। कार्रवाई के बाद सुरक्षा के लिहाज से इन सभी वाहनों को तुमगांव और महासमुंद थाने में खड़ा करवा दिया गया है। पकड़े गए सभी वाहनों के खिलाफ खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत नियमानुसार कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक खोज: उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में मिला दुर्लभ 'हिमालयन हिल टर्टल', मध्य भारत के लिए बड़ी उपलब्धि

बिना वैध पास के परिवहन करने वालों पर गिरेगी गाज

खनिज विभाग ने साफ किया है कि जिले के सभी खनिज पट्टेदारों और परिवहनकर्ताओं को पहले ही कड़े निर्देश दिए जा चुके हैं। बिना वैध रॉयल्टी पर्ची या अभिवहन पास के किसी भी प्रकार का खनिज उत्खनन, परिवहन या भंडारण करना एक गंभीर और दंडनीय अपराध है। इसके बावजूद नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों के खिलाफ यह सख्त कदम उठाया गया है।

भविष्य में सीधे दर्ज होगी एफआईआर

खनिज विभाग ने इस कार्रवाई के साथ ही अवैध कारोबारियों को सख्त चेतावनी दी है। विभाग ने निर्देशित किया है कि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति अवैध उत्खनन, परिवहन या भंडारण में संलिप्त पाया जाता है, तो केवल वाहन जप्त नहीं किए जाएंगे, बल्कि संबंधित आरोपियों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक

सास की 500 रुपए पेंशन, पीठ पर लादकर बहू पहुंची बैंक

सरगुजा। सोशल मीडिया पर अक्सर आपने सास और बहू के कई अजब - गजब वीडियो देखे होंगे। लेकिन हाल ही में एक ऐसा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक बहू अपनी 90 वर्ष की सास को 500 रुपए की पेंशन दिलाने के लिए बिना अपनी परवाह किए पीठ पर बैठाकर करीब 9 किलोमीटर चलकर बैंक पहुंची। यही वजह है कि बहू यह हिम्मत और सास के लिए अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। लेकिन क्या है पूरा मामला जानते हैं।

क्या है पूरा मामला

बता दें कि, यह वीडियो छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि बहु सुखमनिया अपनी 90 साल की सास सोनवारी को पीठ पर लादकर 9 किलोमीटर पैदल चलकर बैंक में पेंशन लेने पहुंच गई। हालांकि, बैंक पहुंचने पर उन्हें केवल 3 महीने की पेंशन ?1500 ही मिले, जबकि खाते में ?4000 रुपए जमा थे। बहु सुखमनिया ने बताया कि बैंक जाने के रास्ते में नाला पड़ने की वजह से वहां गाड़ी नहीं पहुंच पाती, जिसके कारण वह वृद्ध सास को अपनी पीठ पर लादकर बैंक पहुंची। सुखमनिया ने रोते हुए बताया कि पहले उसकी सास सोनवारीको बैंक का मित्र तपेश पैसे घर पहुंचा देता था। लेकिन बाद में उसने पैसे घर तक पहुंचने से इनकार कर दिया। साथ ही सुखमनिया ने यह भी बताया कि उसकी सास को सिर्फ वृद्धावस्था की ही पेंशन मिलती है और महतारी वंदन योजना की राशि नहीं दी जाती है। इस मामले को लेकर जब नर्मदापुर सेंट्रल बैंक के शाखा प्रबंधक मिर्जा अल्ताफ से सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि मैनपार इलाके में वृद्धावस्था पेंशन घर पहुंचने की सुविधा है, जिसके लिए 8 बैंक के मित्र कार्यरत हैं लेकिन सोनवारी के परिवार द्वारा बैंक में ऐसी कोई सूचना नहीं दी गई।

खैरानवापारा समाधान शिविर बना जनसुनवाई का सशक्त मंच

खैरागढ़। सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत खैरागढ़, छुईखदान, गंडई, जिले के जनपद पंचायत छुईखदान के खैरानवापारा में आयोजित जनसमस्या निवारण एवं समाधान शिविर जनभागीदारी और प्रशासनिक संवेदनशीलता का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आया। शिविर में खैरानवापारा क्लस्टर की 15 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे और अपनी मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में ग्रामीणों ने शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर लाभ के लिए आवेदन दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर हितग्राहियों को प्रदान किए जा रहे लाभों एवं सेवाओं की जानकारी ली। शिविर में कुल 967 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 798 मांग एवं 169 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल रहे। प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ करते हुए विभिन्न विभागों द्वारा 137 हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका खम्हन ताम्रकार ने कहा कि सुशासन तिहार शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण गांव स्तर पर ही हो तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सरलता एवं पारदर्शिता के साथ मिले।

धर्मांतरण के खिलाफ दिल्ली कूच, राष्ट्रपति को सौंपा जाएगा ज्ञापन

डी-लिस्टिंग की मांग अब तेज होती जा रही है, 5 लाख आदिवासी इस आंदोलन में हो रहे शामिल

जगदलपुर। देशभर में धर्मांतरित परिवारों की डी-लिस्टिंग की मांग अब तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के सातों जिलों से करीब 1200 आदिवासी ग्रामीण दिल्ली रवाना हुए हैं, जहां 24 मई को राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा जाएगा। सर्व आदिवासी समाज के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम का दावा है कि देशभर से करीब 5 लाख आदिवासी इस आंदोलन में शामिल हो रहे हैं।

नक्सलवाद के बाद धर्मांतरण बड़ी समस्या : अरविंद नेताम

नेताम का कहना है कि धर्मांतरण के बाद भी कई परिवार ST और SC आरक्षण समेत सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, जबकि उन्हें मिशनरियों से भी सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने बस्तर में धर्मांतरण को नक्सलवाद के बाद सबसे बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि इससे आदिवासी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज खतरे में पड़ गए हैं।

प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि गांव-गांव में प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है और अवैध रूप से चर्च संचालित किए जा रहे हैं। इसी को रोकने के लिए धर्मांतरित परिवारों को आरक्षण लाभ से बाहर करने यानी डी-लिस्टिंग की मांग उठाई जा रही है। हालांकि स्वास्थ्य कारणों से अरविंद नेताम दिल्ली कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं, लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग की है।

हितग्राही दिलीप बोले - अब पक्के मकान का सपना होगा पूरा

बलौदाबाजार। मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना से मुझे ज़मीन का मालिकाना हक मिल गया है। अब मुझे अपना खुद का पक्का आवास बनाने में बहुत आसानी होगी। इस मदद के लिए छत्तीसगढ़ शासन को मेरा बहुत-बहुत धन्यवाद। यह भावुक और कृतज्ञता भरे शब्द बलौदाबाजार के करहीबाजार में आयोजित सुशासन तिहार के दौरान हितग्राही दिलीप कुमार वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से कहे।

सुशासन तिहार में सीधे संवाद से बढ़ी खुशियां

राजस्व विभाग की स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो रही है। करहीबाजार में आयोजित समाधान शिविर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने योजना के तहत लाभान्वित हितग्राहियों से सीधा संवाद किया। इसी कड़ी में जब मुख्यमंत्री ने दिलीप कुमार वर्मा से बात की, तो दिलीप ने अपनी खुशी साझा करते हुए बताया कि जमीन का कानूनी हक मिलने से उनके जीवन की सबसे बड़ी चिंता दूर हो गई है और अब वे बिना किसी अड़चन के अपना आशियाना बना सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बधाई देते हुए कहा कि हर गरीब का हो अपना पक्का मकान।

हितग्राही दिलीप वर्मा की बात सुनकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उन्हें सहर्ष बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि हमारी सरकार का मुख्य ध्येय अंतिम व्यक्ति तक सुशासन का लाभ पहुंचाना है। स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का असली हक मिल रहा है, जिससे न केवल उन्हें बैंक लोन मिलने में आसानी होगी, बल्कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनाने की राह भी आसान होगी।

दिल्ली में सीएनजी की कीमतों में हुई 1 रुपए की बढ़ोतरी, 81 रुपए प्रति किलो के पार पहुंचा रेट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की खुदरा कीमत में 1 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई। पिछले 10 दिनों में यह तीसरी बार है, जब कीमतों में बदलाव किया गया है।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के अनुसार, नई दिल्ली में सीएनजी की कीमत 80.09 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 81.09 रुपए प्रति किलो हो गई है।

वहीं, पड़ोसी शहरों नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत बढ़कर 89.70 रुपए प्रति किलो हो गई है, जबकि गुरुग्राम में यह 86.12 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

इससे पहले 15 मई को सीएनजी की कीमत में 2 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई थी, जबकि 17 मई को इसमें 1 रुपए प्रति किलो का इजाफा हुआ था। सीएनजी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों और गैस से चलने वाले वाहनों का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों पर पड़ने की संभावना है। इससे घरेलू खर्च और लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ सकती है।

इस बीच, सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की। करीब 10 दिनों में यह तीसरी बार है जब ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं।

पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण की गई है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 98.64 रुपए से बढ़कर 99.51 रुपए प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल 91.58 रुपए से बढ़कर 92.49 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, यह बढ़ोतरी देश भर के कई शहरों में एक समान रूप से लागू की गई है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 110.64 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 97.02 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। मुंबई में पेट्रोल 108.49 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.02 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा निवेश, एसआईपी में लार्ज कैप शेयरों को मिल रही प्राथमिकता: रिपोर्ट

नई दिल्ली। शनिवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में 73,639 करोड़ रुपए का निवेश आया, जो मार्च की तुलना में काफी अधिक रहा, क्योंकि एसआईपी के जरिए आने वाला अधिकांश निवेश बड़े शेयरों यानी लार्ज-कैप कंपनियों में गया।

वैलम कैपिटल की रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों ने पीएसयू और बीएफएसआई सेक्टर के वैल्यू स्टॉक्स की ओर रुख किया, जबकि टेक्नोलॉजी शेयरों से दूरी बनाई।

रिपोर्ट के अनुसार, जब तक व्यापक शेयर बाजार साल-दर-साल आधार पर सकारात्मक नहीं हो जाता, तब तक भारतीय निवेशक आक्रामक निवेश के बजाय अनुशासित रणनीति पर ध्यान दे रहे हैं। अप्रैल में कुल निवेश 25,931 करोड़ रुपए रहा, जो मार्च से अधिक था। मार्च के तिमाही अंत में आई अस्थिरता के बाद अप्रैल में विभिन्न एसेट क्लास में निवेश का रुख सुधरता दिखा। मनी मार्केट और फिक्स्ड इनकम सेगमेंट में भी भारी निकासी के बाद फिर से निवेश आने लगा।

इसके अलावा, लार्ज-कैप फंड्स में निवेश घटकर 17,756 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले महीने की तुलना में 10,911 करोड़ रुपए कम था।

हालांकि, कमजोर प्रदर्शन के बावजूद लार्ज-कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इस श्रेणी में साल-दर-साल आधार पर 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो सभी सेगमेंट में सबसे कमजोर प्रदर्शन रहा।

रिपोर्ट में कहा गया, 'निवेशक कमजोर प्रदर्शन वाले फंड्स में भी नियमित एसआईपी निवेश जारी रख रहे हैं, जो भारत की परिपक्व होती एसआईपी संस्कृति को दर्शाता है।'

इक्विटी में डायनामिक रणनीतियों में सबसे बड़ा बदलाव देखने को मिला, जहां 15,242 करोड़ रुपए की निकासी से स्थिति बदलकर 19,755 करोड़ रुपए के निवेश में पहुंच गई। यह सभी इक्विटी श्रेणियों में सबसे बड़ा मासिक बदलाव रहा।

भारत का यूपीआई नेटवर्क साइप्रस तक पहुंचा, अगले साल से शुरू होंगी सेवाएं

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अगले साल से साइप्रस में चालू हो जाएगा। इससे यूरोप में देश के डिजिटल पेमेंट्स इकोसिस्टम का एक और बड़ा विस्तार होगा।

मीडिया ब्रीफिंग में विदेश सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने कहा कि साइप्रस में यूपीआई का रोलआउट जून 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेडिटेरेनियन देश के आधिकारिक दौरे के दौरान हुई बातचीत के खास नतीजों में से एक था।

यह लॉन्च एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और यूरोबैंक साइप्रस के बीच एक एमओयू पर साइन होने के बाद हुआ है, ताकि भारत के रियल-टाइम पेमेंट प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट को आसान बनाया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी 15-16 जून 2025 को साइप्रस गए और दो दशकों से ज्यादा समय में देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने।

इस दौरे के दौरान, पीएम मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स ने व्यापार, निवेश, समुद्री सुरक्षा, रक्षा, वित्तीय कनेक्टिविटी, तकनीक, शिक्षा और सांस्कृतिक एक्सचेंज में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर डिटेल में बातचीत की। दोनों नेताओं ने लिमासोल शहर में एक बिजनेस राउंडटेबल में भी हिस्सा लिया और भारत-साइप्रस रणनीतिक संबंधों को गहरा करने के मकसद से डेलिगेशन स्तर की बातचीत की।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों देश भविष्य के द्विपक्षीय सहयोग को गाइड करने के लिए 2025-29 के लिए एक व्यापक संयुक्त कार्रवाई योजना पर काम करने पर सहमत हुए।

साइप्रस में विस्तार यूपीआई की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति को और बढ़ाता है। फ्रांस यूपीआई अपनाने वाला पहला यूरोपीय देश बन गया।

दिल्ली में आंधी-बारिश के पूर्वानुमान के बीच इंडिगो ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन ने शनिवार को दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की। राष्ट्रीय राजधानी में आंधी और बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए एयरलाइन ने कहा कि खराब मौसम के कारण उड़ानों के आगमन और प्रस्थान पर असर पड़ सकता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए एयरलाइन ने कहा कि दिल्ली के मौसम की स्थिति अस्थायी रूप से उड़ान संचालन को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, एयरपोर्ट और एयरलाइन की टीमें व्यवधान को कम करने के लिए पहले से तैयारी कर रही हैं।

इंडिगो ने कहा, 'दिल्ली में आंधी और बारिश की संभावना है, जिसके कारण उड़ानों के आगमन और प्रस्थान पर असर पड़ सकता है। हमारी टीमें संचालन को सुचारू बनाए रखने के लिए पहले से तैयारी कर रही हैं, लेकिन मौसम की वजह से थोड़ी देरी हो सकती है।'

एयरलाइन ने यात्रियों को सलाह दी कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए जरूर चेक कर लें।

इसके अलावा, यात्रियों से अतिरिक्त समय लेकर चलने को कहा गया है, क्योंकि बारिश और जलभराव के कारण शहर के कई हिस्सों में सड़क यातायात प्रभावित हो सकता है।

एयरलाइन ने कहा, 'यदि आप आज यात्रा कर रहे हैं, तो एयरपोर्ट जाने से पहले हमारी वेबसाइट या ऐप पर अपनी फ्लाइट का स्टेटस जरूर चेक करें।'

इससे पहले शुक्रवार को भी एयरलाइन ने मुंबई आने-जाने वाले यात्रियों के लिए भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की थी। यात्रियों से कहा गया था कि वे खराब मौसम के कारण संभावित देरी से बचने के लिए सामान्य समय से पहले एयरपोर्ट पहुंचें। एयरलाइन ने कहा था, 'ट्रैफिक अपडेट पर नजर रखें और एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले ऐप या वेबसाइट पर अपनी फ्लाइट की स्थिति जांच लें। मई की शुरुआत में खराब मौसम का असर पूर्वी भारत में इंडिगो की उड़ानों पर भी पड़ा था।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिका-ईरान वार्ता के चलते इस हफ्ते सेंसेक्स और निफ्टी में दर्ज की गई उल्लेखनीय बढ़त

मुंबई । कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिका-ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत की खबरों से बाजार की धारणा मजबूत हुई, जिसके चलते इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में अच्छी बढ़त दर्ज की गई।

निफ्टी में सप्ताह के दौरान 0.32 प्रतिशत की बढ़त हुई और आखिरी कारोबारी दिन यह 0.27 प्रतिशत चढ़कर 23,719 पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स 231 अंक या 0.31 प्रतिशत बढ़कर 75,415 पर बंद हुआ। पूरे सप्ताह में सेंसेक्स में 0.24 प्रतिशत की तेजी रही।

एक विश्लेषक ने कहा, 'बाजार में सुधार के बावजूद निवेशक अभी भी सतर्क बने हुए हैं। ऊंचे स्तरों पर मजबूत खरीदारी नहीं दिखने से बाजार की तेजी सीमित रही।'

आईटी सेक्टर इस सप्ताह सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। हालिया गिरावट के बाद आकर्षक वैल्यूएशन के कारण इसमें निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी।

रियल्टी, सीमेंट और निजी बैंकिंग शेयरों में भी मजबूती बनी रही, जबकि एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर कमजोर रहे। थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) के असर से कंपनियों के मार्जिन पर दबाव की चिंता बनी रही।

मिडकैप इंडेक्स ने प्रमुख सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप100 में 1.36 प्रतिशत की बढ़त हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप100 में 0.41 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

कच्चे तेल की कीमतों में कुछ नरमी आने और मध्य पूर्व में तनाव कम करने की लगातार कोशिशों से रुपए को भी समर्थन मिला।

हालांकि, बढ़ती इनपुट लागत और सख्त मौद्रिक नीति की आशंकाओं के कारण घरेलू बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी देखी गई।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी 30 वर्षीय ट्रेजरी यील्ड इस सप्ताह 2007 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। इससे लगातार बनी महंगाई, ऊंची ऊर्जा कीमतों और बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं।

इससे यह आशंका और मजबूत हुई कि लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बनी रह सकती हैं, जिसका असर वैश्विक लिक्विडिटी और जोखिम वाले निवेशों पर पड़ सकता है।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि निफ्टी 50 के लिए 23,800 से 24,000 का स्तर मजबूत रेजिस्टेंस जोन बना हुआ है, जबकि 23,400 से 23,300 का स्तर अहम सपोर्ट एरिया रहेगा।

वहीं, बैंक निफ्टी में 54,200 के आसपास तत्काल रेजिस्टेंस देखा जा रहा है, जबकि 53,600 से 53,500 का स्तर मजबूत सपोर्ट जोन बना हुआ है।

एक मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) इस सप्ताह भी बड़े पैमाने पर बिकवाली करते रहे और कुल निकासी लगभग 7,570 करोड़ रुपए रही।

निवेशकों की नजर अब भारत के अप्रैल के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आंकड़ों पर है, जिससे यह संकेत मिल सकता है कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की हालिया कमजोरी अस्थायी है या लंबे समय तक रहने वाली है।

सोशल मीडिया के जरिए शेयरों में हेरफेर कर 20 करोड़ रुपए कमाने के आरोप में 7 सदस्यीय परिवार पर सेबी की जांच

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक ही परिवार के सात लोगों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर छोटे निवेशकों को प्रभावित किया और सार्वजनिक रूप से शेयरों की सिफारिश करने से पहले खरीदारी करके अवैध मुनाफा कमाया।

सेबी के अंतरिम प्रवर्तन आदेश में कहा गया है कि परिवार के सात सदस्य टेलीग्राम, व्हाट्सएप और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए शेयर बाजार से जुड़े टिप्स फैलाकर शेयरों में हेरफेर कर रहे थे।

आरोप है कि ये लोग एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध शेयरों में पहले ही खरीदारी कर लेते थे और बाद में उन शेयरों की सिफारिश सोशल मीडिया पर बड़े स्तर पर साझा करते थे। सेबी के अनुसार, इन लोगों ने शुरुआती तौर पर करीब 20.25 करोड़ रुपए का गलत तरीके से मुनाफा कमाया।

सेबी के आदेश में कहा गया, 'इन व्यक्तियों ने पहली नजर में धोखाधड़ी, बाजार में हेरफेर और अनुचित व्यापारिक गतिविधियों में शामिल होकर काम किया। उन्होंने शेयरों की कीमत कृत्रिम रूप से बढ़ाने के इरादे से सिफारिशें जारी कीं और जांच अवधि के दौरान कुल 82 शेयरों में मुनाफा कमाया।

सेबी को खासतौर पर कम लिक्विडिटी वाले शेयरों में प्रमोशनल पोस्ट से जुड़े संदिग्ध ट्रेडिंग पैटर्न मिले।

बाजार नियामक ने अदालत की अनुमति मिलने के बाद 21 जनवरी से 24 जनवरी 2026 के बीच तलाशी और जब्ती अभियान चलाया। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए और आरोपियों के बयान शपथ के तहत दर्ज किए गए।

सेबी ने 1 दिसंबर 2023 से 20 जनवरी 2026 तक की अवधि की जांच की। जांच में पाया गया कि सातों लोगों का कुल ग्रॉस ट्रेड वैल्यू पहले 548.62 करोड़ रुपए था, जो जांच अवधि में बढ़कर 1,023.40 करोड़ रुपए हो गया, जो कि करीब 86 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। नियामक ने यह भी दावा किया कि इन लोगों का कुल स्क्वायर-ऑफ मुनाफा 17.06 करोड़ रुपए से बढ़कर 58.40 करोड़ रुपए हो गया, यानी इसमें 242 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सेबी ने रोहन गुप्ता और शेरोन गुप्ता को सबसे बड़े लाभार्थियों में शामिल बताया है।

भारत ने विकासशील देशों के वैश्विक व्यापार प्रणाली में एकीकरण के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की

नई दिल्ली। भारत ने विकासशील देशों और 'अत्यंत पिछड़े देशों' (एलडीसी) के विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सदस्यता का लगातार समर्थन किया है। इसी कड़ी में एथियोपिया के डब्ल्यूटीओ में शामिल होने के संदर्भ में जेनेवा में द्विपक्षीय प्रवेश प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए।

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत की ओर से यह प्रोटोकॉल डब्ल्यूटीओ में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि डॉ. सेंटिल पंडियन सी. और एथियोपिया की ओर से राजदूत और जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों में स्थायी प्रतिनिधि त्सेगाब केबेब्यू डाका ने हस्ताक्षर किए।

मंत्रालय ने कहा कि हस्ताक्षर के बाद, प्रोटोकॉल और इसके परिशिष्टों को औपचारिक रूप से डब्ल्यूटीओ सचिवालय में सौंपा और जमा किया गया।

मंत्रालय ने बताया कि एथियोपिया जब डब्ल्यूटीओ प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से आर्थिक और व्यापार नीति सुधारों को आगे बढ़ाता है, तो भारत और एथियोपिया के बीच व्यापार, निवेश और व्यावसायिक सहयोग के लिए नए अवसर उभरने की संभावना है।

यह समझौता वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के मार्गदर्शन में तेजी से निष्पादित किया गया। डब्ल्यूटीओ प्रवेश प्रक्रिया में घरेलू आर्थिक और व्यापार नीतियों को डब्ल्यूटीओ नियमों के साथ सरेखित करना और मौजूदा सदस्यों के साथ बाजार पहुंच प्रतिबद्धताओं पर बातचीत करना आवश्यक होता है। एथियोपिया वर्तमान में अपने प्रवेश प्रक्रिया के उन्नत चरण में है, और इसकी कार्यकारी समिति ने 22-23 अप्रैल 2026 को सातवीं बैठक की थी। भारत मानता है कि विकासशील देशों का बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में पूर्ण समेकन एक अधिक समावेशी और संतुलित वैश्विक अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए आवश्यक है। भारत, एथियोपिया का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, और भारतीय कंपनियां वहां की प्रमुख विदेशी निवेशकों में शामिल हैं।

ज्यादातर पंखों में 3 ब्लेड ही क्यों होते है? इसका कारण जानकर हो जाएंगे हैरान, जानिये

तीन ब्लेड वाले सीलिंग फैन हवा, स्पीड और संतुलन का बेहतर मेल देते हैं, कम बिजली और शोर करते हैं, सस्ते बनते हैं और ज्यादातर कमरों के लिए उपयुक्त माने जाते हैं, तो जानते हैं इसका असली कारण अक्सर आपने देखा होगा कि घरों में इस्तेमाल होने वाले अधिकांश पंखों (सीलिंग फैन) में तीन पंखुड़ियां(ब्लेड) होती हैं. बहुत कम जगहों पर 4 या 5 ब्लेड वाले पंखे मिलते हैं. इसके पीछे कोई संयोग नहीं, बल्कि विज्ञान और डिजाइन से जुड़ा कारण है. आइए इस बात को आसानी से समझने की कोशिश करते हैं.

1. हवा और संतुलन का सही हिसाब

तीन ब्लेड वाला पंखा हवा और गति के बीच सही संतुलन बनाता है.

अगर ब्लेड कम होंगे (जैसे 2), तो पंखा तेजी से घूमेगा, लेकिन हवा उतनी अच्छी नहीं देगा.

अगर ज्यादा होंगे (जैसे 4 या 5), तो हवा ज्यादा रुक-रुक कर आएगी और गति कम हो जाएगी.

इसलिए 3 ब्लेड सबसे अच्छा बैलेंस देते हैं, अच्छी स्पीड भी और पर्याप्त हवा भी.

2. ऊर्जा की बचत (Energy Efficiency)

तीन ब्लेड वाले पंखे कम वजन के होते हैं, जिससे

मोटर पर कम दबाव पड़ता है.

बिजली की खपत कम होती है.

अगर ब्लेड ज्यादा होंगे, तो मोटर को ज्यादा ताकत लगानी पड़ेगी और बिजली खर्च भी बढ़ेगा.

3. ज्यादा स्पीड से बेहतर एयर फ्लो

3 ब्लेड वाला पंखा आमतौर पर 4 या 5 ब्लेड वाले पंखे से ज्यादा स्पीड में घूमता है.

तेज घूमने से कमरे में हवा जल्दी फैलती है.

गर्मियों में यह ज्यादा ठंडक देता है। यही कारण है कि भारत जैसे गर्म देशों में 3 ब्लेड वाले पंखे ज्यादा पसंद किए जाते हैं.

4. डिजाइन और कीमत

तीन ब्लेड का डिजाइन बनाना आसान और सस्ता होता है.

कम मटेरियल लगता है.

उत्पादन लागत कम होती है.

इसलिए बाजार में इसकी कीमत भी किफायती रहती है.

अगर ब्लेड बढ़ा दिए जाएं, तो कीमत भी बढ़ जाएगी.

5. कम आवाज (Low Noise)

3 ब्लेड वाला पंखा सामान्य गति पर कम आवाज करता है.

ज्यादा ब्लेड होने से हवा का रुकावट बढ़ती है.

जिससे आवाज ज्यादा हो सकती है.

इसलिए घरों और बेडरूम में 3 ब्लेड वाले पंखे बेहतर माने जाते हैं.

6. हर जगह के लिए उपयुक्त

3 ब्लेड पंखा

छोटे कमरे

बड़े हॉल

ऑफिस

हर जगह आसानी से फिट हो जाता है ।

अर्थराइटिस का दर्द कैसा होता है? बॉडी में रहने वाली अक्सर थकान हो सकती है गठिया की आहट

वैसे तो गठिया की बीमारी बुढ़ापे में ज्यादा कॉमन होती है, लेकिन खानपान और जीवनशैली की खराब आदतों के कारण कम उम्र में भी लोग को ये बीमारी हो रही है. यदि आपको भी इसके लक्षणों को नहीं जानते हैं, तो यहां एक्सपर्ट से इसके शुरुआती संकेत और इलाज के बारे में जान सकते हैं.

बहुत से लोग महीनों या सालों तक जोड़ों में दर्द, अकड़न और थकान महसूस करते हैं, लेकिन इसे बढ़ती उम्र, काम का दबाव या सामान्य कमजोरी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं. यदि आप भी ऐसा कर रहे हैं, तो ये लेख आपके लिए एक चेतावनी है. क्योंकि कई बार ये आर्थराइटिस यानी गठिया के शुरुआती संकेत हो सकते हैं.

नई दिल्ली स्थित बी एल के मैक्स हॉस्पिटल में जॉइंट रिप्लेसमेंट प्रोग्राम के सीनियर डायरेक्टर डॉ ईश्वर बोहरा ने बताया कि आर्थराइटिस कोई एक बीमारी नहीं, बल्कि जोड़ों में सूजन और नुकसान से जुड़ी कई समस्याओं का समूह है. ये दो प्रकार के होते हैं- ऑस्टियोआर्थराइटिस, जो जोड़ों के घिसने से होता है, और रूमेटॉइड आर्थराइटिस, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगती है. इसका इलाज लक्षणों की गंभीरता के आधार पर किया जाता है, इसलिए शुरुआती संकेतों को समझना बहुत जरूरी होता है.

गठिया के शुरुआती लक्षण

इस बीमारी का एक शुरुआती संकेत सुबह के समय जोड़ों में अकड़न होना है. अगर उठने के बाद आधे घंटे तक हाथ, घुटने या उंगलियां ठीक से न चलें, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि सूजन वाले आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है. कई लोगों को मुट्ठी बंद करने या सीढ़ियां चढ़ने में परेशानी होने लगती है।

लगातार रहने वाली थकान भी गठिया का संकेत हो सकती है. सामान्य थकान आराम करने से ठीक हो जाती है, लेकिन आर्थराइटिस से जुड़ी थकान लंबे समय तक बनी रहती है. अच्छी नींद के बाद भी व्यक्ति थका हुआ महसूस कर सकता है. ऐसा शरीर में लगातार बनी रहने वाली सूजन के कारण होता है, जो ऊर्जा के स्तर को प्रभावित करती है. कभी-कभी हल्का बुखार, बदन दर्द या जोड़ों में गर्माहट भी महसूस हो सकती है.

कुछ लोगों को जोड़ों के आसपास झनझनाहट या सुन्नपन महसूस होता है. वे इसे विटामिन की कमी या गलत बैठने का असर समझते हैं, लेकिन असल में सूजन नसों पर दबाव डाल सकती है।

रूमेटॉइड आर्थराइटिस में कलाई की सूजन से कार्पल टनल सिंड्रोम जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं.

रात में हल्का लेकिन लगातार दर्द होना और नींद बार-बार टूटना भी गठिया का संकेत हो सकता है. समय के साथ नींद की कमी और दर्द दोनों बढ़ते जाते हैं.

क्या है इलाज ?

डॉक्टर बताते हैं कि अगर बीमारी का इलाज शुरुआती महीनों में शुरू हो जाए, तो जोड़ों को गंभीर नुकसान से बचाया जा सकता है. देर होने पर जोड़ों में टेढ़ापन और स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है. इसलिए जोड़ों में लगातार दर्द, सूजन, अकड़न या बिना वजह थकान को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. डॉक्टर की सलाह लेकर ब्लड टेस्ट और जांच करवाना जरूरी है।

नौतपा में खाएं ये 8 सब्जियां, तासीर में होती हैं ठंडी, शरीर रहेगा ठंडा, लू और डिहाइड्रेशन से होगा बचाव

25 मई से 2 जून तक नौतपा रहेगा. इस दौरान तापमान काफी अधिक बढ़ जाता है. ऐसे में इस प्रचंड गर्मी में शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको कुछ ऐसी सब्जियों का सेवन करना चाहिए, जो तासीर में ठंडी होती हैं. इससे डिहाइड्रेशन, लू लगने का खतरा भी काफी हद तक कम हो सकता है. यहां जानिए कुछ सब्जियों के बारे में और उनके फायदे।

इन दिनों हर तरफ नौतपा की चर्चा हो रही है. देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है. लोगों का हाल बेहाल है. लू के थपेड़ों और झुलसा देने वाली सूरज की किरणों से लोगों का घर से निकलना दूभर हो रहा है. उस पर अब 25 मई से नौतपा का कहर भी शुरू होने वाला है. नौतपा पूरे 9 दिनों तक रहता है. 25 मई से 2 जून तक नौतपा रहने वाला है. इस दौरान सूरज आग उगलने वाला है. इन पूरे नौ दिनों तक भीषण गर्मी पड़ने वाली है, क्योंकि पारा 50 से 55 डिग्री तक पहुंच सकता है. ऐसे में इस दौरान विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी. घर से सुबह 11 बजे से लेकर 4 बजे तक निकलने से बचें. जब तक बहुत जरूरी ना हो घर से बाहर न जाएं. हर तरह के प्रोटेक्शन का ध्यान रखें. साथ ही इन दिनों ऐसी चीजें खाएं, जिसकी तासीर ठंडी हो. खासकर, हरी सब्जियों और फलों, तरल पदार्थ का सेवन खूब करें. आपको यहां कुछ सब्जियों के बारे में बता रहे हैं, जो शरीर को ठंडा रखने के लिए जानी जाती हैं।

नौतपा में खाएं ये सब्जियां, शरीर रहेगा ठंडा

– नौतपा के समय सूरज पृथ्वी के काफी नजदीक आ जाता है, जिससे गर्मी प्रचंड रूप धारण कर लेती है. यह हर साल जेठ के महीने में लगता है. ऐसे में लोगों की सेहत प्रभावित हो सकती है. लू लगने का खतरा बढ़ जाता है. आप डाइट का प्रॉपर ख्याल रखें. घर से खाली पेट बिल्कुल ना निकलें. प्रत्येक दिन उन सब्जियों को शामिल करें, जिनकी तासीर ठंडी होती है.

नौतपा में खाएं ये सब्जियां

लौकी- 25 मई से 2 जून तक रहने वाले नौतपा के दौरान तापमान काफी अधिक बढ़ जाता है. इससे शरीर का तापमान भी बढ़ जाता है. ऐसे में बाहर घूमने से आपको डिहाइड्रेशन, लू लगने का खतरा काफी हद तक बढ़ सकता है. ऐसे में गर्मी के मौसम में लौकी की सब्जी जरूर खाएं. ये शरीर को अंदर से ठंडा रखने में मदद करती है. लौकी में पानी की मात्रा अधिक होती है. इससे शरीर हाइड्रेट रहता है. पेट को ठंडक मिलती है.

खीरा, ककड़ी- पानी से भरपूर खीरा और ककड़ी का सेवन भी हर दिन जरूर करें. इनकी तासीर भी ठंडी होती है. खीरा खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती है. ये शरीर का तापमान बैलेंस बनाए रखता है. लू से बचाने में भी असरदार है।

कद्दू- कद्दू खाने में हल्का और जल्दी पचने वाली सब्जी है. तासीर में ठंडी कद्दू की सब्जी को आप कई तरह से खा सकते हैं. इसके सेवन से शरीर का तापमान नॉर्मल रहता है. पेट को ठंडक मिलती है।

परवल- क्या आपको पता है कि परवल की तासीर भी ठंडी होती है? यह पाचन को बेहतर बनाती है. शरीर को ठंडा रखती है. गर्मियों में इसे खाने से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है.

तुरई- पानी और फाइबर से भरपूर तुरई की सब्जी बेहद पौष्टिक और हेल्दी होती है. शरीर को ठंडक प्रदान करने के लिए आप तुरई खाएं. पाचन तंत्र को हेल्दी रखने में तुरई फायदेमंद है।

टिंडा- गर्मी के मौसम के लिए बेहद फायदेमंद सब्जी मानी जाती है टिंडा. इसे खाने से शरीर हल्का महसूस करता है. ठंडक मिलती है. आसानी से पचने वाली ये सब्जी नौतपा में जरूर खाएं, काफी हद तक लू, गर्मी के असर से बचाव होगा।

करेला- शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है स्वाद में कड़वा करेला. इसके सेवन से गर्मी कम होता है. ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

लू से बचने के लिए अपनाएं ये टिप्स दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। नारियल पानी, छाछ और नींबू पानी का सेवन करें।

सिर्फ फेसवॉश नहीं, गर्मियों में ऑइली स्किन को चाहिए ये पूरा केयर रूटीन, चेहरा रहेगा फ्रेश और ग्लोइंग, जानिए खास टिप्स

गर्मी में ऑइली स्किन की सही देखभाल करने के लिए क्लेंजर, टोनर, सीरम, मॉइश्चराइजर और सनस्क्रीन का सही इस्तेमाल बेहद जरूरी है. साथ ही फेस मास्क और हेल्दी खानपान भी स्किन को फ्रेश, साफ और ग्लोइंग बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

गर्मी का मौसम आते ही ऑइली स्किन वालों की परेशानी दोगुनी हो जाती है. चेहरे पर बार-बार तेल आना, पसीने की वजह से चिपचिपापन महसूस होना, मुहांसे निकलना और स्किन का बेजान दिखना आम बात है. तेज धूप, धूल-मिट्टी और बढ़ती उमस त्वचा को काफी नुकसान पहुंचा सकती है. ऐसे में अगर सही समय पर सही स्किनकेयर रूटीन अपनाया जाए तो इन समस्याओं को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है. कई लोग सोचते हैं कि ऑइली स्किन पर मॉइश्चराइजर या दूसरे प्रोडक्ट्स लगाने से चेहरा और ज्यादा ऑइली हो जाएगा, लेकिन सच यह है कि सही प्रोडक्ट्स आपकी स्किन को बैलेंस रखने में मदद करते हैं।

गर्मियों में हल्के, ऑइल-फ्री और स्किन फ्रेंडली प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी होता है, अगर आप भी चेहरे की चिपचिपाहट और बार-बार निकलने वाले पिंपल्स से परेशान हैं, तो यह आसान स्किनकेयर रूटीन आपके काफी काम आ सकता है. आइए जानते हैं गर्मी में ऑइली स्किन की सही देखभाल कैसे करें.

फेसवॉश से करें दिन की शुरुआत

ऑइली स्किन की देखभाल का पहला और सबसे जरूरी स्टेप है सही फेसवॉश का इस्तेमाल. गर्मी में चेहरे पर धूल, पसीना और अतिरिक्त ऑइल जल्दी जमा हो जाता है. ऐसे में दिन में दो बार अच्छे फेसवॉश से चेहरा साफ करना जरूरी है. ऑइली स्किन के लिए हमेशा ऐसा क्लेंजर चुनें जो स्किन को डीप क्लीन करे लेकिन चेहरे की नेचुरल नमी न छीने. इससे रोमछिद्र साफ रहते हैं और पिंपल्स की परेशानी कम हो सकती है. सुबह उठने के बाद और रात में सोने से पहले चेहरे को जरूर साफ करें.

टोनर से कंट्रोल करें एक्स्ट्रा ऑइल

चेहरा साफ करने के बाद टोनर लगाना बेहद फायदेमंद माना जाता है. टोनर स्किन का श्व॥ बैलेंस बनाए रखने में मदद करता है और चेहरे पर जमा बची हुई गंदगी को हटाता है. ऑइली स्किन वालों के लिए अल्कोहल-फ्री टोनर बेहतर माना जाता है. इससे स्किन फ्रेश महसूस होती है और रोमछिद्र भी टाइट नजर आते हैं. टोनर लगाने से ब्लैकहेड्स और ऐक्ने की परेशानी भी कम हो सकती है. साथ ही इसके बाद लगाए जाने वाले सीरम और मॉइश्चराइजर भी स्किन में अच्छी तरह काम करते हैं.

सीरम देगा स्किन को सही पोषण

गर्मी में ऑइली स्किन को हल्के और असरदार सीरम की जरूरत होती है. नायासिनेमाइड, जिंक और विटामिन बी3 वाले सीरम ऑइल प्रोडक्शन को कंट्रोल करने में मदद करते हैं. ये स्किन को हाइड्रेट रखते हैं और चेहरे को मैट फिनिश देने का काम करते हैं. हल्के सीरम जल्दी स्किन में समा जाते हैं और चेहरे पर भारीपन महसूस नहीं होने देते, अगर आपकी स्किन पर बड़े पोर्स दिखाई देते हैं तो सही सीरम उन्हें कम दिखाने में भी मदद कर सकता है.

मॉइश्चराइजर लगाना बिल्कुल न छोड़ें

कई लोग सोचते हैं कि ऑइली स्किन को मॉइश्चराइजर की जरूरत नहीं होती, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है. जब चेहरे से ऑइल हटता है तो स्किन ड्राई हो सकती है और इसी वजह से स्किन और ज्यादा ऑइल बनाना शुरू कर देती है. इसलिए ऑइल-फ्री और लाइटवेट मॉइश्चराइजर लगाना जरूरी होता है. इससे स्किन हाइड्रेट रहती है ।

क्या कोरोनावायरस से भी ज्यादा घातक है इबोला वायरस? दिखते हैं ये 12 लक्षण, जानें कैसे फैलता है, बचाव के उपाय

डब्ल्यूएचओ ने इबोला के मामले को तेजी से बढ़ता देख इसे ग्लोबल हेल्थ एमरजेंसी घोषित कर दिया है. इबोला एक बेहद ही गंभीर और जानलेवा बीमारी है. इबोला संक्रमित व्यक्ति के खून, अंगों और शरीर से निकलने वाले तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से फैलता है. इसके लक्षण तेजी से बढ़कर बेहद गंभीर हो सकते हैं. जानें क्या है इबोला वायरस, कैसे होते हैं इसके लक्षण और क्या हैं बचाव के उपाय.

डब्ल्यूएचओ (World Health Organization) ने इबोला (Ebola) के बढ़ते मामलों

को देखकर इसे ग्लोबल हेल्थ एमरजेंसी घोषित कर दिया है. कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में फैले संक्रमण को 'पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न' घोषित किए जाने के बाद कर्नाटक सरकार भी सतर्क हो गई है. संभावित खतरे को देखते हुए राज्य में निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को और मजबूत किया जा रहा है. भारत भी इबोला के बढ़ते मामलों को देखते हुए एलर्ट हो गया है. बेंगलुरु और मंगलुरु में विशेष सेंटर बनाया गया है. राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बेंगलुरु स्थित राजीव गांधी चेस्ट डिजीज इंस्टीट्यूट को आइसोलेशन सेंटर के रूप में तैयार किया गया है. ऐसा तब किया गया है, जब यहां इबोला के कुछ संदिग्ध मामले सामने आए हैं. फिलहाल इनके सैंपल को पहले एनआईवी बेंगलुरु में जांचे जाएंगे और पुष्टि के लिए एनआईवी पुणे भेजा जाएगा.

भारत में इबोला का नहीं है कोई मामला

स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया है कि अभी तक भारत में इबोला संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है. हालांकि, अंतरराष्ट्रीय यात्रा और व्यापार को देखते हुए एहतियाती कदम तेज कर दिए गए हैं.

क्या है इबोला ?

विशेषज्ञों के अनुसार, इबोला एक बेहद ही गंभीर और जानलेवा वायरल बीमारी है. यह संक्रमित व्यक्ति या जानवर के संपर्क में आने से फैलती है।

इस ट्रिक से फर्स्ट डेट पर ही मिल जाएगा संकेत, आपका प्यार होगा सफल या रिलेशनशिप में पार्टनर से रहेगी खटपट

आप किसी के साथ फर्स्ट डेट जा रह हैं, उसके साथ आपकी लव लाइफ सफल रहेगी या फिर रिलेशनशिप में पार्टनर से खटपट रहेगी? इसके बारे में आप अंक ज्योतिष की एक आसान ट्रिक से पता कर सकते हैं।

आज के समय में लव रिलेशनशिप हो या फिर मैरिड लाइफ, दोनों में अलगाव और बिखराव की स्थितियां पहले से अधिक देखने को मिल रही हैं. या फिर यह कह सकते हैं कि सोशल मीडिया के दौर में लोग अपने रिश्ते को लेकर अधिक मुखर हैं, अपने रिलेशनशिप स्टेटस को बेबाकी से बयां कर देते हैं. हम इसमें नहीं जाते कि किसमें किसकी गलती है या किस वजह से रिश्ता टूटा. हम बात कर रहे

हैं उस फर्स्ट डेट के बारे में, जिस दिन दो दिल मिले और कुछ ऐसा लगा कि दो से एक होने का फैसला कर लिया, लेकिन कुछ समय बाद वह रिश्ता टूट गया या फिर रिलेशनशिप में पार्टनर से खटपट होने लगी. अंक ज्योतिष का एक ट्रिक है, जिसे अपनाकर आप जान सकते हैं कि सामने वाला व्यक्ति के साथ आपका प्यार सफल होगा या फिर रिलेशनशिप में टकराव या अलगाव का सामना करना होगा.

पहली ही डेट पर कैसे जानें पार्टनर का असली मिजाज?

जब आप किसी के साथ पहली डेट पर जा रहे हैं और उसके सही स्वभाव के बारे में जानना चाहते हैं ?तो उसका सही डेट ऑफ बर्थ यानि जन्म की तारीख पता करें. जन्म तारीख में दिन, महीना और साल यानि 12 तारीख, जनवरी महीना और 1990 साल. जन्म की तारीख में ही सामने वाले के कई राज छिपे होते हैं. आप सामने वाले व्यक्ति के जन्म की तारीख से मूलांक निकालकर यह पता कर सकते हैं कि वह किस स्वभाव का है। उदाहरण के लिए किसी का जन्म 10 जनवरी 1990 है तो अंक ज्योतिष के अनुसार, उसका मूलांक 1 होता है. इसमें तारीख के दोनों अंकों को जोड़कर एक अंक बनाते हैं. अंक ज्योतिष में मूलांक 1 से लेकर 9 तक होते हैं, जो नवग्रहों से संबंधित होते हैं. 10 जनवरी को पैदा हुए व्यक्ति का मूलांक 1 हुआ, जैसे 1+0=1. मूलांक 1 का स्वामी ग्रह सूर्य है. सूर्य ग्रहों के राजा हैं. अब आप जान सकते हैं कि मूलांक 1 वालों का स्वभाव कैसा होता है?

लव लाइफ सफल होगी या फिर रहेगी खटपट

यदि सामने वाले व्यक्ति का मूलांक 1 है तो आप भी अपने जन्म तारीख से अपना मूलांक निकाल लें. अब देखना होगा कि आपके मूलांक का स्वामी ग्रह क्या है? यदि आपके मूलांक का स्वामी ग्रह सामने वाले व्यक्ति के मूलांक के स्वामी ग्रह से मित्रवत है, तो ?इस स्थिति में लव लाइफ सफल होने की संभावना अधिक है।

माधुरी दीक्षित ने 'मां बहन' के ट्रेलर लॉन्च की तस्वीरें शेयर की, 4 जून को होगी रिलीज

मुंबई, 23 मई (आईएएनएस)। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित इन दिनों आगामी फिल्म 'मां बहन' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में वे एक सिंगल मदर की भूमिका निभा रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की।

इन तस्वीरों में माधुरी बेहद खबसूरत नजर आ रही हैं। उन्होंने पीले रंग की प्रिंटेड साड़ी पहनी हुई है। कुछ तस्वीरों में उनके साथ शो के दूसरे कलाकार भी दिखाई दे रहे हैं। माधुरी ने दर्शकों से पूछते हुए लिखा, 'मुस्कान, मस्ती, यादें... और एक यादगार शाम। बहुत ही उत्साहित हूं कि आप सब 'मां बहन' देखें। रेखा जी, आपको यह कैसी लगी?'

क्राइम-कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'मां बहन' में माधुरी दीक्षित नेने भी मुख्य भूमिका में हैं। तृप्ति डिमरी और माधुरी के साथ-साथ, इस फिल्म में धरना दुर्गा और रवि किशन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। उनके अलावा गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी फिल्म का हिस्सा हैं।

इस फिल्म का केंद्र केंद्र रेखा है। एक मां जो पहले से ही जिंदगी की कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। तभी उसकी जिंदगी में बड़ा मोड़ आता है, जब उसकी रसोई में एक लाश मिलती है। इसके बाद माधुरी, अपनी दोनों बेटियों जया (तृप्ति डिमरी) और सुषमा (धरना दुर्गा) के साथ मिलकर ताक-झांक करने वाले पड़ोसियों (जैसे रवि किशन) से उस लाश को छिपाने की कोशिश करती हैं, जिसमें कॉमेडी और अराजकता का भरपूर तड़का देखने को मिलता है। इस मुश्किल भरे माहौल में हास्य देखने को मिलेगा। सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 4 जून को रिलीज होगी।

इससे पहले अभिनेत्री माधुरी दीक्षित थ्रिलर वेबसीरीज 'मिसेज देशपांडे' में नजर आई थीं। इसमें वे एक निगेटिव रोल में नजर आई थी।

सीरीज में अभिनेत्री हैदराबाद की सेंट्रल जेल में बंद है। मौजूदा हत्याओं को कॉपीकैट अपराध मानते हुए पुलिस उसे जांच में शामिल करती है। बाहर से सहयोग करती दिखने वाली मिसेज देशपांडे के इरादे पूरे समय संदेह के घेरे में रहते हैं।

ग्रैंड पेरेंट्स के 'रिटायर' होने की सोच को गलत मानती हैं रुबीना दिलैक, बोलीं- बच्चों की परवरिश में इनका अहम योगदान

मुंबई। अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने अपनी जुड़वां बेटियों जीवा और ईधा की परवरिश को लेकर उठ रही आलोचनाओं का जवाब दिया है। रुबीना ने कहा कि समाज में यह धारणा फैली हुई है कि दादा-दादी को रिटायर होकर अपनी जिंदगी जीनी चाहिए, लेकिन उनके माता-पिता इस सोच से पूरी तरह असहमत हैं और मेरा भी मानना है कि बच्चों कि परवरिश में उनका योगदान महत्वपूर्ण है।

मीडिया से बातचीत में रुबीना ने बताया कि उनकी बेटियां फिलहाल शिमला में उनके माता-पिता के पास रह रही हैं, जबकि वह मुंबई में अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को निभा रही हैं। कई लोग सोशल मीडिया पर यह सवाल उठा रहे थे कि सीनियर सिटीजन माता-पिता को पोतियों की देखभाल की बजाय अपनी जिंदगी पर ध्यान देना चाहिए।

रुबीना ने इस आलोचना का जवाब देते हुए कहा, 'समाज कहता है कि दादा-दादी या नाना -नानी को अब रिटायर होकर अलग से अपनी जिंदगी का आनंद चाहिए, लेकिन मेरे माता-पिता या सास-ससुर इस सोच से सहमत नहीं हैं। वे अपनी मर्जी से हमें सपोर्ट करना चाहते हैं और बच्चों के साथ रहना चाहते हैं। जब वे खुद इसमें खुश हैं, तो बाहरी लोगों की इन बातों से फर्क नहीं पड़ता, उन्हें जो भी कहना है, कहने दो। अभिनेत्री ने अपनी मां के बारे में बताते हुए कहा कि सीनियर सिटीजन होने के बाद भी उनकी मां को नई जिंदगी और नया मकसद मिला है। उन्होंने बताया, 'मेरी मां कहती हैं कि जब वह जीवा और ईधा की आंखों में देखती हैं, तो उन्हें लगता है कि उन्हें दूसरी जिंदगी मिल गई है। वे इस समय को अपनी पोतियों को पालने-पोसने में लगाना चाहती हैं। रुबीना ने पति अभिनव शुक्ला के माता-पिता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि उनके ससुराल वाले जब भी जरूरत पड़ती है, लुधियाना से मुंबई आकर बच्चों की देखभाल में मदद करते हैं। रुबीना ने परिवार के समर्थन पर कहा, 'मुझे अपने परिवार खासकर अभिनव से बहुत सपोर्ट मिलता है। मेरी जो भी उपलब्धियां हैं, वे उनकी वजह से हैं।

कृति सेनन ने सिनेमा की दुनिया में पूरे किए 12 साल, बयां की दिल की बात

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री कृति सेनन ने अभिनय की दुनिया में 12 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर कृति ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर की।

कृति ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके अब तक के करियर के सभी यादगार और मशहूर किरदारों का कोलाज शामिल है। अभिनेत्री ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा, 'वाह! फिल्मों की इस जादुई दुनिया में कदम रखे हुए मुझे 12 साल हो गए हैं। कृति ने साल 2014 में आई फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने भी अपने करियर की शुरुआत की थी। पहली ही फिल्म से कृति ने अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद उन्होंने 'बरेली की बर्फी', 'लुका छुपी', 'दिलवाले', 'मिमी' और 'क्रू' जैसी कई सुपरहिट और बेहतरीन फिल्मों में काम किया। फिल्म 'मिमी' में सरोगेट मां के किरदार ने उनके करियर को नई ऊंचाई दी। इस भूमिका के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। अभिनेत्री ने अपने करियर में हर तरह के किरदार निभाए हैं। अभिनेत्री जल्द ही बहुचर्चित रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी।

'यह निजता का उल्लंघन', एआई से बनाई गई फर्जी तस्वीरों पर भड़कीं रुक्मिणी वसंत

मुंबई। सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल ने जहां लोगों के काम को आसान बनाया है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल को लेकर लगातार सवाल भी उठ रहे हैं। पिछले कुछ समय में कई फिल्मी सितारों की फर्जी तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुए हैं, जिनमें एआई की मदद से उनके चेहरे और तस्वीरों को बदला गया।

अब इसी तरह का मामला अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को लेकर सामने आया है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही अपनी कथित तस्वीरों को पूरी तरह नकली बताया और इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। रुक्मिणी ने कहा कि उनकी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर एआई की मदद से फर्जी तस्वीरें बनाई गई हैं, जो गैरजिम्मेदाराना हरकत है।

रुक्मिणी वसंत ने इंस्टाग्राम पर एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस पूरे मामले पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''मेरी टीम और मैंने इंटरनेट पर कुछ ऐसी तस्वीरें देखी हैं, जिन्हें मेरे नाम से और मेरे चेहरे का साथ शेयर किया जा रहा है। ये तस्वीरें पूरी तरह फर्जी हैं। ऐसी तस्वीरों पर भरोसा न करें, क्योंकि इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है।''

अभिनेत्री ने आगे कहा, ''किसी व्यक्ति की तस्वीरों के साथ इस तरह की छेड़छाड़ करना बेहद गलत है। एआई तकनीक का इस्तेमाल किसी की छवि खराब करने या गलत जानकारी फैलाने के लिए नहीं होना चाहिए। यह निजता का गंभीर उल्लंघन है और इस तरह की हरकतें मानसिक रूप से परेशान करने वाली हैं। सोशल मीडिया पर लोग बिना सच्चाई जाने ऐसी चीजों को तेजी से शेयर कर देते हैं, जिससे स्थिति और खराब हो जाती है।''

रुक्मिणी ने बताया, ''मैं और मेरी टीम इस मामले पर एक्शन ले रहे हैं। जो लोग इन फर्जी तस्वीरों को बनाने और फैलाने में शामिल हैं, उनके खिलाफ कानूनी और साइबर क्राइम से जुड़ी कार्रवाई शुरू की जा रही है। मेरी लोगों से अपील है कि वे ऐसी तस्वीरों को शेयर न करें और न ही उन्हें बढ़ावा दें। गलत और झूठे कंटेंट को फैलाना भी उतना ही गलत है जितना उसे बनाना।''

अगर रुक्मिणी वसंत के करियर की बात करें तो वह साउथ फिल्म इंडस्ट्री का मशहूर चेहरा हैं। फिल्म 'कांतारा' के बाद उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। दर्शकों ने उनके अभिनय को काफी पसंद किया।

वरुण धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर आउट, फिल्म में दिखेगा दिलचस्प प्रेम-त्रिकोण

मुंबई। अभिनेता वरुण धवन स्टारर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर शनिवार को रिलीज कर दिया है, जिसे दर्शकों की तरफ से काफी सराहना मिल रही है। यह मजेदार कॉमेडी ड्रामा फिल्म एक दिलचस्प प्रेम-त्रिकोण पर आधारित है।

ट्रेलर में रोमांस, सस्पेंस और कॉमेडी का तड़का देखने को मिल रहा है। इसमें वरुण और मृणाल पति-पत्नी के किरदार में हैं। दोनों के बीच बेहद गहरा प्यार है। हालांकि दोनों के बीच में कुछ मुद्दे भी हैं। वरुण पिता बनना चाहते हैं, लेकिन मृणाल अभी बच्चे के लिए तैयार नहीं है। इसी बीच वरुण की जिंदगी में पूजा हेगड़े की एंट्री होती है और दोनों रिश्ते में आ जाते हैं।

इसके बाद, कहानी में तब एक रोचक मोड़ देखने के लिए मिलता है, जब मृणाल और पूजा दोनों एक साथ वरुण को अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी देती हैं। इसके बाद शुरू होता है झूठ, कन्फ्यूजन और हंसी का एक ऐसा सफर जो आज से पहले कभी नहीं देखा गया।

वरुण, मृणाल और पूजा की इस लव-ट्रायंगल कॉमेडी में जिमी शेरगिल, मनीष पॉल और राकेश बेदी जैसे मंझे हुए कलाकार भी अपनी कॉमेडी और शानदार डायलॉग्स से तड़का लगाते दिखेंगे। खासकर राकेश बेदी भी अपनी मौजूदगी से स्क्रीन पर जलवा दिखा रहे हैं। इसके अलावा, ट्रेलर के बैकग्राउंड में बज रहा सलमान खान का आइकॉनिक गाना 'चुनरी चुनरी' इस पूरे वीडियो में चार चांद लगा रहा है।

फिल्म की स्टोरी, गाने और कलाकारों के केमिस्ट्री को देखते हुए दर्शक काफी उत्साहित हैं। कॉमेडी और रोमांस का यह अनोखा मिश्रण पर्दे पर धमाल मचाने वाला है। पहले ट्रेलर 21 मई को रिलीज किया जाना था, लेकिन कुछ वजह से ऐसा नहीं किया गया।

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के विषय की बात करें तो यह एक रोमांटिक और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है।

इसका निर्देशन मशहूर निर्देशक डेविड धवन कर रहे हैं। खास बात यह है कि एक बार फिर डेविड धवन और उनके बेटे वरुण धवन की जोड़ी साथ काम करती नजर आएगी। इस फिल्म में जिमी शेरगिल और मनीष पॉल भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

पिता राज बब्बर जैसा लंबा करियर बनाना चाहते थे आर्य बब्बर, लेकिन फिल्मों में नहीं मिला वैसा मुकाम

मुंबई। हिंदी सिनेमा में कई ऐसे स्टार किड्स आए, जिनसे लोगों को बहुत उम्मीदें थीं। दर्शकों को लगता था कि अपने माता-पिता की तरह वे भी बड़े सितारे बनेंगे, लेकिन हर किसी की किस्मत एक जैसी नहीं होती। आर्य बब्बर भी ऐसे ही कलाकारों में शामिल हैं। मशहूर अभिनेता राज बब्बर के बेटे होने की वजह से उनसे भी लोगों को काफी उम्मीदें थीं।

खुद आर्य बब्बर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह अपने पिता की तरह लंबा और मजबूत करियर बनाना चाहते थे, हालांकि बॉलीवुड में उन्हें वह सफलता नहीं मिल सकी, लेकिन आर्य ने हार नहीं मानी और फिल्मों, टीवी, थिएटर, पंजाबी सिनेमा और लेखन जैसी कई जगहों पर खुद को साबित करने की कोशिश की।

आर्य बब्बर का जन्म 24 मई 1981 को मुंबई में हुआ था। उनका

बचपन पूरी तरह फिल्मी माहौल में बीता। उनके पिता राज बब्बर हिंदी सिनेमा के बड़े अभिनेता रहे हैं, जबकि उनकी मां नादिरा बब्बर थिएटर की जानी-मानी कलाकार हैं। घर में अभिनय और कला का माहौल था, इसलिए आर्य का झुकाव भी बचपन से एक्टिंग की तरफ हो गया। उनकी बड़ी बहन जूही बब्बर भी अभिनेत्री हैं। वहीं उनके सौतेले भाई प्रतीक बब्बर भी बॉलीवुड अभिनेता हैं।

आर्य बब्बर ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत साल 2002 में फिल्म 'अब के बरस' से की। इस फिल्म में उनके साथ अमृता राव नजर आई थीं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो पाई। पहली फिल्म फ्लॉप होने के बाद भी उन्हें लगातार काम मिलता रहा। उन्होंने कई फिल्मों में लीड एक्टर और सपोर्टिव एक्टर के तौर पर काम किया, लेकिन उनका करियर उस रफ्तार से आगे नहीं बढ़ पाया जिसकी उम्मीद की जा रही थी।

चीन की कोयला खदान में विस्फोट : लगभग 90 लोगों की मौत, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली। चीन के उत्तरी शानशी प्रांत के एक कोयला खदान में भीषण गैस विस्फोट का मामला सामने आया है। इस घटना में लगभग 90 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग अभी लापता हैं। चीन में हुए इस दर्दनाक हादसे पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताई है।

पीएम मोदी ने घटना पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत की जनता की ओर से मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीन की जनता के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर शोक संतप्त परिवारों को इस दुख की घड़ी में शक्ति प्रदान करें। हम प्रार्थना करते हैं कि सभी लापता व्यक्तियों की शीघ्र और सुरक्षित वापसी हो।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को उत्तरी चीन के शानशी प्रांत में कोयले की खदान में हुए गैस धमाके के बाद जरूरी निर्देश दिए हैं, जिसमें लापता लोगों को बचाने और घायलों का इलाज करने की अपील की गई है। राष्ट्रपति शी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना सेंट्रल कमेटी के महासचिव और सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के चेयरमैन भी हैं। ऐसे में उन्होने हादसे के बाद के हालात को ठीक से संभालने की अपील की और इसके कारणों की पूरी जांच करने और कानून के हिसाब से जवाबदेही तय करने की अपील की।

राष्ट्रपति शी ने जोर देकर कहा कि देशभर के अधिकारियों को इस हादसे से सीखना चाहिए। काम की जगह पर सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना चाहिए और बड़े हादसों को रोकने के लिए संभावित खतरों को पहचानने और खत्म करने की कोशिशें तेज करनी चाहिए।

चूंकि चीन में बाढ़ का मौसम आ गया है, इसलिए उन्होंने लोगों की जान और माल की सुरक्षा के लिए इमरजेंसी की तैयारी को मजबूत करने और बाढ़ कंट्रोल और आपदा राहत के ठोस उपायों की भी अपील की।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा स्थानीय समयानुसार शुक्रवार रात 9:43 बजे चांगजी के किनयुआन काउंटी में लिउशेन्यू कोयला खदान में हुआ, जहां उस समय कुल 247 मजदूर जमीन के नीचे थे।

अमेरिकी कार्रवाई के बाद समझौता चाहता है ईरान : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि हाल में हुई अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान बातचीत करना चाहता है। ट्रंप ने कहा कि ईरान की सैन्य ताकत को भारी नुकसान पहुंचा है और अमेरिका किसी भी हालत में उसे परमाणु हथियार बनाने नहीं देगा।

न्यूयॉर्क के रॉकलैंड काउंटी में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि वॉशिंगटन, तेहरान को परमाणु हथियार विकसित करने की इजाजत नहीं देगा। ट्रंप ने अपने समर्थकों से कहा, 'अब ईरान की नौसेना खत्म हो चुकी है, वायुसेना खत्म हो चुकी है, सब कुछ बर्बाद हो गया है। उनके बड़े नेता भी नहीं रहे। लेकिन अगर आप फर्जी खबरें पढ़ेंगे तो लगेगा कि सब ठीक चल रहा है। ऐसा बिल्कुल नहीं है। वे समझौता करने के लिए बहुत बेताब हैं।

बाद में ट्रंप ने ऊर्जा की कीमतों और अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर बात करते हुए भी ईरान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, 'हमें मध्य पूर्व की ओर जाना पड़ेगा, क्योंकि अगर हमने उन्हें नहीं रोका तो ईरान परमाणु हथियार बना लेगा। लेकिन हमने उन्हें रोक दिया है।'

उन्होंने दोहराते हुए कहा, 'ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाएगा। ऐसा कभी नहीं होने दिया जाएगा।'

ट्रंप ने ईरान के साथ तनाव को अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक रणनीति से जोड़ते हुए कहा कि मध्य पूर्व में स्थिरता आने से दुनियाभर में तेल की कीमतें कम हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैं ईरान का मामला पूरी तरह निपटा दूंगा, तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आएगी।' रैली के दौरान ट्रंप ने अमेरिकी सेना की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'इस समय दुनिया में अमेरिका की सेना सबसे ताकतवर है।

संक्षिप्त खबर

एनपीटी की 11वीं समीक्षा बैठक बेनतीजा, यूएन प्रमुख निराश

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) की 11वीं समीक्षा बैठक बेनतीजा रहने पर निराशा व्यक्त की है। अफसोस जताया है कि 'सम्मेलन अपने मकसद को पूरा नहीं कर सका।' शुक्रवार को 11वीं समीक्षा बैठक बिना किसी सहमति के समाप्त हो गई। इसके बाद उनके प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने गुटेरेस के हवाले से एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि गुटेरेस ने सदस्य देशों की भागीदारी का स्वागत किया, लेकिन यह अफसोस जताया कि सम्मेलन अपने मकसद को पूरा नहीं कर सका, खासकर ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर चुनौतियां सामने खड़ी हैं। उन्होंने सभी देशों से अपील की कि वे तनाव कम करने और परमाणु जोखिम घटाने के लिए 'डायलॉग और डिप्लोमेसी' के हर संभव रास्ते का उपयोग करें। गुटेरेस ने कहा कि परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च निरस्त्रीकरण प्राथमिकता है। इससे पहले ईरान ने अमेरिका पर संयुक्त राष्ट्र में परमाणु बातचीत को बिगाड़ने का आरोप लगाया। तेहरान का कहना है कि उसकी ज्यादा सख्त मांगों की वजह से परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) को लेकर चल रही वार्ता बिगड़ गई।

छात्र वीजा पर लगी पाबंदियों से अमेरिका के इनोवेशन को पहुंच सकता है नुकसान : अमेरिकी सांसद

वॉशिंगटन। अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने ट्रंप प्रशासन से अंतरराष्ट्रीय छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए मौजूदा वीजा ढांचे को बनाए रखने का आग्रह किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि प्रस्तावित प्रतिबंध अमेरिका की तकनीकी बढ़त, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और अनुसंधान नेतृत्व को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी मार्कवेन मुलिन और ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट के डायरेक्टर रस वॉट को भेजे गए एक पत्र में, कांग्रेस के चार सदस्यों ने एफ-1 और जे-1 वीजा धारकों के लिए मौजूदा 'ड्यूरेशन और स्टेटस' (स्थिति की अवधि) सिस्टम को एक तय चार साल की एडमिशन अवधि से बदलने के खिलाफ चेतावनी दी।

इस पत्र पर प्रतिनिधियों सैम लिकार्डो, जे ओबरनोल्टे, मारिया सालाजार और राजा कृष्णमूर्ति ने हस्ताक्षर किए थे। सांसदों ने कहा कि मौजूदा सिस्टम 'संयुक्त राज्य अमेरिका में लंबी अवधि की पढ़ाई, रिसर्च और वर्कफोर्स डेवलपमेंट' के लिए लचीलापन देता है, खासकर विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित के प्रोग्राम में, जहां डॉक्टरेट की पढ़ाई अक्सर छह साल से ज्यादा चलती है।

हमारी मांगें मानने के अलावा अमेरिका के पास कोई रास्ता नहीं बचा : ईरान

तेहरान। ईरान-अमेरिका के बीच स्थायी संघर्ष विराम को लेकर चर्चा जारी है। दोनों ओर से एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी भी खूब हो रही है। शनिवार को ईरान के रक्षा मंत्रालय ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर बड़ा बयान दिया गया है। मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि यूएस-इजरायल के पास हमारी मांगों को मानने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, मंत्रालय के प्रवक्ता रजा तलाए-निक ने कहा कि ट्रंप के पास ईरानी की मांगें मानने और ईरान के अधिकारों को स्वीकार करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने कहा, 'चाहे जंग हो या बातचीत, दोनों हालात में अमेरिका और इजरायल के लिए यही एक रास्ता शेष है। अगर वे ईरान की मांगों को नहीं मानते, तो दोनों को नुकसान उठाना पड़ेगा।'

प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रीय हितों को नजरअंदाज कर रहे हैं और पूरी तरह इजरायल के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप का अहंकारी रवैया अमेरिका को युद्ध के दलदल में और गहराई तक ले जाएगा। इस बीच, ईरान-अमेरिका के बीच स्थायी संघर्ष विराम को लेकर चर्चा जारी है। शनिवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कई देशों के अपने समकक्षों संग टेलीफोन वार्ता की। बातचीत का मकसद क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर गंभीर मंत्रणा करना था। आईआरएनए समाचार एजेंसी ने बताया कि अराघची ने अपने तुर्की, कतर, जापान, ओमान और इराक के समकक्षों के साथ हालिया क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की।

हाकान फिदान, शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी, तोशिमित्सु मोतेगी और फुआद मोहम्मद हुसैन के साथ अलग-अलग फोन वार्ताओं में अराघची ने द्विपक्षीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। अराघची ने ओमान के विदेश मंत्री

अमेरिकी राष्ट्रपति की बेटी इवांका ट्रंप की हत्या की साजिश का खुलासा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप को एक ऐसे आतंकवादी द्वारा निशाना बनाए जाने का मामला सामने आया है, जिसे ईरान की एक शक्तिशाली सैन्य संस्था इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा प्रशिक्षित किया गया था। यह आतंकवादी 2020 में बगदाद में अमेरिकी हमले में मारे गए ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेना चाहता था। अमेरिका ने जनवरी 2020 में जनरल कासिम सुलेमानी को बगदाद में मार गिराया था।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, 32 वर्षीय इराकी नागरिक मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल-सादी ने इवांका ट्रंप को मारने की कसम ली थी और उसने उनके फ्लोरिडा स्थित घर का फ्लोर प्लान भी हासिल कर लिया था। अल-सादी ने कहा था, 'इवांका की हत्या का मतलब होगा ट्रंप के घर को जलाना, क्योंकि उन्होंने हमारे घर को जलाया है।'

एडनक्रोनोस न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार आरोपी ने सोशल मीडिया पर उस आवासीय क्षेत्र का नक्शा भी पोस्ट किया, जहां इवांका अपने पति जेरेड कुशनर के साथ रहती हैं। इसके साथ ही उसने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों और ट्रंप परिवार के खिलाफ अरबी भाषा में धमकियां भी दीं। अल-सादी को शिया मिलिशिया कताइब हिजबुल्लाह और आईआरजीसी का करीबी माना जाता है। उसे 15 मई को तुर्किए में गिरफ्तार कर अमेरिका को सौंप दिया गया था।

नाइजीरिया में आने वाले दिनों में लाखों लोगों के भूखे रहने का खतरा : यूएन

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता अधिकारियों ने कहा है कि संघर्ष, हिंसा और असुरक्षा के बीच नाइजीरिया में लाखों लोग अब तक के सबसे गंभीर खाद्य संकट वाले मौसमों में से एक का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं।

यूनाइटेड नेशंस ऑफिस फॉर द कोआर्डिनेशन ऑफ ह्यूमेनट्रियन अफेयर्स (ओसीएचए) ने कहा कि आर्थिक दबाव और अभूतपूर्व वित्तीय कमी नाइजीरियाई परिवारों को गंभीर संकट की स्थिति में धकेल रहे हैं।

नाइजीरिया में संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता टीम ने बताया कि देशभर में लगभग हर सात में से एक व्यक्ति, यानी करीब 3.5 करोड़ लोग, जून से अगस्त तक चलने वाले इस वर्ष के कठिन खाद्य संकट मौसम के दौरान गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर सकते हैं। ओसीएचए ने कहा, 'इससे नाइजीरिया दुनिया के सबसे बड़े भूख संकटों में से एक बन गया है, जिसका सबसे अधिक असर उत्तरी नाइजीरिया पर पड़ रहा है। यदि सहायता में और देरी हुई, तो लाखों परिवारों को भोजन कम करना पड़ेगा, अपनी संपत्तियां बेचनी पड़ेंगी और बच्चों को स्कूल से निकालना पड़ेगा।' ओसीएचए ने यह भी कहा कि तीव्र कुपोषण के मामलों में भी भारी वृद्धि होने की आशंका है, जिससे लाखों बच्चों की जान खतरे में पड़ सकती है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया में इस वर्ष लगभग 64 लाख बच्चों के गंभीर कुपोषण का शिकार होने की संभावना है।

इबोला हुआ और खतरनाक, डब्ल्यूएचओ ने जोखिम स्तर 'उच्चतम' श्रेणी में रखा

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में इबोला वायरस को बेहद खतरनाक बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आकलन स्तर को 'हाई' से 'वेरी हाई' (उच्चतम) श्रेणी में कर दिया है। हालांकि, संगठन का कहना है कि वैश्विक स्तर इसका खतरा कम है।

डब्ल्यूएचओ ने इस प्रकोप और पड़ोसी देश युगांडा में मामलों की पुष्टि के बाद अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है।

संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने शुक्रवार को बताया कि अब तक डीआरसी में 82 मामलों और 7 मौतों की पुष्टि हो चुकी है। इसके अलावा लगभग 750 संदिग्ध मामले और 177 संदिग्ध मौत भी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि युगांडा की स्थिति स्थिर है और वहां व्यापक कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग जैसी कार्रवाई प्रभावी साबित हो रही है। मरीजों में इबोला का बंडिबुग्यो स्ट्रेन पाया गया है, जिसके लिए अभी तक कोई प्रभावी टीका उपलब्ध नहीं है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मनुष्यों पर क्लिनिकल ट्रायल शुरू करने से पहले और समय की आवश्यकता है।

संगठन ने पहले इबोला को 'अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया था, साथ ही यह भी स्पष्ट किया था कि ये महामारी के स्तर पर नहीं है।

इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप के कारण कई देशों की सरकारें अलर्ट मोड पर आ चुकी हैं। एयरपोर्ट्स पर यात्रियों की स्क्रीनिंग और निगरानी बढ़ा दी गई है। वहीं, भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने इबोला के प्रकोप को देखते हुए चौथे इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट (आईएएफएस ढ्ढङ्क) को फिलहाल के लिए स्थगित कर दिया है।

कैलिफोर्निया में रासायनिक रिसाव के बाद 40,000 लोगों को इलाका खाली करने का आदेश

कैलिफ़ोर्निया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार दक्षिणी कैलिफोर्निया में लगभग 40,000 निवासियों को निकासी के आदेश के तहत रखा गया क्योंकि एक एयरोस्पेस निर्माण संयंत्र में अत्यधिक वाष्पशील औद्योगिक रसायन से भरे टैंक में रिसाव होने से बड़े विस्फोट या जहरीले रिसाव की आशंका पैदा हो गई।

शुक्रवार (स्थानीय समय) को अधिकारियों ने बताया कि यह रिसाव गुरुवार दोपहर ऑरेंज काउंटी के गार्डन ग्रोव शहर स्थित एक संयंत्र में शुरू हुआ, जहां मिथाइल मेथाक्रिलेट से भरे एक अत्यधिक गर्म भंडारण टैंक से खतरनाक गैसें निकलने लगीं। मिथाइल मेथाक्रिलेट एक ज्वलनशील रसायन है, जिसका उपयोग ऐक्रेलिक प्लास्टिक बनाने में किया जाता है।

अधिकारियों ने बताया कि जीकेएन एयरोस्पेस द्वारा संचालित इस संयंत्र में कुल तीन भंडारण टैंक हैं, जिनमें से एक का कूलिंग सिस्टम फेल हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इसी वजह से स्थिति गंभीर हो गई। दिन में बाद में ऑरेंज काउंटी फायर अथारिटी ने एक्स पर एयरोस्पेस में

मौजूद 34,000 गैलन मिथाइल मेथाक्रिलेट वाले अस्थिर टैंक के बारे में एक महत्वपूर्ण वीडियो अपडेट साझा किया। अधिकारियों ने दो संभावित खतरों का उल्लेख किया: पहला, 6,000 से 7,000 गैलन ज्वलनशील और विषैले रसायन का आसपास के क्षेत्र में फैल जाना; दूसरा, अत्यधिक गर्मी के कारण विस्फोट होना, जिससे पास के अन्य टैंक भी प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, ब्रीफिंग के समय किसी सक्रिय जहरीले धुएं की पुष्टि नहीं हुई थी।

मार्को रुबियो ने किया मिशनरीज ऑफ चैरिटी का दौरा

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने अपनी यात्रा की शुरुआत कोलकाता से की, जहां उन्होंने 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' का भी दौरा किया। इस पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि ऐसे पल हमें याद दिलाते हैं कि अमेरिका-भारत की साझेदारी न केवल मजबूत नीतियों पर टिकी है, बल्कि साझा मूल्यों और निस्वार्थ सेवा की भावना पर भी आधारित है।

.अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ कोलकाता स्थित मिशनरीज ऑफ चैरिटी के दौरे के दौरान भारत-अमेरिका साझेदारी की गहरी नींव पर प्रकाश डाला।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'कोलकाता में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' के दौरे के लिए विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ शामिल हुआ। ऐसे पल हमें याद

दिलाते हैं कि अमेरिका-भारत की साझेदारी न केवल मजबूत नीतियों पर टिकी है, बल्कि साझा मूल्यों और निस्वार्थ सेवा की उस भावना पर भी आधारित है जो सीमाओं से परे है।' रूबियो का कोलकाता दौरा भारत के उनके चार-दिवसीय आधिकारिक दौरे की शुरुआत है। पिछले साल पदभार संभालने के बाद रूबियो की यह पहली भारत यात्रा है। वे शनिवार सुबह शहर में उतरे और पहुंचने पर वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। अमेरिकी विदेश मंत्री इस दौरे के दौरान आगरा और जयपुर सहित भारत के कई शहरों की यात्रा करेंगे। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के अनुसार, रूबियो का आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने का कार्यक्रम तय है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब वाशिंगटन और नई दिल्ली बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर सहयोग को और गहरा करने की कोशिश कर रहे हैं। सर्जियो गोर ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'मेरे मित्र मार्को रुबियो का भारत में स्वागत करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारे सामने एक महत्वाकांक्षी एजेंडा है, जिसमें क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक शामिल है, जिसका उद्देश्य अमेरिका-भारत साझेदारी को और भी मजबूत बनाने के पोटस (अमेरिकी राष्ट्रपति) के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना है।

भोपाल में 101 अभ्यर्थियों को मिले नियुक्ति पत्र

भोपाल। प्रधानमंत्री रोजगार मेला के तहत देश में 51 हजार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, वहीं मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित समारोह में 101 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल द्वारा रेलवे ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री रोजगार मेला का भव्य आयोजन किया गया।

केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में चयनित नवनियुक्त अभ्यर्थियों को इस अवसर पर नियुक्ति-पत्र वितरित किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 19वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नव नियुक्त युवाओं को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए।

उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए इस अवसर को देश भर के हजारों युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिन बताया। सरकारी सेवा में नए प्रवेशकों का स्वागत करते हुए उन्होंने रेलवे, बैंकिंग, रक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर बल दिया। भोपाल में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने 101 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। इनमें से 77 अभ्यर्थी रेलवे विभाग से तथा 34 अभ्यर्थी अन्य केंद्रीय विभागों (जैसे बैंकिंग, एअरपोर्ट, ईपीएफओ तथा डाक विभाग आदि) से संबंधित थे।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी की रोजगार सृजन हेतु प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह मेला युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनाने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। उन्होंने नियुक्त अभ्यर्थियों से ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में नवनियुक्त अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि प्रारंभिक 27 नियुक्ति-पत्र मुख्य अतिथि द्वारा प्रदान किए गए, जबकि शेष अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र विभागीय अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा वितरित किए गए।

रायसेन में पानी भरने गई तीन बच्चियों की कुएं में डूबने से मौत

रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में दर्दनाक हादसा हो गया। गैरतगंज तहसील अंतर्गत पुलिस चौकी गढ़ी के ग्राम सगौर में शनिवार सुबह 2 सगी बहनों समेत तीन मासूम बच्चियों की कुएं में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे ग्राम सगौर निवासी हल्केराम आदिवासी की दो बेटियां कुमारी राधा (12), कुमारी तनु और रामगोपाल की 12 वर्षीय बेटी अमृता गांव से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित कुएं पर पानी भरने गई थीं। बताया जा रहा है कि पानी भरने के दौरान बच्चियां कुएं में नहाने लगीं। इसी दौरान एक बच्ची का संतुलन बिगड़ गया और उसे बचाने के प्रयास में अन्य दोनों बच्चियां भी कुएं में उतर गईं। देखते ही देखते तीनों गहरे पानी में डूब गईं। घटना के समय साथ में मौजूद एक अन्य बच्ची अमीना घबराकर गांव पहुंची और ग्रामीणों को हादसे की जानकारी दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी प्रयासों के बाद तीनों बच्चियों को कुएं से बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल गैरतगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में डैम में नहाते समय युवक की डूबकर मौत हो गई। सूचना प्राप्त होते ही प्रभारी निरीक्षक थाना बीबीडी पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और डूबे हुए व्यक्ति को बाहर निकाला गया, जिसकी पहचान सूरज कुमार (28) पुत्र रामस्वरूप निवासी सरायशेख थाना बीबीडी के रूप में हुई।

संक्षिप्त खबर

शराब की दुकान में तोड़फोड़, सबूतों को भी नष्ट करने की कोशिश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से शनिवार को एक अंग्रेजी शराब की दुकान में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने दुकान संचालक की तहरीर पर शिकायत दर्ज कर संदिग्धों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि जो कोई भी इसमें संलिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, इस पूरे विवाद की शुरुआत शनिवार रात को हुई थी, जब कैशियर और दुकान के बीच स्थित कैंटीन संचालक संजय यादव के बीच तीखी बहस हो गई थी। इसके बाद बहस का यह दायरा इतना बढ़ गया कि कैंटीन संचालक संजय यादव ने बुरा अंजाम भुगतने धमकी दी, लेकिन धमकी के दौरान उसने किसी व्यक्ति विशेष का जिक्र नहीं किया था। बहस के बाद सभी अपने-अपने घर चले गए। सभी को लगा कि अब मामला ठंडे बस्ते में जा चुका है, तो अब इसे ज्यादा तूल देना सिर्फ समय की बर्बादी है और कुछ नहीं, लेकिन जैसे ही सुबह दुकान संचालक मनीष जायसवाल ने दुकान खोली तो अंदर का मंजर हैरान कर देने वाला था। दुकान के बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की थी। दुकान को काफी नुकसान पहुंचाया गया था। अंदर की तस्वीर को देखकर यह साफ हो रहा था कि सब कुछ साजिशन किया गया है। इतना ही नहीं, क्षति पहुंचाने वाले लोगों ने दुकान के अंदर लगे सीसीटीवी फुटेज को भी नुकसान पहुंचाई और सीडीआर अपने साथ ले लगे। इससे यह साफ जाहिर होता है कि आरोपी खुद की पहचान को गुप्त रखना चाहते थे, वो नहीं चाहते थे कि पुलिस को उनके बारे में भनक लगे और इसी के तहत उन्हें सबसे पहले सीसीटीवी फुटेज को नष्ट किया।

धुबरी पुलिस ने गोतस्करी में संलिप्त चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

धुबरी (असम)। असम के धुबरी में पुलिस ने गो तस्करी में संलिप्त चार आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। आरोपियों की पहचान मोक्तार अली, काबुल अली, तयब अली और अब्रुज अली के रूप में हुई है। पुलिस ने अपने में बयान में कहा कि गो तस्करी में संलिप्त किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। सभी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, गो तस्करी का यह मामला ऐसे वक्त में प्रकाश में आया है, जब मुस्लिम समुदाय के लोगों की ओर से यह अपील की गई थी कि किसी भी सूरत में गो बलि को स्वीकार नहीं किया जाएगा। मुस्लिम समुदाय ने खुद सामने आकर इस पर पाबंदी लगाने की मांग की थी और इस बात पर जोर देते हुए कहा था कि इस तरह की स्थिति को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। लेकिन, अब जिस तरह से गो तस्करी का मामला प्रकाश में आया है और इसमें शामिल लोगों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा गया है, उससे एक बात साफ हो चुकी है कि पुलिस इस मामले में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शने वाली नहीं है।

केरल के ड्रग माफिया पर नकेल कसने के लिए चेन्निथला ने 'ऑपरेशन तूफान' शुरू किया

तिरुवनंतपुरम। केरल में बढ़ते ड्रग संकट के खिलाफ आक्रामक अभियान शुरू करते हुए गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने शनिवार को 'ऑपरेशन तूफान - द नार्को हंट' की घोषणा की। यह राज्यव्यापी अभियान स्कूल और कॉलेज के छात्रों को निशाना बनाने वाले नशीले पदार्थों के नेटवर्क को खत्म करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

यह घोषणा चेन्निथला द्वारा इस सप्ताह की शुरुआत में गृह मंत्री का पदभार संभालने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ अपनी पहली उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद की गई। चेन्निथला ने स्पष्ट किया कि नई सरकार राज्य भर में सक्रिय नशीले पदार्थों और आपराधिक गिरोहों के प्रति जीरो टोलरेंस का दृष्टिकोण अपनाएगी। ड्रग माफिया को केरल के सबसे गंभीर उभरते खतरों में से एक बताते हुए गृह मंत्री ने कहा कि यह अभियान नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए एक सतत और समन्वित मिशन होगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि मादक पदार्थों के गिरोह अब जानबूझकर युवा छात्रों और शैक्षणिक परिसरों को निशाना बना रहे हैं, जिससे नशीली दवाओं के खिलाफ लड़ाई केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं बल्कि एक सामाजिक आवश्यकता बन गई है। इस अभियान के तहत, शिक्षण संस्थानों के पास तंबाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की जाएगी।

चेन्निथला ने जनता से अपील की कि वे अपने इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों और आवाजाही की सूचना देकर पुलिस के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करें। राज्य पुलिस प्रमुख को पड़ोसी राज्यों और देश के अन्य हिस्सों में अपने समकक्षों के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया है ताकि केरल के भूमिगत मादक पदार्थों के बाजार को बढ़ावा देने वाले अंतर-राज्यीय ड्रग कनेक्शन और आपूर्ति श्रृंखलाओं का पता लगाया जा सके। एक अन्य महत्वपूर्ण सुधार पहल के तहत, चेन्निथला ने केरल भर के 484 पुलिस स्टेशनों के व्यापक कायाकल्प की घोषणा की। अधिक मानवीय और जनहितैषी पुलिस व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि न्याय और सहायता मांगने वाले आम नागरिकों को पुलिस स्टेशनों से डराया-धमकाया नहीं जाना चाहिए। मंत्री ने राज्य भर के पुलिस थानों के परिसरों में बड़ी संख्या में लावारिस और पुरानी गाड़ियों के ढेर लगने का भी संज्ञान लिया और अधिकारियों को उन्हें हटाने के लिए तत्काल कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया।

मुंबई में चाइनीज हथियार बेचने आए तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत तीन शातिर बदमाशों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। ये तीनों बाहरी राज्यों से मुंबई में विदेशी हथियार बेचने आए थे। आरोपियों के खिलाफ पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को खुफिया से पुख्ता जानकारी मिली थी कि कुछ लोग हथियारों के साथ मुंबई आ रहे हैं। इसके बाद एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने 22 मई की रात करीब 10:45 बजे सेंट जॉर्ज हॉस्पिटल के पास पीडी मेलो रोड पर बने एक पब्लिक टॉयलेट के नजदीक जाल बिछाकर तीनों आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने 3 हथियार, मैगजीन और 45 कारतूस (गोलियां) बरामद किए, जिन पर 'मेड इन चाइना' लिखा हुआ है। हालांकि ये चाइनीज दिखने वाले हथियार कहां से लाए गए हैं, यह पुलिस की गहन जांच का हिस्सा है। आरोपियों ने अभी तक हथियारों के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों का पुराना और गंभीर क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है। 24 वर्षीय जशनप्रीत सिंह और 24 वर्षीय सुखविंदर सिंह पंजाब के पटियाला के रहने वाले हैं जबकि तीसरा आरोपी अरबाज राजस्थान के झालावाड़ का रहने वाला है। अरबाज पर पहले से ही 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

नोएडा में पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित दो इनामी बदमाशों को किया गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के फेस-1 थाने की पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 25-25 हजार रुपए के इनामी दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को सेक्टर-14ए स्थित शनि मंदिर के पास से मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनस पुत्र अयाज और अमन पुत्र अजय कुमार के रूप में हुई है। दोनों आरोपी लंबे समय से गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में फरार चल रहे थे और उनकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधिकारियों द्वारा इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अनस मूलरूप से बिहार के अररिया जिले के ग्राम चिरोहट का रहने वाला है और वर्तमान में दिल्ली के न्यू अशोक नगर में रह रहा था। उसकी उम्र 22 वर्ष बताई गई है।

वहीं, दूसरा आरोपी अमन, नोएडा के सदरपुर कॉलोनी, सेक्टर-45 का निवासी है और उसकी उम्र 24 वर्ष है। फेस-1 की पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं। गैंग लीडर अनस अपने साथी अमन के साथ मिलकर वाहन चोरी, लूटपाट, जानलेवा हमला और अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस ने बताया कि दोनों के खिलाफ थाना फेस-1 में गैंगस्टर एक्ट की धारा 2/3 के तहत मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा दोनों आरोपियों का लंबा आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। आरोपी अनस के खिलाफ नोएडा के थाना फेस-1 और थाना सेक्टर-20 में हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, मारपीट, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में कुल 10 मुकदमे दर्ज हैं।

ट्विशा शर्मा केस : समर्थ सिंह को सात दिन की रिमांड पर भेजा गया

भोपाल। द्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस हाई-प्रोफाइल केस में शनिवार को आरोपी समर्थ सिंह को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

कोर्ट में सुनवाई शुरू होते ही पुलिस ने आरोपी की 7 दिन की रिमांड की मांग की। पुलिस ने कहा कि मामले में स्पॉट वेरिफिकेशन कराना है, अन्य साक्ष्यों की जब्ती करनी है और विस्तृत बयान दर्ज करने हैं, इसलिए पुलिस कस्टडी जरूरी है। कोर्ट ने पुलिस की दलील मानते हुए 7 दिन की पुलिस रिमांड को मंजूरी दे दी।

इस मामले को लेकर भोपाल के पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि हमने आरोपियों को तीन नोटिस भेजे लेकिन उन्होंने सहयोग नहीं किया। हमारी कोशिश जल्द से जल्द पूछताछ करने की है। लोगों की ओर से पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाने को लेकर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पुलिस ने बिना किसी दबाव के और निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई की है। हमारी कोशिश जल्द से जल्द जांच पूरी करने की है ताकि कोर्ट में चार्जशीट पेश की जा सके। आरोपी समर्थ सिंह की गिरफ्तारी को लेकर अतिरिक्त डीसीपी अनिल शर्मा ने आईएएनएस से बताया कि भोपाल पुलिस टीम जबलपुर में मौजूद थी और हमने जबलपुर पुलिस की भी मदद ली थी, जिसके बाद समर्थ सिंह को गिरफ्तार किया गया। बाद में उसे भोपाल लाया गया।

डीसीपी की ओर से कहा गया कि कानून के अनुसार, निष्पक्ष तरीके से पुलिस ने कर्तव्य का निर्वहन किया है। ये दहेज मृत्यु का मामला था, इसकी जांच करके मामले को दर्ज किया गया। सभी साक्ष्यों को इकट्ठा किया गया। पुलिस और शासन के निर्देश का क्रमवार पालन किया गया है। पुलिस ने अपने कर्तव्य में कोई ढिलाई नहीं की है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कार्यकर्ताओं संग बैठकर किया भोजन, खुद लगाई थाली

गुना/भोपाल। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री और गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-गुना 2026 को संबोधित करने के पश्चात कार्यकर्ताओं के साथ अत्यंत आत्मीय वातावरण में बैठकर भोजन किया।

कार्यक्रम के बाद सिंधिया सीधे कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे, जहां उन्होंने स्वयं अपनी थाली लगाई और कई कार्यकर्ताओं को अपने हाथों से भोजन भी परोसा।

इस दौरान का दृश्य पूरी तरह पारिवारिक और आत्मीय भाव से भरा दिखाई दिया। केंद्रीय मंत्री लंबे समय तक कार्यकर्ताओं के बीच बैठे, उनसे सहज संवाद किया और आत्मीय जुड़ाव की सराहना की। उपस्थित लोगों ने कहा कि यही भाजपा संगठन की वास्तविक शक्ति है, जहां नेतृत्व और कार्यकर्ता के बीच औपचारिक दूरी नहीं बल्कि परिवार जैसा संबंध होता है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल होने के साथ साथ राष्ट्रसेवा के संकल्प से जुड़ा एक परिवार है, जिसकी वास्तविक ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भाजपा का एक-एक योद्धा, राष्ट्र प्रगति के संकल्प के लिए न रुकेगा, न झुकेगा, न झुकेगा!

कोयंबटूर में बच्ची की हत्या पर सीएम विजय ने दुख जताया, बोले- होगी कड़ी कार्रवाई

चेन्नई। कोयंबटूर में 10 वर्षीय बच्ची की अपहरण के बाद हत्या का मामला तमिलनाडु में चर्चा का विषय बना हुआ है। पूरे प्रदेश में बच्ची की मौत के बाद लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। इस मामले में सियासत भी तेज हो गई है। कोयंबटूर की घटना पर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बयान जारी कर शोक जताया है।

मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'कल कोयंबटूर में एक 10 वर्षीय बच्ची के साथ हुई क्रूर घटना ने गहरा दुख और सदमा पहुंचाया है। ऐसे अमानवीय और अक्षम्य आपराधिक कृत्यों को हमारे समाज में कभी स्वीकार नहीं किया जा सकता। मैं बच्ची के परिवार और परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, जो अपनी प्रिय संतान के खोने के गम में डूबे हुए हैं।' मुख्यमंत्री ने लिखा, 'इस मामले से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मैंने पुलिस को गहन और त्वरित जांच करने और मामले में तत्काल आरोपपत्र दाखिल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। तमिलनाडु सरकार महिलाओं और बच्चों के खिलाफ ऐसे जघन्य कृत्यों में शामिल लोगों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस संबंध में सभी तत्काल और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।'

इसके पहले पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री वी. संपतकुमार ने कोयंबटूर ईएसआई अस्पताल में 10 वर्षीय बच्ची के परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। मंत्री ने कहा कि बच्ची की हत्या की सूचना मिलते ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों से परामर्श किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि औपचारिक शिकायत दर्ज होने से पहले ही यह घटना घटित हो गई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच में तेजी लाई जाएगी और उन्होंने अधिकारियों से तत्काल आरोपपत्र दाखिल करने का आग्रह किया है।

गौरतलब है कि कोयंबटूर में 10 वर्षीय बच्ची दो दिन पहले लापता हो गई थी। बच्ची का शव शुक्रवार की शाम सुलूर इलाके के कन्नमपालयम टैंक के पास मिला। बच्ची के चाचा पलानीसामी ने बताया कि उनका परिवार कोलाथुर का रहने वाला है। रात में सूचना मिली कि बच्ची दो दिन पहले शाम को एक दुकान से लौटने के बाद लापता हो गई थी।

तारे या गैलेक्सी... दोनों में फर्क कैसे पहचानें? डिफ्रैक्शन स्पाइक्स से दूर होगी उलझन

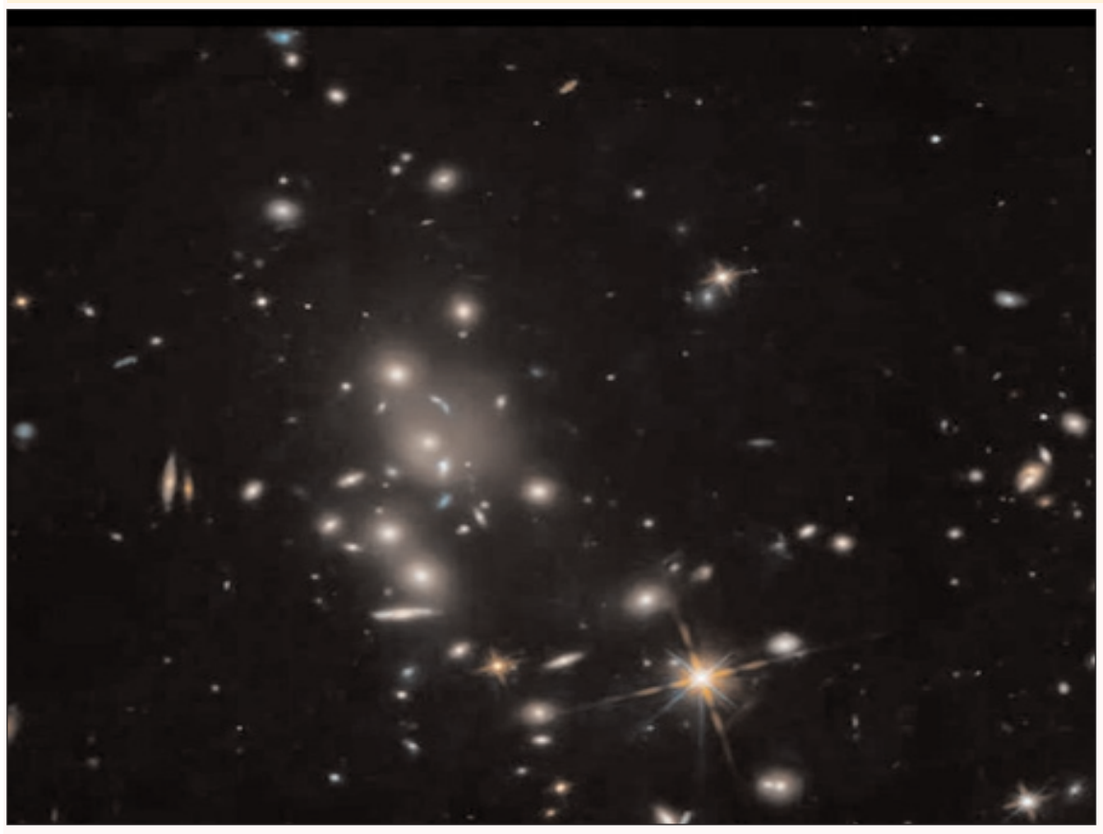

नई दिल्ली। अंतरिक्ष की गहराइयों में तारे और गैलेक्सी को देखकर अक्सर भ्रम हो जाता है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने सोशल मीडिया पर एक खास तस्वीर पोस्ट करते हुए इस उलझन का समाधान बताया है।

नासा के हबल टेलीस्कोप ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'तारे या गैलेक्सी? '। हबल स्पेस टेलीस्कोप द्वारा ली गई इस तस्वीर में गैलेक्सियों के एक पूरे समूह को दिखाया गया है, लेकिन इसमें कुछ तारे भी नजर आ रहे हैं। इन दोनों को अलग-अलग पहचानने के आसान तरीके, यानी 'डिफ्रैक्शन स्पाइक्स', के बारे में भी नासा ने जानकारी दी। पोस्ट की गई तस्वीर एमएसीएस जे1141.6-1905 नामक गैलेक्सी क्लस्टर को दिखाती है। इसमें दिखाई देने वाला लगभग हर चमकीला बिंदु एक पूरी गैलेक्सी है, जिसमें लाखों या अरबों तारे मौजूद हैं। हालांकि, कुछ चमकते बिंदु हमारी आकाशगंगा के अपेक्षाकृत पास मौजूद तारे हैं। ऐसे में यह भ्रम होना स्वाभाविक है कि कौन-सा बिंदु तारा है और कौन-सी गैलेक्सी।

नासा के अनुसार, जब किसी तारे या अन्य प्रकाश स्रोत की रोशनी हबल टेलीस्कोप के सेकेंडरी मिरर को सहारा देने वाले ढांचों के किनारों से गुजरती है, तो वह डिफ्रैक्ट होकर चारों ओर नुकीली किरणों या 'स्पाइक्स' का रूप ले लेती है। ये डिफ्रैक्शन स्पाइक्स किसी तारे की पहचान का प्रमुख संकेत होते हैं। गैलेक्सी में इतनी स्पष्ट और नुकीली किरणें दिखाई नहीं देतीं।

तस्वीर के निचले दाहिने हिस्से में एक तारा साफ तौर पर डिफ्रैक्शन स्पाइक्स के साथ चमकता दिखाई दे रहा है। वहीं, बाईं ओर अलग-अलग आकार की सर्पिल और अंडाकार गैलेक्सियां फैली हुई हैं।

एमएसीएस जे1141.6-1905 गैलेक्सी समूह 'क्रेटर' तारामंडल में स्थित है और पृथ्वी से लगभग 4 अरब प्रकाश वर्ष दूर है। हबल ने इसे दृश्य और इन्फ्रारेड, दोनों तरह की रोशनी में कैद किया है। वैज्ञानिकों ने इस क्लस्टर का अध्ययन गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग और एक्स-किरणों में चमकने वाली गैलेक्सिज को समझने के लिए किया है।

हबल स्पेस टेलीस्कोप का आर्काइव आज 1.7 मिलियन से अधिक ऑब्जर्वेशन्स का खजाना बन चुका है। यह डेटा भविष्य के खगोलविदों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। नासा और यूरोपीय स्पेस एजेंसी ईएसए के सहयोग से तैयार की गई इस तस्वीर को हवाई विश्वविद्यालय के एच एबलिंग और नासा के जी कोबर ने प्रोसेस किया है।

पहाड़ों और तेज हवाओं का कमाल, क्या हैं अनोखे आकार वाले 'लेंटिकुलर बादल', कैसे होता है निर्माण?

नई दिल्ली। आसमान में अक्सर लेंस या तश्तरी के आकार वाले बादल दिखाई देते हैं, जो देखने में बेहद अनोखे और आकर्षक लगते हैं। इन्हें लेंटिकुलर बादल कहा जाता है। तकनीकी भाषा में इन्हें ऑल्टोक्यूमुलस स्टैंडिंग लेंटिकुलरस कहा जाता है।

लेंटिकुलर बादलों के चिकने और साफ किनारों के कारण कई लोग इन्हें यूएफओ यानी अनजान उड़ने वाली वस्तु भी समझ बैठते हैं। लेंटिकुलर बादलों को 'आसमान में तैरती प्लेटों' जैसा भी बताया जाता है। ये बादल मुख्य रूप से ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों के ऊपर बनते हैं, जहां तेज हवाएं चल रही हों। रॉकी पर्वत श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में ये काफी आम हैं, जबकि हवाई जैसे कुछ स्थानों पर अपेक्षाकृत कम दिखाई देते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जब तेज हवाएं किसी बड़ी भौगोलिक रुकावट, जैसे पहाड़ी श्रृंखला, से टकराती हैं तो हवा को पहाड़ों के ऊपर से गुजरना पड़ता है। इस प्रक्रिया में हवा ऊपर उठती है, फैलती है और ठंडी हो जाती है। अगर हवा में पर्याप्त नमी हो तो ठंडा होने पर जलवाष्प संघनित होकर बादल का रूप ले लेती है। जब हवा और ऊपर पहुंचती है तो बादल बनता है। इसके बाद हवा नीचे उतरती है, गर्म होती है और नमी भाप बनकर उड़ जाती है, जिससे बादल का निचला हिस्सा साफ हो जाता है। इसी वजह से बादल लेंस के आकार का दिखाई देता है।

खास बात यह है कि हवा तेजी से इन बादलों के अंदर से गुजरती रहती है, लेकिन बादल एक ही जगह पर स्थिर दिखाई देता है। यही कारण है कि इन्हें स्टैंडिंग लेंटिकुलर बादल भी कहा जाता है। न्यूजीलैंड के दक्षिण द्वीप के ओटागो क्षेत्र में एक खास लेंटिकुलर बादल नियमित रूप से बनता है, जिसे स्थानीय लोग तैएरी पेट भी कहते हैं।

7 सितंबर 2024 को अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के लैंडसेट 8 सैटेलाइट ने इसकी शानदार तस्वीर खींची थी। यह बादल मिडिलमार्च के पास रॉक एंड पिलर रेंज नामक पहाड़ी क्षेत्र के ऊपर बनता है।

शरीर के लिए खतरे का संकेत है बार-बार थकान और सुस्ती, अनदेखी पड़ सकती है भारी

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई लोग लगातार थकान और सुस्ती महसूस करते रहते हैं। उन्हें लगता है कि यह सामान्य बात है, लिहाजा कई बार चीनी पानी पीकर या नींद लेकर लोग इस आने वाली बड़ी समस्या की अनदेखी कर देते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, बार-बार होने वाली थकान और सुस्ती शरीर की ओर से दिए गए खतरे के संकेत हो सकते हैं। अगर इसे अनदेखा किया गया तो यह आगे चलकर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, बार-बार थकान महसूस होना अक्सर मोटापे और इससे जुड़ी अन्य बीमारियों का शुरुआती संकेत होता है। इससे शरीर धीरे-धीरे अंदर से कमजोर होने लगता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, फैटी लीवर और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ा सकता है।

जब शरीर में वजन अनियंत्रित रूप से बढ़ता है, तो शरीर के अलग-अलग अंगों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इससे ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और व्यक्ति पूरे दिन थका-थका सा महसूस करता है। खराब खानपान, कम शारीरिक गतिविधि, तनाव और अनियमित नींद भी इस समस्या को बढ़ावा देते हैं।

यदि आपको भी ये समस्या है तो घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि कुछ आदतों के साथ बचाव किया जा सकता है। एनएचएम लोगों को सलाह देता है कि थकान को सामान्य न मानें और इसके कारण का पता लगाएं। कुछ सरल आदतें अपनाकर आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि छोटी-छोटी स्वस्थ आदतें अपनाकर हम बड़े रोगों से बच सकते हैं। अगर थकान के साथ-साथ वजन बढ़ना, सांस फूलना या भूख न लगना जैसे लक्षण भी दिखें तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें। समय रहते ध्यान देने से गंभीर बीमारियों को रोका जा सकता है।

नमक का सेवन कम करें, ज्यादा नमक ब्लड प्रेशर बढ़ाता है और थकान का कारण बनता है, तेल-घी कम इस्तेमाल करें और कम तेल वाला संतुलित भोजन लें। चीनी सीमित मात्रा में लें, मीठी चीजों का ज्यादा सेवन मोटापा और डायबिटीज को न्योता देता है। रोजाना व्यायाम करें, इसके लिए कम से कम 30-45 मिनट पैदल चलना, योग या कोई शारीरिक गतिविधि जरूर करें। गर्मियों में खासकर पानी ज्यादा पीएं।

गर्मियों में शरीर का प्राकृतिक सुरक्षा कवच है आम पन्ना, डिहाइड्रेशन और कमजोरी से दिलाता है राहत

नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम आते ही सबसे ज्यादा खतरा शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स की कमी का होता है। डॉक्टर भी बार-बार लोगों को ऐसी चीजें खाने-पीने की सलाह देते हैं, जो शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ ऊर्जा बनाए रखें।

भारत में सदियों से इस्तेमाल होने वाला आम पन्ना इसी वजह से गर्मियों का बेहद खास पेय माना जाता है। कच्चे आम, मसालों और प्राकृतिक तत्वों से तैयार होने वाला यह पारंपरिक ड्रिंक सिर्फ स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद कई पोषक तत्व शरीर को गर्मी से होने वाली परेशानियों से बचाने में मदद कर सकते हैं।

कच्चे आम में विटामिन-सी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। यह विटामिन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। मेडिकल रिसर्च बताती है कि विटामिन-सी शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है, जिससे संक्रमण का खतरा कम हो सकता है। गर्मियों में धूप और धूल की वजह से शरीर जल्दी थकने लगता है, ऐसे में आम पन्ना शरीर को अंदर से तरोताजा रखता है।

आम पन्ना का सबसे बड़ा फायदा शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखना माना जाता है। तेज गर्मी में पसीने के जरिए शरीर से सोडियम, पोटैशियम और दूसरे जरूरी

मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं। इससे कमजोरी, चक्कर और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कच्चे आम में मौजूद पोटैशियम और नमक के साथ मिलकर बना आम पन्ना शरीर में इन तत्वों की कमी को पूरा करने में मदद करता है।

पाचन तंत्र के लिए भी आम पन्ना को फायदेमंद माना जाता है। कच्चे आम में फाइबर और कुछ प्राकृतिक एसिड पाए जाते हैं, जो पेट की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। गर्मियों में अक्सर लोगों को अपच, गैस और भूख कम लगने जैसी समस्याएं होती हैं। ऐसे में आम पन्ना पेट को हल्का महसूस कराने और पाचन प्रक्रिया को संतुलित रखने में मदद कर सकता है। इसमें इस्तेमाल होने वाला भुना जीरा भी पाचन एंजाइम को सक्रिय करता है।

त्वचा के लिए भी यह पेय काफी लाभकारी माना जाता है। कच्चे आम में मौजूद विटामिन-ए और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। तेज धूप और गर्म हवा की वजह से त्वचा में रूखापन और जलन बढ़ सकती है।

धूप से लौटने के बाद तुरंत पानी पीने की आदत पड़ सकती है भारी, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में लू, तपन, उमस और तेज धूप से बचाव के साथ-साथ भरपूर मात्रा में पीना पीना बेहद जरूरी है। हालांकि, गलत तरीके से पानी पीने की आदतें सेहत पर गलत असर डाल सकती हैं, जो बेहद खतरनाक हो सकती है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट्स धूप से लौटने के तुरंत बाद पानी पीने की आम गलतियों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा करने वाली आदत बताते हुए चेतावनी भी देते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने चेतावनी दी है कि धूप से लौटने के तुरंत बाद पानी पीने की आम गलती गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती है। गर्मी में बाहर से घर आते ही कई लोग ठंडा पानी या बर्फ वाला पानी पीने की गलती कर बैठते हैं।

एनएचएम के अनुसार, यह आदत शरीर के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। जब शरीर अत्यधिक गर्म हो जाता है, तब अचानक ठंडा पानी पीने से शरीर का तापमान अचानक बदल

जाता है, जिससे पाचन तंत्र, गले और शरीर के अन्य अंगों पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में धूप से लौटने के बाद पानी पीने के सही तरीकों पर ध्यान देना जरूरी है।

गर्मी के मौसम में शरीर से लगातार पानी की कमी होती रहती है। सही तरीके से पानी पीने से डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और अन्य गर्मी संबंधी बीमारियों से बचाव होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है, लेकिन सही समय और तरीके से।

तुरंत पानी न पीएं : बाहर से आने के बाद कम से कम 10-15 मिनट शरीर को आराम दें। छाया में बैठकर शरीर का तापमान सामान्य होने दें।

बहुत ठंडा या बर्फ का पानी न पीएं : ऐसे पानी से गले में खराश, पेट दर्द या सर्दी जैसी समस्या हो सकती है।

छोटे-छोटे घूंट में पानी पीएं : एक साथ पूरा गिलास पीने की बजाय धीरे-धीरे घूंट लेकर पिएं। सामान्य तापमान का पानी पीएं :- यदि संभव हो तो घड़े का रखा हुआ सामान्य पानी ही बेहतर है। शरीर को सामान्य होने दें :- पहले पसीना सूखने दें और सांस को सामान्य होने दें, फिर पानी पिएं।

कमर की अकड़न और मानसिक तनाव से हैं परेशान? रोजाना करें अर्द्धउष्ट्रासन

नई दिल्ली। आज की व्यस्त दिनचर्या में शरीर की जकड़न, पीठ दर्द और मानसिक तनाव आम समस्याएं बन चुकी हैं। ऐसे में योग न केवल शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है, बल्कि मन को शांत रखने में भी मदद करता है। इन्हीं योगासनों में अर्द्धउष्ट्रासन भी शामिल है, जो शरीर को कई तरह के लाभ पहुंचाता है।

इस आसन को 'हाफ कैमल पोज' के नाम से भी जाना जाता है, जो पूर्ण उष्ट्रासन का एक कम तीव्र रूप है। यह आसन खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं या कमर और कंधों में अकड़न महसूस करते हैं।

नियमित अभ्यास से यह रीढ़ को लचीला बनाने, तनाव को कम करने और शरीर को ऊर्जावान रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसे शुरुआती स्तर का योगासन बताया है। मंत्रालय के अनुसार, यह शरीर के अगले हिस्से (छाती और पेट) को खींचता है और पीठ को मजबूती देता है। यह पूर्ण 'उष्ट्रासन' (ऊंट मुद्रा) का एक सरल रूप है, जिसे आसानी से दैनिक दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है। इसे नियमानुसार करने से पेट की मांसपेशियों में खिंचाव होता है, जिससे पाचन तंत्र बेहतर होता है और कब्ज जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। यह आसन हृदय चक्र को खोलने में मदद करता है, जिससे तनाव और चिंता में कमी आती है। कूल्हों, जांघों और पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, जिससे शरीर की समग्र ताकत बढ़ती है। साथ ही, यह रक्त संचार को बेहतर करता है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। शुरुआती और मध्यवर्ती स्तर के अभ्यर्थियों के लिए यह आसन आदर्श है, क्योंकि इसे शारीरिक क्षमता के अनुसार आसानी से किया जा सकता है। नियमित अभ्यास से यह आसन न केवल शारीरिक लचीलापन बढ़ाता है, बल्कि मानसिक स्थिरता और आत्मविश्वास को भी प्रोत्साहित करता है।

शरीर की मूवमेंट को बैलेंस कर साइड फैट कम करता है अर्धचक्रासन, आयुष मंत्रालय ने बताए फायदे

नई दिल्ली। हर साल 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाता है। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय महत्व को बढ़ावा देने के लिए रोजाना विभिन्न योगासनों के फायदों की जानकारी दे रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय ने अर्धचक्रासन के फायदों के बारे में जानकारी दी।

यह आसन शरीर की मूवमेंट को बैलेंस करने के साथ-साथ साइड फैट यानी कमर के साइड वाले अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बेहद उपयोगी साबित होता है। आजकल की व्यस्त और बैठी रहने वाली जीवनशैली में लोग अक्सर शरीर की छोटी-छोटी शिकायतों को नजरअंदाज कर देते हैं। पीठ में अकड़न, कम लचीलापन, बार-बार पीठ दर्द और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं आम हो गई हैं।

मंत्रालय के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान अर्धचक्रासन जैसे आसान योगासन से हो सकता है। अर्धचक्रासन अभ्यास के लिए खड़े होकर दोनों पैरों को मिलाकर रखें। इसके बाद कमर से ऊपर की ओर झुकते हुए दोनों हाथों को पीछे ले जाएं और कमर को पीछे की ओर मोड़ें। हाथों को जांघों के पीछे रखकर शरीर को अर्धचंद्राकार यानी आधे चक्र की मुद्रा में लाएं। शुरुआती लोग इसे दीवार का सहारा लेकर भी कर सकते हैं। इस दौरान सामान्य तरीके से सांस लेते रहें।

अर्धचक्रासन के फायदों पर नजर डालें तो यह आसन कमर के दोनों ओर जमा अतिरिक्त चर्बी को घटाने में मदद करता है और पेट व कमर को आकार देता है। रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है और पूरे शरीर की गति को संतुलित रखता है। साथ ही, पीठ की मांसपेशियों को मजबूत कर अकड़न को दूर करता है। यही नहीं, इसके अभ्यास से फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है और सांस संबंधी परेशानियां कम होती हैं।

अर्धचक्रासन के अभ्यास से मन शांत करता है और थकान दूर करने में भी यह सहायक है और इसके अभ्यास से पेट के अंगों पर हल्का दबाव पड़ता है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर होती है।

आयुष मंत्रालय का कहना है कि रोजाना 5 से 10 मिनट अर्धचक्रासन का अभ्यास करने से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है और मुद्रा भी सही रहती है।

खासकर ऑफिस जाने वाले लोगों और महिलाओं के लिए यह आसन बहुत फायदेमंद है। हालांकि, गर्भवती महिलाएं, हाई ब्लड प्रेशर या हाल ही में कोई सर्जरी कराने वाले लोग इस आसन को करने से पहले डॉक्टर या योग विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

आईपीएल 2026 : श्रेयस अय्यर की तुफानी शतक, पंजाब किंग्स ने लखनऊ को 7 विकेट से हराया

लखनऊ । आईपीएल 2026 के 68वें मुकाबले में पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 197 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे अय्यर के शतक और प्रभसिमरन की फिफ्टी की मदद से पंजाब किंग्स ने 18 ओवर में ही हासिल कर लिया।

पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हराया।

PBKS- 200/3 (18)

LSG- 196/6 (20 ओवर)

पंजाब किंग्स के लिए यह मैच करो या मरो जैसा है, वहीं लखनऊ के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। अगर आज के मैच में पंजाब किंग्स जीतती है तो उसके 15 अंक होंगे और वह राजस्थान रॉयल्स के हारने के केस में प्लेऑफ्स में पहुंच सकती है। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स आज के मैच में जीत हासिल करके खुद को पॉइंट्स टेबल के गर्त यानी 10वें स्थान से निकलकर 9वें स्थान पर लाना चाहिए।

पंजाब किंग्स बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच अब तक कुल 7 मैच खेले गए हैं, जिसमें से पंजाब ने 4 में जीत दर्ज की है, जबकि लखनऊ को 3 मैचों में जीत मिली है। इकाना में पंजाब किंग्स ने लखनऊ को दो बार हराया है, जबकि एक बार लखनऊ इस मैदान पर जीती है।

लखनऊ सुपर जाइंट्स (प्लेइंग इलेवन): जोश इंग्लिस, अर्शिन कुलकर्णी, निकोलस पूरन, आयुष बडोनी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, अर्जुन तेंदुलकर, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, मोहसिन खान।

पंजाब किंग्स (प्लेइंग इलेवन): प्रभसिमरन सिंह (डब्ल्यू), प्रियांश आर्य, कूपर कोनोली, श्रेयस अय्यर (सी), सूर्यांश शेडगे, शशांक सिंह, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को जानसन, विजयकुमार विशाक, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल।

डार्विन नुनेजः गरीबी में बीता बचपन, ब्राजील के खिलाफ दिलाई ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली। 18 अक्टूबर, 2023 की तारीख शायद उरुग्वे के फुटबॉल इतिहास की सबसे यादगार तारीख में से एक है। इसी तारीख को उरुग्वे ने वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच में वो कर दिखाया था, जिसकी उम्मीद शायद किसी ने नहीं की थी। उरुग्वे ने 22 साल का सूखा खत्म करते हुए ब्राजील को हराया था। उरुग्वे की इस ऐतिहासिक जीत के नायक प्रमुख स्ट्राइकर डार्विन नुनेज रहे थे।

नुनेज द्वारा किए गए मैच में उस पहले गोल पर उरुग्वे के तमाम फैंस खुशी से झूम उठे थे। एक गोल दागने के साथ ही मुकाबले में दूसरे गोल करने में भी नुनेज ने अहम भूमिका निभाई थी। इस मुकाबले ने इंटरनेशनल स्टेज पर डार्विन नुनेज को पहचान दिलाने का काम किया था और उरुग्वे का नया सुपरस्टार बना दिया था।

हालांकि, नुनेज का यह सफर मुश्किलों से भरा रहा। नुनेज का बचपन बेहद गरीबी में गुजरा। उनकी मां बोतलें बेचकर दो वक्त की रोटी का गुजारा किया करती थी, जबकि नुनेज के पिता मजदूर थे। कभी-कभी हालात ऐसे हो जाते थे कि मां को भूखे पेट रहकर अपने दोनों बेटों को खाना खिलाना पड़ता था।

उरुग्वे के आर्टिगास में जन्मे नुनेज जिस इलाके में रहते थे, वहां अक्सर बाढ़ का खतरा मंडराता रहता था। हालांकि, नुनेज के अंदर शुरुआत से ही फुटबॉल खेलने की चाहत थी और वह इस खेल के दम पर अपने परिवार को इस गरीबी से बाहर निकालना चाहते थे। नुनेज ने अपने करियर की शुरुआत स्थानीय क्लब आर्टिगास की युवा एकेडमी के साथ की थी।

एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपनः आदिल-मुकंद की जोड़ी ने मेंस डबल्स के फाइनल में बनाई जगह

बेंगलुरु । भारतीय डबल्स जोड़ी आदिल कल्याणपुर और मुकुंद शशिकुमार ने शुक्रवार को बेंगलुरु में एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन में आयरलैंड के चार्ल्स बैरी और ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ चार्लटन की दूसरी सीडेड जोड़ी को 6-4, 6-3 से हराकर मेंस डबल्स फाइनल में जगह बनाई।

हालांकि, पिछले हफ्ते कर्नाटक ओपन डबल्स का खिताब जीतने वाली भारतीय जोड़ी निकी कलियांडा पूनाचा और साकेत माइनेनी को कजाकिस्तान के पेट्र बार बिरयुकोव और ग्रिगोरी लोमाकिन के खिलाफ सीधे सेटों में 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।

वहीं, इस टेनिस टूर्नामेंट में इल्या इवाश्का ने दबाव में भी शांत रहते हुए ब्रिटेन के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हामिश स्टीवर्ट को एक रोमांचक सेमीफाइनल में 6-3, 3-6, 6-2 से हराया। फाइनल में उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पेट्र बार बिरयुकोव से होगा, जिन्होंने एक और मैराथन सेमीफाइनल मुकाबले में दूसरे सीड

खिलाड़ी एलेस्टेयर ग्रे को 3-6, 6-4, 7-6(5) से हराया।

वहीं, सिंगल्स सेमीफाइनल में इवाश्का और बिरयुकोव ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल का टिकट कटाया। इवाश्का ने पहले सेमीफाइनल में स्टीवर्ट को 6-3, 3-6, 6-2 से हराया। अपने आक्रामक बेसलाइन गेम और एटीपी टूर पर अनुभव रखने वाले इवाश्का ने शुरुआती सेट के दूसरे गेम में सर्व तोड़कर स्टीवर्ट के खिलाफ पहला अटैक किया। बेलारूसी खिलाड़ी ने पक्की सर्विंग और क्लीन हिटिंग से बढ़त बनाए रखी और सेट 6-3 से जीत लिया।

दूसरे गेम में स्टीवर्ट ने शानदार वापसी की। ब्रिट खिलाड़ी ने अपने शॉट्स में ज्यादा ताकत और गहराई दिखाई। उन्होंने दूसरे और आठवें गेम में इवाश्का की सर्विस तोड़कर बढ़त बनाई। दूसरी तरफ, इवाश्का सिर्फ सातवें गेम में एक बार ही ब्रेक कर सके। स्टीवर्ट ने 6-3 से सेट जीतकर मैच बराबरी पर ला दिया और खेल का रुख अपनी तरफ कर लिया। हालांकि, निर्णायक सेट पूरी तरह से इवाश्का के नाम रहा। लंबी रैलियों में संयम दिखाते हुए, उन्होंने स्टीवर्ट से गलतियां करवाईं और छठे और आठवें गेम में जरूरी ब्रेक हासिल करके दो घंटे और पांच मिनट के बाद मुकाबला 6-2 से खत्म किया। स्टीवर्ट ने इवाश्का के पांच के मुकाबले आठ ऐस काउंट हासिल किए। दूसरे सेमीफाइनल में बिरयुकोव ने जोरदार सर्व और शानदार फोरहैंड की मदद से दो घंटे और एक मिनट तक चले एक नाटकीय तीन-सेटर में एलेस्टेयर ग्रे को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया।

'एसआरएच के गेंदबाजों ने धीमी गेंदों का शानदार इस्तेमाल किया', हार के बाद बोले कप्तान रजत

हैदराबाद । आईपीएल 2026 के 67वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ 55 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने एसआरएच के गेंदबाजों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि एसआरएच के गेंदबाजों ने धीमी गेंदों का शानदार तरीके से इस्तेमाल किया, जिसके चलते रन बनाने में मुश्किल आई।

मैच के बाद आरसीबी के कप्तान रजत ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके टॉप पांच बल्लेबाजों ने बहुत अच्छा खेला, और उन्होंने पहली इनिंग में पूरी तरह से दबदबा बनाया।' पिच को लेकर बात करते हुए रजत ने कहा, 'सच में नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि धीमी बाउंसर कारगर साबित हो रही थी। एसआरएच के गेंदबाजों ने शानदार अंदाज में धीमी बाउंसर और यॉर्कर का इस्तेमाल किया। यकीनन पहले स्थान पर रहना हमारी प्राथमिकता थी, लेकिन मुझे लगता है कि पहली पारी में बहुत रन बन गए थे। इस विकेट पर मेरे हिसाब से 255 रनों का स्कोर काफी अच्छा टोटल है।'

रजत ने माना कि धीमी गेंदों के खिलाफ रन बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पांच गेंदबाजों ने धीमी बाउंसर और यॉर्कर का बहुत अच्छे से इस्तेमाल किया। हैदराबाद का विकेट काफी अच्छा है, लेकिन जब आप धीमी बाउंसर डालते हैं और गेंद को धीमी रफ्तार के साथ फेंकते हैं, तो मुझे लगता है कि बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बहुत मुश्किल होता है।'

एसआरएच से मिले 256 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी। विराट कोहली 11 गेंदों में सिर्फ 15 रन ही बना सके। बतौर सलामी बल्लेबाज उतरे वेंकटेश अय्यर ने 19 गेंदों में 44 रनों की दमदार पारी खेली। देवदत्त पडिक्कल 14 गेंदों में 21 रन बनाकर ईशान मलिंगा का शिकार बने। कप्तान रजत पाटीदार ने 39 गेंदों में 56 रन बनाए, तो क्रुणाल पांड्या 31 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, टिम डेविड 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले, सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में 4 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 255 रन लगाए। अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों में 56 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि ईशान किशन ने 46 गेंदों का सामना करते हुए।

एटीपी राउंडअपः हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में पहुंचे टॉमी पॉल, लर्नर टिएन ने भी बनाई खिताबी मुकाबले में जगह

हैम्बर्ग । टॉमी पॉल ने जर्मनी में शुक्रवार को हुए सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को 2-6, 6-3, 6-3 से हराकर हैम्बर्ग ओपन के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

छठी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी पहला सेट हारने और दूसरे में 3-0 से पिछड़ने के बाद सीधे सेटों में हारने की राह पर लग रहे थे। हालांकि, पॉल ने लगातार नौ गेम जीतकर मैच का रुख बदल दिया और आखिरी सेट पर कंट्रोल कर लिया। इस जीत के साथ ही 28 वर्षीय पॉल अपने 10वें एटीपी टूर-लेवल फाइनल और इस सीजन में क्ले कोर्ट पर दूसरे फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले पिछले महीने ह्यूस्टन में उन्होंने खिताब जीता था।

भले ही डी मिनौर ने 17 में से 13 ब्रेक पॉइंट बचाए, लेकिन उन्हें अपनी दूसरी सर्व में दिक्कत हुई, और वे उनमें से सिर्फ 44 प्रतिशत पॉइंट ही जीत पाए, क्योंकि पॉल ने बेसलाइन से उन्हें धीरे-धीरे थका दिया था। पॉल अब फाइनल में इग्नासियो बुसे से मुकाबला करेंगे। 22 साल के बुसे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लकी लूजर एलेक्जेंडर कोवासेविक को सिर्फ 64 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। बुसे 2007 में लुइस हॉर्ना के बाद एटीपी टूर-लेवल के फाइनल में पहुंचने वाले पेरू के पहले खिलाड़ी हैं।

इस बीच, स्विट्जरलैंड में जिनेवा ओपन में अमेरिकी युवा लर्नर टिएन ने कजाकिस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 6-1, 4-6, 7-6(5) से हराकर अपने करियर के पहले क्ले-कोर्ट फाइनल में जगह बनाई। आखिरी सेट के टाईब्रेक में 6-1 की बढ़त बनाने के बाद टिएन आसान जीत की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन घबराहट में उन्होंने चार मैच पॉइंट गंवा दिए और आखिरकार अपने पांचवें मौके पर जीत हासिल की।

20 वर्षीय टिएन 1990 में सर्गी ब्रुगुएरा के बाद सबसे कम उम्र में जिनेवा ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली खिलाड़ी बन गए हैं।

इसके साथ ही 1984 में एरॉन क्रिकस्टीन के बाद वहां फाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन गए।

एआईएफएफ की जनरल बॉडी ने 'नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट' को अपनाने की मंजूरी दी

कोलकाता । ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने शनिवार को कोलकाता में आयोजित स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग (एसजीबीएम) में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 (एनएसजीए) को अपना लिया है।

स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग में कार्यकारी समिति के 19 सदस्य, सदस्य राज्य संघों के 32 सदस्यों के साथ फीफा और एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) के प्रतिनिधि मौजूद रहे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, 'जनरल बॉडी ने सर्वसम्मति से एआईएफएफ द्वारा एनएसजीए को अपनाने की मंजूरी दे दी। नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट राष्ट्रीय खेल ढांचे के तहत भारतीय फुटबॉल प्रशासन में एक अहम भूमिका निभाएगा, क्योंकि यह सभी खेल संघों के लिए शासन संरचना को बेहतर बनाने और पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ाने पर जोर देता है।

बैठक के दौरान एआईएफएफ के सदस्य संघों के लिए संवैधानिक सुधारों पर भी चर्चा की गई। संस्था के अनुसार, एआईएफएफ अपने सदस्य संघों से सुझाव और प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए संविधान के मसौदे को साझा करेगा।

बयान में कहा गया, 'जनरल बॉडी ने चर्चा की है कि सदस्य संघों के लिए संविधान का मसौदा सदस्य संघों के साथ साझा किया जाए, जिन्हें अपनी अंतिम राय देने के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा।'

शासन सुधारों के अलावा, फेडरेशन के मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के व्यावसायिक पहलुओं पर भी चर्चा हुई। एमआरए भारतीय फुटबॉल के लिए सबसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक फैसलों में से एक है, जो इसके मीडिया अधिकारों, प्रायोजन और मार्केटिंग समझौतों को परिभाषित और नियंत्रित करता है।

बैठक के दौरान घोषणा की गई कि समझौते के लिए दो फर्मों ने अपनी बोलियां प्रस्तुत की हैं। साथ ही, जनरल बॉडी ने इस मुद्दे पर आगे बातचीत करने का अधिकार कार्यकारी समिति को देने की मंजूरी भी प्रदान की।

इरफान पठान ने ईशान किशन की बल्लेबाजी को सराहा, बोले- एसआरएच के लिए निभा रहे अहम रोल

मुंबई । भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने ईशान किशन की सराहना की है। पठान का कहना है कि ईशान नंबर तीन की पोजीशन पर बेहद जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी कर रहे हैं और इस सीजन में यह सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की सबसे बड़ी ताकत रही है।

शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में ईशान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 79 रनों की दमदार पारी खेली, जिसके बूते एसआरएच स्कोरबोर्ड पर 4 विकेट गंवाकर 255 रन लगाने में सफल रही। इसके जवाब में आरसीबी 4 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी और 55 रनों से मैच हार गई।

इरफान पठान ने 'जियोहॉटस्टार' से बात करते हुए कहा, 'पूरे सीजन में ईशान किशन ने जो सुधार दिखाया है और जिस तरह से उन्होंने अलग-अलग पिचों और अलग-अलग मैच परिस्थितियों में जिम्मेदारी ली है, वह यकीनन शानदार है। नंबर 3 पर वह सनराइजर्स हैदराबाद के लिए बहुत जरूरी रोल निभा रहे हैं और कम्प्लीट बैटर लग रहे हैं।'

पठान ने माना कि स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ संघर्ष करने वाले ईशान किशन इस सीजन काफी बेहतर खेलते हुए दिखाई दिए हैं। उन्होंने कहा, 'वह स्पिन के खिलाफ जबरदस्त रहे हैं, खासकर ऑफ-साइड पर, और जैसे ही आप इसमें ऑन-साइड में उनकी स्ट्रेंथ जोड़ते हैं, उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है। वह अपनी इस पारी में एक समय पर पूरी तरह से कंट्रोल में लग रहे थे।'

मैच में आरसीबी के चेज के दौरान विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच तीखी बहस भी हुई। इरफान पठान का मानना ??है कि कड़े मुकाबलों में ऐसी घटनाएं आम हैं। उन्होंने कहा, 'विराट कोहली को मैदान पर उस आक्रामक ऑस्ट्रेलियाई तरीके से, मजाक-मस्ती के साथ, प्रतिस्पर्धा और भावना के साथ क्रिकेट खेलना पसंद है और उस समय वह हेड को चैलेंज कर रहे थे।'

पठान ने आखिर में कहा, 'क्रिकेट में इस तरह की घटनाओं का बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में होना एक बहुत ही सामान्य बात है, खासकर जब दोनों टीमें अंक तालिका में पहले स्थान पर जगह बनाने के लिए मुकाबला कर रही हों। हालांकि, एसआरएच के खिलाफ मिली हार के बावजूद आरसीबी अंक तालिका में पहले स्थान पर रही और टीम ने पहले क्वालिफायर का टिकट हासिल कर लिया है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के भारतीय ब्रॉडकास्टर की घोषणा अगले हफ्ते होने की उम्मीदः शाजी प्रभाकरन

नई दिल्ली। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के पूर्व जनरल सेक्रेटरी शाजी प्रभाकरन ने दावा किया कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 के भारतीय ब्रॉडकास्टर पर चर्चा आखिरकार पूरी हो गई है, और ब्रॉडकास्टिंग पार्टनर के बारे में अगले हफ्ते भारत में आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, 'भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए बड़ी खबर। इंतजार आखिरकार खत्म हुआ। बातचीत पूरी हो गई है और भारत में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ब्रॉडकास्टिंग पार्टनर का आधिकारिक ऐलान अगले हफ्ते होने की उम्मीद है। महीनों की अनिश्चितता के बाद फैंस आखिरकार आराम कर सकते हैं। वर्ल्ड कप को भारत में भी देखा जा सकेगा। इतिहास के सबसे बड़े विश्व कप के लिए तैयार हो जाइए।

यह बयान वर्ल्ड कप के भारत में ब्रॉडकास्ट होने को लेकर कई दिनों की आशंका के बाद आया है, जबकि टूर्नामेंट में तीन हफ्ते से भी कम समय बचा है। अभी तक, किसी भी ब्रॉडकास्टर ने भारतीय मार्केट में फुटबॉल टूर्नामेंट के मीडिया राइट्स खरीदने की पुष्टि नहीं की है; यह टूर्नामेंट 11 जून को अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में शुरू होने वाला है।

यह मामला हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचा, जहां प्रसार भारती ने सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया कि वह इवेंट के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स हासिल करने के लिए जिम्मेदार नहीं है।

इस मामले की सुनवाई जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव के सामने सुनवाई थी। एक याचिका दर्ज की गई थी जिसमें मांग की गई थी कि देश भर में लोगों को बड़े इवेंट्स दूरदर्शन और डीडी स्पोर्ट्स के माध्यम से दिखाए जाएं।

एडवोकेट अवधेश बैरवा द्वारा दर्ज की गई याचिका में पहले मैच से लेकर फाइनल तक, क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल सहित सभी बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट मुकाबलों को दूरदर्शन या डीडी स्पोर्ट्स पर ब्रॉडकास्ट करने का निर्देश देने की मांग की गई थी, ताकि गेम्स हर भारतीय के लिए उपलब्ध हो सकें।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415